महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

16 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

मालवा हेराल्ड

वर्ष : 16 अंक : 220 | उज्जैन, सोमवार 19 जनवरी 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सुविचार

काम बिगड़ा हो, तो सुधर जाएगा. बात बिगड़ी हो, तो बन जाएगी, किंतु जिसकी सोच ही बिगड़ी हो, उसका कोई उपचार नहीं.

इंडिया एआई मिशन-देश को बना रहा है एआई अवसंरचना की वैश्विक शक्ति : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इंडिया एआई मिशन-भारत को राष्ट्रीय स्तर की एआई अवसंरचना विकसित करने की दिशा में आगे बढ़ा रहा है। वैश्विक एआई रैंकिंग-2025 में भारत ने तीसरा स्थान प्राप्त किया है। एआई को उत्पादकता बढ़ाने तथा देश की आईटी प्रतिभा, जनसांख्यिकीय लाभांश और डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के प्रभावी उपयोग के लिए रणनीतिक साधन के रूप में अपनाया गया है। स्वदेशी डेटासेट्स, भारतीय भाषाओं पर आधारित फाउंडेशन मॉडल्स, सब्सिडी आधारित कंप्यूटर अवसंरचना और सुरक्षित व भरोसेमंद एआई गवर्नेंस फ्रेमवर्क इंडिया एआई की प्रमुख विशेषताएँ हैं।

एआई कोश और जीपीयू इंफ्रास्ट्रक्चर से स्टार्टअप को बढ़ावा- उच्च गुणवत्ता वाले डेटासेट्स प्रभावी एआई प्रणालियों की नींव होते हैं। 'एआई कोश' प्लेटफॉर्म पर 6,250 से अधिक स्वदेशी क्यूरेटेड डेटासेट्स उपलब्ध हैं, जिनके साथ सैंडबॉक्स टूल्स और निःशुल्क कंप्यूटर एक्सेस प्रदान किया जा रहा है। सब्सिडाइज्ड दरों पर 38 हजार जीपीयू उपयोग में लाए जा रहे हैं। इससे बड़े पैमाने पर एआई नवाचार को गति मिली है। इनोवेशन सेंटर के माध्यम से 12 स्टार्टअप को स्वदेशी एलएलएम और एसएलएम विकसित करने में सहयोग दिया जा रहा है।

स्वास्थ्य और नागरिक सेवाओं में एआई के प्रभावी उदाहरण- केआरएआई डायग्नोस्टिक्स ने छाती के एक्स-रे से एआई के माध्यम से टीबी स्क्रीनिंग की प्रक्रिया विकसित की है। उदाहरण प्रस्तुत किया। इंडिया एआई के सहयोग से यह तकनीक 105 से अधिक देशों में लागू हो चुकी है और इसे एफडीए की स्वीकृति भी प्राप्त है। कंवर्ज इन (नोकोबा) सरकारी कॉल सेंटर्स और शिकायत निवारण प्रणालियों में एआई एजेंट्स के उपयोग पर काम कर रहा है। व्हाट्सएप आधारित संवाद प्रणाली, शत-प्रतिशत कॉल ऑडिटिंग और एसओपी अनुपालन से परिचालन लागत घटी है और नागरिक संतुष्टि में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

एआई प्रतिभा निर्माण पर विशेष जोर- इंडिया एआई मिशन के 'एआई फॉर ऑल' कार्यक्रम के अंतर्गत उद्योग-संरेखित पाठ्यक्रम, फेलोशिप्स और देशभर में 570 एआई एवं डेटा लैब्स स्थापित की जा रही हैं। यूजी, पीजी और पीएचडी विद्यार्थियों को स्टाइपेंड, मेंटरशिप और कंप्यूटर एक्सेस उपलब्ध कराया जा रहा है।

शासन में जीआईएस और एआई का एकीकृत उपयोग- 'जिला जीआईएस प्लानिंग सिस्टम' के माध्यम से जमीनी स्तर पर योजना और निगरानी को सशक्त किया जा रहा है। एआई, जीआईएस, ड्रोन और सैटेलाइट इमेजरी के एकीकृत उपयोग से शहरी नियोजन, जल प्रबंधन और खनन निगरानी में पारदर्शिता लाई जा रही है।

भारत प्रारंभिक डिजिटलीकरण से आगे बढ़कर अब बड़े पैमाने पर डिजिटल सार्वजनिक सेवा वितरण में उल्लेखनीय प्रगति कर चुका है। आधार, यूपीआई, कोविन, डिजिलॉकर, भाषिणी और ओएनडीसी इस परिवर्तन की मजबूत आधारशिला बन गये हैं।

डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ एआई के एकीकरण से स्वास्थ्य जांच, बहुभाषी सेवा वितरण और निर्णय समर्थन प्रणालियों में शासन की दक्षता कई गुना बढ़ाई जा सकती है। भाषाई समावेशन डिजिटल समानता का आधार है। नेतृत्व-आधारित परिवर्तन और क्षमता निर्माण एकीकृत बैक-एंड प्लेटफॉर्म्स के लिये आवश्यक हैं।

आर्थिक विकास एवं सामाजिक कल्याण के लिए एआई- एआई उत्पादकता वृद्धि, रोजगार सृजन, नवाचार और समावेशी विकास का सशक्त माध्यम बन गई है। एआई को केवल तकनीकी समाधान नहीं, बल्कि मानव-केंद्रित और सामाजिक प्रभाव आधारित दृष्टिकोण के साथ अपनाये जाने की आवश्यकता है।

कृषि में एआई आधारित मृदा परीक्षण और सलाह प्रणालियों को किसानों की निर्णय प्रक्रिया को सरल बनाने वाला तथा स्वास्थ्य क्षेत्र में एआई आधारित डायग्नोस्टिक्स रोग पहचान में तेजी लाने वाला प्रभावी उपकरण बन गया है। एमएसएमई और टियर-2 व टियर-3 क्षेत्रों में एआई विस्तार के लिए मजबूत डिजिटल अवसंरचना, साझा डेटा प्लेटफॉर्म और उपयुक्त संस्थागत व्यवस्था की आवश्यकता है।

सुरक्षित, लचीली और भविष्य के लिये तैयार डिजिटल एवं एआई अवसंरचना के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एआई अब आकांक्षात्मक तकनीक नहीं, बल्कि सार्वजनिक सेवा वितरण, औद्योगिक प्रतिस्पर्धा और डिजिटल शासन की मूल आवश्यकता बन चुकी है।

एआई अवसंरचना है भारत के दीर्घकालिक डिजिटल नेतृत्व की कुंजी- सॉवरेन डेटा और कंप्यूटर अवसंरचना के रणनीतिक महत्व की दृष्टि से उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग, स्वदेशी हार्डवेयर, सुरक्षित डेटा सेंटर और मजबूत सप्लाई चेन को राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप विकसित करने की आवश्यकता है। गोपनीयता, अनुपालन, जवाबदेही और जोखिम प्रबंधन को एआई के पूरे जीवनचक्र में अंतर्निहित किया जाना चाहिए। भरोसेमंद और सुरक्षित एआई अवसंरचना भारत के दीर्घकालिक डिजिटल नेतृत्व की कुंजी है।

न्यूज ब्रीफ

तेजस्वी पर JDU का करारा पलटवार; माता-पिता के शासनकाल की दिलाई याद, जीरो टोलरेंस पॉलिसी की चर्चा

पटना/ जीएनएस। जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने रविवार को कहा कि अपराध पर नीतीश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति आज भी बरकरार है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव नीतीश कुमार पर इस संबंध में भ्रामक आरोप लगा रहे हैं। नीतीश सरकार वर्ष 2005 से ही अपराध पर अपनी जीरो टॉलरेंस नीति पर अडिग है और इसे सख्ती से लागू करती रही है। जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नीतीश सरकार में, लालू-राबड़ी की सरकार की तरह अपराधियों को संरक्षित नहीं किया जाता और न ही आपराधिक मामलों को लटकाने, अटकाने और भटकाने की नीति अपनाई जाती। वर्तमान सरकार में पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से आपराधिक घटनाओं के खिलाफ त्वरित कार्रवाई होती है। दोषियों को समयबद्ध रूप से दंडित किया जाता है। जदयू प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष जिस मधेपुरा की घटना का जिक्र कर रहे हैं, उस मामले में सरकार ने एसआईटी का गठन किया और आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा गया। ठीक उसी प्रकार, खगड़िया की घटना में प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। नीट छात्रा के साथ हुई घटना अत्यंत दुखद है। इस मामले पर भी सरकार की गहनता से जांच जारी है। हास्टल संचालक को भी गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। जांच के बाद जो भी लोग दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी। किसी को बख्शा नहीं जाएगा। बता दें कि तेजस्वी यादव ने एक्स पर पोस्ट कर सरकार पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने एनडीए की डबल इंजन सरकार पर भ्रष्टाचारियों, अपराधियों व बलात्कारियों का विश्वसनीय उपकरण बता दिया था।

वाराणसी में मणिकर्णिका घाट पर तोड़-फोड़ पर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का भाजपा पर बड़ा हमला

लखनऊ/ जीएनएस। वाराणसी में मणिकर्णिका घाट पर हुई तोड़-फोड़ को लेकर राजनीति तेज हो गई है। कांग्रेस ने इस प्रकरण को लेकर भाजपा को कठघरे में खड़ा किया है।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री अजय राय ने भारतीय जनता पार्टी को संवेदनहीन बताते हुए योगी आदित्यनाथ सरकार पर हमला बोला। कांग्रेस कमेटी के कार्यालय में रविवार को आयोजित प्रेसवार्ता में अजय राय ने कहा कि भाजपा काशी की पौराणिकता और संस्कृति को नष्ट कर रही है। यह आस्था नहीं, बल्कि व्यापार की राजनीति है। अजय राय ने कहा कि वाराणसी में काशी विश्वनाथ कारिडोर हो या अहिल्याबाई होल्कर की मूर्तियों का मामला, काशी को नुकसान पहुंचाने का काम कोई बाहरी नहीं, बल्कि वही लोग कर रहे हैं जो खुद को गंगा और काशी का संरक्षक बताते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा 25 मई 2025 को माता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती बड़े आयोजन और चांदी के सिक्के जारी कर मनाती है, लेकिन छह महीने बाद उन्हीं की मूर्तियों पर बुलडोजर चलवा देती है। उन्होंने कहा कि सरकार अपनी गलती मानने के बजाय एफआइआर कराकर लोगों को डराने का काम कर रही है। भाजपा सरकार तो काशी की एक विरासत नष्ट कर रही है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जनता को गुमराह करते हुए भाजपा सरकार बनारस की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत का विनाश कर रही है। घाट पर परंपरागत महत्व की मूर्तियों और संरचनाओं को तोड़ा गया है। जब कांग्रेस ने इस मुद्दे को उठाया तो मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यह कह रहे हैं कि कांग्रेस एआइ-जनरेटेड तस्वीरें और वीडियो दिखा रही है, जबकि सच्चाई इससे बिल्कुल अलग है। अजय राय ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के तोड़-फोड़ को एआई जनरेटेड का बताने के बयान को चुनौती देते हुए कहा कि अगर तस्वीरें एआइ जनरेटेड हैं तो वे खुद पत्रकारों को घटनास्थल पर ले जाकर सच्चाई दिखाएं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने मणिकर्णिका घाट पर चल रहे बुलडोजर की तस्वीरें और वीडियो दिखाते हुए कहा कि ये किसी भी तरह से एआइ-जनरेटेड नहीं हैं।

प्रति प्लॉट 3000 रुपए लिए गए, फिर भी कोई जवाब नहीं मणिपुर के विस्थापित आदिवासियों ने ITLF पर उठाए सवाल

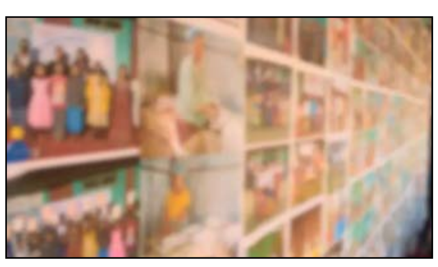

नई दिल्ली/ जीएनएस। इंफाल से विस्थापित हुए आदिवासियों के प्रतिनिधियों ने आरोप लगाया है कि लंबे समय तक चुप्पी और पारदर्शिता में कमी से यह पक्का हो गया है कि आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों को इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने धोखा दिया है।

मई 2023 मेतेई-कुकी जातीय हिंसा भड़कने के बाद इंफाल छोड़ने वाले आदिवासी समुदीयों के सदस्यों ने कुकी जनजातियों के एक सिविल सोसाइटी संगठन से मुआवजे के लिए कोर्ट में केस लड़ने के लिए उनसे लिए गए पैसे और दस्तावेजों का ब्यौरा देने को कहा है।

आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों का प्रतिनिधित्व करने वाले एक समूह ने एक बयान में कहा कि चुराचांदपुर स्थित इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने दो साल पहले इंफाल से आए हर IDP से जमीन के जमीन के हर प्लॉट के लिए 3000 रुपए लिए थे।

IDPs के प्रतिनिधि ने कहा कि यह पैसा उन लोगों से इकठ्ठा किया गया था जो पहले ही कमजोर और विस्थापित थे साथ ही संस्थागत ईमानदारी पर निर्भर थे। यह अब चिंता कता गंभीर विषय है कि दो साल से ज्यादा समय बीत जाने के बाद भी, उन IDPs को जिनसे पैसा और दस्तावेज इक्ठ्ठा किए गए थे, उन्हें परिणाम और वित्तीय हिसाब-किताब के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम ने अब तक इस मामले पर कोई जवाब नहीं है। 2023-24 में एक्टिव रहे ITLF सदस्यों को किए गए कॉल का कोई जवाब नहीं मिला। IDPs के प्रतिनिधि के प्रतिनिधियों ने कहना है कि हम जवाब चाहते हैं।

RPF की महिला इंस्पेक्टर को मिला रेलवे का सर्वोच्च सेवा सम्मान, 150 से ज्यादा बच्चों को किया रेस्क्यू

नई दिल्ली/ जीएनएस। रेल मंत्रालय ने रेलवे सुरक्षा बल यानी आरपीएफ की इंस्पेक्टर चंदना सिन्हा को भारतीय रेलवे के सर्वोच्च सेवा सम्मान अति विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया है। उन्होंने 2024 में 152 से ज्यादा बच्चों को बचाया था। इसके अलावा उन्होंने 41 बच्चों को श्रम और तस्करी से भी रेस्क्यू किया था।

दरअसल आरपीएफ नन्हे फरिश्ते मिशन के तहत रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में संकट में फंसे या खोए हुए बच्चों की पहचान कर उन्हें बचाया है। ये बच्चे घर से भागे हुए, अनाथ या शोषण के शिकार होते हैं। इस पहल का मकसद बाल श्रम, अपराध और मानव तस्करी से बचाना है। 2018 में शुरू हुए इस अभियान के तहत अब तक हजारों बच्चों को रेस्क्यू किया गया है।

ऐसे की जाती है पहचान- छत्तीसगढ़ की रहने वाली इंस्पेक्टर चंदना सिन्हा ने बताया कि अगवा या खोए हुए बच्चों की पहचान करना एक कठिन काम है। उन्होंने बताया, कभी-कभी पहली नजर में सब कुछ सामान्य लगता है, लेकिन बाद में सच्चाई सामने आ जाती है। कभी-कभी हम सादे कपड़ों में यात्रियों के साथ घुलमिल जाते हैं, जिससे संदिग्ध गतिविधि की पहचान की जा सके।

इंस्पेक्टर सिन्हा ने कहा, आंकड़ा काफी ज्यादा है, लेकिन हम ऐसे मामलों के सिर्फ एक फीसदी लोगों तक ही पहुंच पाते हैं। हमें अभी और ज्यादा काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि काउंसलिंग दी जाती है ताकि वे वही गलती दोबारा न करें।

नम्मा एप से ट्रेनिंग, 45 हजार की कमाई; बेंगलुरु की महिला ऑटो ड्राइवर की कहानी सोशल मीडिया पर वायरल

नई दिल्ली/ जीएनएस। बेंगलुरु की एक यात्री ने महिला ड्राइवर के साथ ऑटो राइड का अनुभव सोशल मीडिया पर साझा किया है। स्नेहा नाम की एक यात्री ने एक महिला ऑटो ड्राइवर के साथ अपनी दिल छू लेने वाली सवारी का अनुभव साझा किया है। सोशल मीडिया पर शेयर इस वीडियो ने न सिर्फ आत्मविश्वास बल्कि उसकी आत्मनिर्भरता की ओर भी दुनिया का ध्यान खींचा है।

बेंगलुरु की यात्री स्नेहा ने महिला ड्राइवर के साथ ऑटो राइड के अपने सुखद अनुभव को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स साझा किया। जिसमें यात्री स्नेहा ने बताया कि जब उन्होंने ऑटो बुक किया तो एक महिला ड्राइवर उनके पास आई। उन्होंने लिखा, मेरे दोस्त मुझसे ज्यादा उत्साहित हो गए, ओह माय गॉड, यह तो महिला ड्राइवर है! उन्होंने आगे कहा कि उन्हें जाहिर है उनसे बात करनी ही थी।

40 दिन की मिली ट्रेनिंग- उसने महिला यात्री को बताया कि बताया कि नम्मा यात्री ने उसे 40 दिन ट्रेनिंग दी, इसके बाद उसे लगा कि इलेक्ट्रिक ऑटो चलाना ज्यादा आसान है।

बंद होगा IGI एयरपोर्ट का प्रमुख रनवे! फरवरी से शुरू होगा बड़ा अपग्रेडेशन, बढ़ सकती है उड़ानों की देरी

नई दिल्ली/ जीएनएस। देश के सबसे बड़े एयरपोर्ट आइजीआइ का एक प्रमुख रनवे रनवे 11आर/29एल फरवरी से करीब चार महीने के लिए बंद होने वाला है। इस दौरान इस पर तकनीकी अपग्रेडेशन व बुनियादी ढांचे को मजबूत करने का काम होगा।

विमानों की आवाजाही की सुरक्षा के लिहाज से यह भले ही आवश्यक हो लेकिन चार महीने तक एक प्रमुख रनवे के बंद होने से यात्रियों को उड़ानों में देरी और असुविधा का सामना करना पड़ सकता है, खासकर कोहरे के मौसम में। यह आशंका इसलिए पिछले वर्षों के अनुभवों पर आधारित है।

हालिया वर्षों में जब भी रनवे को मरम्मत से जुड़े कार्य के लिए बंद किया गया है, तब तक उड़ानों में विलंब दर्ज किया गया है।

TMC के महाजंगल राज को खत्म करना चाहते हैं बंगाल के लोग, पीएम मोदी का निशाना

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को तृणमूल कांग्रेस सरकार पर 'वोट बैंक' की राजनीति के लिए घुसपैठियों की मदद करके राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ताधारी पार्टी के 'महाजंगल राज' को समाप्त करना राज्य में कानून व्यवस्था, विकास और निवेशकों के विश्वास को बहाल करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। राज्य विधानसभा चुनाव कुछ ही महीनों दूर हैं, ऐसे में मोदी ने चुनावी मुकाबले को 'महाजंगल राज और सुशासन' के बीच की लड़ाई के रूप में पेश किया तथा मतदाताओं से भाजपा के डबल इंजन वाली सरकार मॉडल का समर्थन करने की अपील की। हुगली जिले के सिंगूर में एक रैली को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि राज्य में फर्जी दस्तावेजों के जरिये रह रहे अवैध प्रवासियों की पहचान करके उन्हें उनके देशों में वापस भेजना होगा।

सिंगूर, बंगाल की राजनीति में 2008 में तृणमूल कांग्रेस द्वारा भूमि अधिग्रहण के खिलाफ किए गए आंदोलन के लिए जाना जाता है, जिसके कारण टाटा मोटर्स को अपनी छोटी कार परियोजना बंद करनी पड़ी थी। मोदी ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार सीमा पर बाड़ लगाने सहित महत्वपूर्ण सुरक्षा उपायों पर केंद्र के साथ सहयोग करने में विफल रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''तृणमूल कांग्रेस राष्ट्रीय सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रही है। वे घुसपैठियों को संरक्षण देने की कोशिश कर रहे हैं, क्योंकि वे उन्हें अपना वोट बैंक मानते हैं।''

पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल की सीमाओं पर अवैध प्रवासियों को राज्य सरकार की निगरानी में फलने-फूलने की अनुमति दी गई है। उन्होंने कहा कि सीमा पर बाड़ लगाने का काम वर्षों से रुका हुआ है। फर्जी दस्तावेज बनाए जा रहे हैं। अब समय आ गया है कि घुसपैठ को पूरी तरह रोका जाए और जाली दस्तावेजों के साथ प्रवेश करने वालों की पहचान करके उन्हें वापस भेजा जाए। भाजपा सरकार यह काम करेगी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''तृणमूल कांग्रेस घुसपैठियों को पनाह देने के लिए फर्जी दस्तावेज बनाने जैसी किसी भी हद तक जा सकती है।''

उमर खालिद मामले पर पूर्व CJI चंद्रचूड़ का बड़ा बयान, दोषसिद्धि से पहले जमानत मिलना...

नई दिल्ली/ जीएनएस। छात्र नेता उमर खालिद की जमानत नामंजूर किए जाने की पृष्ठभूमि में देश के पूर्व प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी वाई चंद्रचूड़ ने रविवार को बड़ा बयान देते हुए कहा कि दोषसिद्धि से पहले जमानत मिलना एक नागरिक का अधिकार है। इसके साथ ही पूर्व सीजेआई ने उच्च न्यायालयों और उच्चतम न्यायालय में न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित कॉलेजियम व्यवस्था में पारदर्शिता सुनिश्चित करने और न्यायपालिका में आम नागरिक के भरोसे की बहाली और मजबूती के लिए नागरिक संस्थाओं से भी विशिष्ट व्यक्तियों को शामिल किए जाने का सुझाव दिया।

यहां 19वें जयपुर साहित्य महोत्सव में आइडियाज ऑफ जस्टिस सत्र में वरिष्ठ पत्रकार वीर सांघवी द्वारा शुरुआत में ही उमर खालिद की जमानत का मुद्दा उठाए जाने पर न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) चंद्रचूड़ ने कहा, दोषसिद्धि से पूर्व जमानत अधिकार का मामला है। हमारा कानून एक प्रकल्पना पर आधारित है और वह प्रकल्पना यह है कि कोई भी आरोपी व्यक्ति, अपराध सिद्ध होने तक निर्दोष है।

रॉबर्ट नर्सिंग होम में अमेरिका और इंदौर के सहयोग से वृहद तीन दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा शिविर

AIPNO क्लब (ओहायो, अमेरिका) एवं रोटरी क्लब्स ऑफ इंदौर द्वारा समाज सेवा की अनूठी पहल

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रॉबर्ट नर्सिंग होम में अमेरिका के AIPNO क्लब (ओहायो) और इंदौर के रोटरी क्लब ऑफ इंदौर – अहिल्या, गैलेक्सी, वैली, आदर्श, मालविका एवं मार्शल के संयुक्त तत्वाधान में तीन दिवसीय वृहद निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 19 जनवरी 2026 तक आयोजित होगा। इस शिविर में अमेरिका से पधारे विभिन्न विशेषज्ञ क्षेत्रों के प्रसिद्ध चिकित्सकों द्वारा नागरिकों को निःशुल्क परीक्षण, परामर्श एवं दवा वितरण की सुविधा प्रदान की जा रही है। इस चिकित्सा शिविर का उद्घाटन संभागायुक्त डॉ.सुदाम खाड़े द्वारा किया गया। उन्होंने इस अंतरराष्ट्रीय सेवा सहयोग की सराहना करते हुए कहा कि रोटरी क्लब एवं AIPNO द्वारा किया जा रहा यह प्रयास मानव सेवा की उत्कृष्ट मिसाल है। उन्होंने अमेरिका से आए चिकित्सकों का आभार व्यक्त करते हुए इंदौर में इस शिविर के आयोजन हेतु धन्यवाद दिया।

इस निःशुल्क चिकित्सा शिविर में रोटरी क्लब द्वारा 15 दृष्टिहीन विद्यार्थियों को स्मार्ट ग्लास प्रदान किए गए। इस स्मार्ट ग्लास की सहायता से वे देख, सुन एवं पढ़ सकते हैं। यह पहल सामाजिक समावेशन और तकनीक आधारित सशक्तिकरण का प्रेरणादायी उदाहरण बनी। जिसकी सभी उपस्थितजनों ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। पहले दिन लगभग 200 मरीजों का निःशुल्क परीक्षण किया गया तथा उन्हें आवश्यक दवाइयाँ भी वितरण की गयी।

इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में श्री सुखदेव सिंह घुम्मण (रोटरी DGND), डॉ.विजयसेन यशलाहा (सचिव,रॉबर्ट्स नर्सिंग होम) श्री किशोर रघुवंशी (ट्रस्टी) उपस्थित थे। निःशुल्क चिकित्सा शिविर के प्रणेता अमेरिका निवासी श्री रमेश भाई शाह एवं को-ऑर्डिनेटर श्री कमलेश शाह हैं, जिन्होंने पिछले एक वर्ष से इस सेवा यात्रा की रूपरेखा तैयार की। AIPNO द्वारा यह मेडिकल यात्रा प्रतिवर्ष भारत में आयोजित की जाती है। जिससे समाज को उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिलता है। नागरिकों से आग्रह किया गया है कि वे अधिक से अधिक संख्या में पहुँचकर प्रशिक्षित अमेरिकन डॉक्टरों से परीक्षण कराकर इस सेवा का लाभ उठाएँ।

हिंदू समाज का संगठित होना विश्व कल्याण के लिए आवश्यकः इंदौर में 123 स्थानों पर हिंदू सम्मेलन, चार लाख से अधिक सहभागिता

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर इंदौर महानगर में हिंदू सम्मेलन आयोजन समितियों के तत्वावधान में 123 स्थानों पर भव्य हिंदू सम्मेलन आयोजित किए गए। इन सम्मेलनों में संपूर्ण महानगर से चार लाख से अधिक नागरिकों ने सहभागिता की। सभी परिसरों में हिंदू संस्कृति, परंपरा और एकता के मनोहारी दृश्य देखने को मिले।

विभिन्न बस्तियों में आयोजित सम्मेलनों में संत समाज, मातृशक्ति एवं संघ के वक्ताओं ने अपने उद्बोधनों में हिंदू संगठन और एकता के महत्व पर प्रकाश डाला। वक्ताओं ने कहा कि समाज यदि संगठित होकर एकत्व के भाव से आगे बढ़े तो हिंदू समाज की अनेक समस्याओं का समाधान स्वतः संभव हो जाता है। वक्ताओं ने भारत की दैवीय सांस्कृतिक महानता का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति का मूल भाव विश्व कल्याण है। यही कारण है कि दूरस्थ गांवों में रहने वाली वह वृद्ध माता भी अपने पूजन में 'धर्म की जय हो, अधर्म का नाश हो, प्राणियों में सद्भाव हो और विश्व का कल्याण हो' की कामना करती है।

सम्मेलनों में पंच परिवर्तन के विषयों को परिवार सहित संकल्प लेकर नित्य आचरण में समाहित करने का आह्वान किया गया। वक्ताओं ने कहा कि भारत के उत्थान के लिए समाज का यह संकल्प और सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। सभी कार्यक्रम समाज के द्वारा और समाज के सहयोग से सुचारु रूप से संपन्न हुए।

बजरंग नगर में आयोजित हिंदू सम्मेलन में जैन संत श्री राजेश मुनि महाराज ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज जब संगठित होता है, तब वह शक्तिशाली बनता है। सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं हो सकता। अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण इसी का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म भी हिंदू धर्म का ही एक अभिन्न अंग है और संगठित होना आज हमारी सबसे बड़ी आवश्यकता और समाधान है।

सम्मेलनों के दौरान योग, भजन, नृत्य-नाटिका और राष्ट्रभक्ति गीतों की प्रस्तुतियां हुईं। कार्यक्रमों का समापन भारत माता की आरती के साथ किया गया। अंत में सभी स्थानों पर समरसता सहभोज का आयोजन हुआ, जिसमें सभी परिवारों ने सहभागिता की।

कोर्ट की नाराजगी के बाद अब इंदौर का बीआरटीएस खुद तोड़ेगा नगर निगम

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर का अधूरा टूटा बीआरटीएस अब नगर निगम के लिए परेशानी की वजह बनता जा रहा है। ठेकेदार ने फायदा न होने के चक्कर में काम छोड़ दिया है और नए ठेकेदार राजी नहीं हैं। इस कारण अब बीआरटीएस नगर निगम ने खुद तोड़ने का फैसला लिया है। दरअसल प्रदेश सरकार के फैसले के बाद दस माह पहले नगर निगम ने ही हाईकोर्ट से बीआरटीएस तोड़ने की अनुमति मांगी थी और यह कहा था कि बीआरटीएस के चौराहों पर आठ ब्रिज बनाए जाना हैं। कोर्ट ने अनुमति दे दी, लेकिन दस माह बाद भी बीआरटीएस की रेलिंग और बस स्टेशन नहीं टूट पाए हैं। हाईकोर्ट की अनुमति मिलने के बाद नगर निगम ने बीआरटीएस में लगे सामान की कीमत तीन करोड़ रुपये आंकी थी और इसके टेंडर जारी किए थे, लेकिन किसी एजेंसी ने इस काम में हाथ नहीं डाला। इसके बाद कीमत कम कर टेंडर आंके गए और बीआरटीएस तोड़े जाने से निगम को होने वाली ढाई करोड़ की आय को देखते हुए एक ठेकेदार के टेंडर को मंजूरी दी गई, लेकिन ठेकेदार को उसमें भी फायदा नहीं हुआ और वह काम छोड़कर चला गया। वर्षभर में बीआरटीएस को लेकर हुई सुनवाई में बीआरटीएस नहीं तोड़े जाने का मामला उठता रहा। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने अफसरों को यह तक कह दिया कि कोर्ट के निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है।

सौर ऊर्जा के बढ़ते क्षेत्र से दिनों-दिन कम हो रही है पारंपरिक ऊर्जा संसाधनों पर निर्भरता : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश सौर ऊर्जा के क्षेत्र में आगे बढ़ते हुए पारंपरिक ऊर्जा के संसाधनों पर अपनी निर्भरता दिनों दिन कम करता जा रहा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में वर्ष 2070 तक कार्बन फुट-प्रिंट को शून्य तक लाने और समाप्त होते जीवाश्म ईंधन के विकल्प तलाशने के लिए वर्ष 2030 तक 500 गीगावाट (अक्षय) नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। इस राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में मध्यप्रदेश पूर्ण समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ योगदान दे रहा है। राज्य में पिछले 12 वर्षों में नवीन और नवकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में 14 प्रतिशत अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, जिससे अब कुल ऊर्जा उत्पादन में सहभागिता 30 प्रतिशत से अधिक हो गई है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने गत वर्ष हुई ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट भोपाल में सौर ऊर्जा के क्षेत्र देश में मध्यप्रदेश की महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करते हुए बताया कि राज्य वर्तमान में लगभग 31 हजार मेगावाट की विद्युत उत्पादन क्षमता रखता है, जिसमें से 30त्न हरित ऊर्जा है। हमारे लिये गौरव की बात है कि मध्यप्रदेश के रीवा सोलर पार्क और देश के सबसे बड़े ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर प्लांट का भी उल्लेख पूरे देश में हो रहा है। इससे अक्षय ऊर्जा उत्पादन को नई दिशा मिली है।

मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने टेक्नोलॉजी एग्नोस्टिक रिन्यूएबल एनर्जी पॉलिसी लागू की है। इस नीति में सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए निवेशकों को अनुकूल और लचीले अवसर प्रदान किए जा रहे हैं, जिससे ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में नया आयाम जुड़ रहा है।

इंदौर मेट्रो के संपूर्ण प्राथमिकता कॉरिडोर पर परीक्षण एवं कमीशनिंग कार्यों को पूर्ण करने हेतु 15 जनवरी से 25 जनवरी 2026 तक मेगा ब्लॉक की घोषणा

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर मेट्रो रेल के संपूर्ण प्राथमिकता कॉरिडोर (गांधी नगर से मालवीय नगर चौराहा (रेडिसन स्क्वायर) तक, कुल 16 स्टेशन, के शीघ्र संचालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परीक्षण, कमीशनिंग एवं सिस्टम इंटीग्रेशन से संबंधित कार्य तीव्र गति से प्रगति पर हैं।

सिग्नलिंग एंड टेलीकम्युनिकेशन (एस ×टी) प्रणालियों के एकीकृत परीक्षण एवं कमीशनिंग कार्य वर्तमान में अपने अंतिम चरण में है। इसी क्रम में मालवीय नगर चौराहा मेट्रो स्टेशन (रेडिसन स्क्वायर) तक सम्पूर्ण प्राथमिकता कॉरिडोर (सभी 16 स्टेशन) पर ट्रायल रन सफलतापूर्वक किए जा रहे हैं। आगामी चरण में वर्तमान में संचालित खंड को नॉन, कमीशंड सेक्शन के साथ एकीकृत करने हेतु संपूर्ण प्राथमिकता कॉरिडोर पर आवश्यक व्यापक परीक्षण एवं कमीशनिंग कार्य किया जाना है।

इन कार्यों को सुचारु, सुरक्षित एवं समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के लिए शेष परीक्षण एवं कमीशनिंग गतिविधियों को पूर्ण करने हेतु 15 जनवरी 2026 से 25 जनवरी 2026 तक संपूर्ण प्राथमिकता कॉरिडोर (गांधी नगर से सुपर कॉरिडोर-03 तक) पर मध्य प्रदेश मेट्रो रेल निगम लिमिटेड (एमपीएमआरसीएल) ने राजस्व सेवाओं को निलंबित (मेगा ब्लॉक) करने का निर्णय किया गया है।

उल्लेखनीय है कि सिग्नलिंग एंड टेलीकम्युनिकेशन (एस ×टी) से संबंधित सभी कार्यों का समय पर पूर्ण किया जाना है एवं आवश्यक स्वीकृतियाँ प्राप्त करने के बाद, प्राथमिकता कॉरिडोर के पूरे क्षेत्र में जनता को मेट्रो सेवाएं उपलब्ध कराना है। इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, परीक्षण, कमीशनिंग एवं सिग्नलिंग कार्यों को निर्बाध रूप से पूर्ण करने हेतु उक्त अवधि में मेगा ब्लॉक की अनुमति प्रस्तावित की गई है।

यह कदम संपूर्ण प्राथमिकता कॉरिडोर पर तकनीकी कार्यों की समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने तथा आम नागरिकों के लिए इंदौर मेट्रो सेवाओं को शीघ्र प्रारंभ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

31 मार्च तक वाहन कर बकाया पर 90 प्रतिशत छूट, अधिकृत सेंटर से स्क्रैप कराने पर मिलेगा बड़ा लाभ

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश परिवहन विभाग ने वाहन स्वामियों को बड़ी राहत देते हुए मोटरयान कर एवं पेनाल्टी के बकाया भुगतान पर 90 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की है। यह छूट मध्य प्रदेश शासन, परिवहन विभाग, की अधिसूचना दिनांक 12 अगस्त 2025 के तहत दी जा रही है। परिवहन विभाग द्वारा राजस्व लक्ष्य की प्राप्ति के लिए वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही में मोटरयान कर बकायादारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का अभियान भी शुरू किया जा रहा है। विभाग ने वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे इस एकमुश्त जमा योजना का लाभ उठाकर बकायादारों की सूची से नाम हटवाएं और स्क्रैपिंग के बाद नया वाहन खरीदने पर दोहरा लाभ प्राप्त करें।

एआरटीओ सुश्री अर्चना मिश्रा ने बताया कि यह योजना विशेष रूप से उन वाहन स्वामियों के लिए फायदेमंद है, जिन पर लंबे समय से मोटरयान कर बकाया चला आ रहा है। योजना के माध्यम से न केवल भारी छूट मिल रही है, बल्कि पुराने और अनुपयोगी वाहनों से भी छुटकारा पाया जा सकता है। कई वाहन स्वामी इस योजना का लाभ लेना शुरू कर चुके हैं। आग्रह किया गया है कि ऐसे सभी वाहन स्वामी जिनके वाहनों पर मोटरयान कर अथवा शास्ति बकाया है, वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर इस योजना का लाभ अवश्य उठाएं।

इसके आदेश के अनुसार राज्य में पंजीकृत किसी भी प्रवर्ग और किसी भी आयु-सीमा के ऐसे मोटरयान, जिन पर मोटरयान कर और पेनाल्टी शास्ति की राशि बकाया है, यदि उन्हें मध्य प्रदेश की किसी प्राधिकृत पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा के माध्यम से स्क्रैप कराया जाता है और 31 मार्च 2026 तक एकमुश्त भुगतान किया जाता है, तो बकाया राशि पर 90 प्रतिशत की छूट का लाभ मिलेगा। इसके साथ ही वाहन स्क्रैप कराने पर प्राप्त Certificate of Deposit सीओडी के आधार पर यदि नया वाहन खरीदा जाता है और उसका पंजीयन कराया जाता है, तो देय मोटरयान कर एवं शुल्क में भी छूट का लाभ लिया जा सकेगा।

ऐसे समझें योजना का लाभ (उदाहरण)- मान लीजिए किसी वाहन स्वामी पर पुराने वाहन का मोटरयान कर और पेनल्टी मिलाकर 50 हजार रुपये बकाया है। यदि वह वाहन को अधिकृत RVSF केंद्र पर स्क्रैप कराकर 31 मार्च 2026 तक एकमुश्त भुगतान करते हैं, तो उसे 90 प्रतिशत छूट मिलेगी। यानी अब उसे केवल 5 हजार रुपये ही जमा करने होंगे और शेष 45 हजार रुपये माफ हो जाएंगे। इसके अलावा, स्क्रैपिंग के बाद मिले Certificate of Deposit के आधार पर नया वाहन खरीदने पर पंजीयन शुल्क और मोटरयान कर में भी अतिरिक्त छूट का लाभ मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रख्यात कवि स्व. श्री हरिवंश राय बच्चन की पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रख्यात कवि स्व. श्री हरिवंश राय बच्चन की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि कवि स्व. श्री बच्चन की कृतियों में नव उत्साह का संचार और संवेदनाओं का स्पंदन है, जो साहित्य को और भी समृद्ध बनाता है। उनकी कृतियां साहित्य जगत की ही नहीं, देश की धरोहर हैं।

अंगूठा कटने से घायल शिशु की मौत, परिजनों ने कहा निमोनिया हो गया था

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के एमवाय अस्पताल में भर्ती एक शिशु की मौत हो गई। वह निमोनिया के कारण एक माह से भर्ती था। इलाज के दौरान एक नर्स ने लापरवाही से कैंची चलाकर उसका अंगूठा काट दिया था, हालांकि डॉक्टरों ने आपरेशन कर अंगूठा फिर जोड़ दिया था। इस मामले में नर्स को भी निलंबित किया जा चुका है। शिशु की मौत के मामले में परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया और कहा कि बच्चे को निमोनिया हो गया था।

बेटमा के बजरंगपुरा में 24 दिसंबर को अंजुबाई के डेढ़ माह के बेटे को परिजन एमवाय अस्पताल लेकर आए थे। जन्म के बाद से उसकी तबीयत खराब हो गई थी और उसे निमोनिया हो गया था। उसका हाथ भी सूज गया था। एक नर्स ने इलाज के दौरान टेप काटने समय कैंची अंगूठे पर चल गई और वह कट कर अलग हो गया था। बाद में बच्चे की सर्जरी की गई और उसे फिर अस्पताल में इलाज के लिए रखा गया था। बाद में उसकी छुट्टी कर दी गई, लेकिन हालत बिगड़ने पर फिर परिजन उसे अस्ताल लेकर आए थे। उसे दोबारा निमोनिया हो गया था। शुक्रवार को बच्चे की हालत बिगड़ी और उसकी मौत हो गई, हालांकि परिजनों ने इस मामले में लापरवाही का आरोप नहीं लगाया है। वे बच्चे को बगैर पोस्टमार्टम कराए ही ले गए।

आपको बता दें कि एमवाय अस्पताल में चूहों ने दो नवजातों के अंग कुतर दिए थे। तब यह मामला काफी गरमाया था और आठ से ज्यादा कर्मचारियों को निलंबित किया गया था। इसके अलावा पेस्ट कंट्रोल कंपनी को भी ब्लैक लिस्टेड किया गया था।

उत्तर से चली बर्फीली हवा ने एमपी को कंपाया, प्रदेश के 25 शहरों में पारा 10 डिग्री से नीचे

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पहाड़ी राज्यों में लगातार हो रही बर्फबारी का असर अब मध्यप्रदेश में साफ नजर आने लगा है। उत्तर दिशा से आ रही सर्द हवाओं ने प्रदेश के तापमान को तेजी से गिरा दिया है। नतीजतन, भोपाल, शहडोल और रीवा संभाग समेत उत्तरी मध्यप्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ रही है, वहीं कई जिलों में घना से मध्यम कोहरा लोगों की मुश्किलें बढ़ा रहा है। शहडोल जिले के कल्याणपुर में न्यूनतम तापमान गिरकर 3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया।

भागीरथपुरा क्षेत्र में तेजी से स्थिति हो रही सामान्य

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.माधव प्रसाद हासानी ने बताया कि भागीरथपुरा प्रभावित क्षेत्र में स्थिति तेजी से सामान्य होती जा रही है। आज ओपीडी के 40 मरीजों में से मात्र 02 मरीज डायरिया के आए है, जिन्हें प्राथमिक उपचार दिया गया। अस्पतालों में अब तक कुल 447 मरीज भर्ती किए जा चुके हैं जिसमें से 432 स्वस्थ होकर अपने घरों को लौट गए हैं। 09 अभी भी वार्ड में भर्ती हैं और 06 आईसीयू में उपचारत है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार क्षेत्र में दो एम्बुलेंस लगायी गयी हैं। 24×7 चिकित्सकों की ड्यूटी क्षेत्र में लगाई गई है। मरीजों को एम.व्हाय. चिकित्सालय, अरविंदों अस्पताल तथा बच्चों को चाचा नेहरु अस्पताल में रेफर किया जा रहा है, जो मरीज निजी चिकित्सालयों में जा रहें हैं, वहाँ पर भी निःशुल्क उपचार, जॉच एवं औषधि हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.माधव प्रसाद हासानी द्वारा निर्देशित किया गया है। भागीरथपुरा प्रभावित क्षेत्र में 10 जनवरी 2026 से अभियान स्वास्थ्यवर्धन भी चलाया जा रहा है, जिसमें की गैर संचारी रोगों की भी जांच लगातार की जा रही हैं। सर्वे, शिविर तथा ओपीडी में सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, नर्सिंग ऑफिसर तथा चिकित्सकों द्वारा लगातार परामर्श दिया जा रहा है। आज भी अभियान स्वास्थ्यवर्धन के अंतर्गत भागीरथपुरा प्रभावित क्षेत्र में लार्वा सर्वे किया और घरों की जांच की और आवश्यक परामर्श और गतिविधियां की। जिसमें नागरिकों ने अपने आपको काफी सहज एवं सुरक्षित महसूस किया। दल द्वारा दिए गए परामर्श से यह भी जानकारी प्राप्त हो रही है, कि हमें किस तरह की जीवन शैली को अपनाना चाहिए, जिससे कि स्वयं,परिवार एवं समुदाय स्वस्थ रह सके।

उज्जैन व्यापार मेले की चमक से कम हुआ इंदौर का राजस्व, 8.79 प्रतिशत की कमी

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उज्जैन में लगातार दूसरे वर्ष आयोजित हुए व्यापार मेले का सीधा असर इंदौर परिवहन कार्यालय के राजस्व पर दिखाई देने लगा है। व्यापार मेले में छूट लेने की चमक के कारण इंदौर जिले में पंजीकृत होने वाले कई वाहन उज्जैन में पंजीकृत हो गए। इस वजह से वर्ष 2025 में इंदौर परिवहन कार्यालय में वाहन बिक्री में 0.30 प्रतिशत और राजस्व में 8.79 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई है।

2024 की अपेक्षा बीते साल 77 करोड़ रुपये कम राजस्व प्राप्त हुआ। परिवहन विभाग के आंकड़ों के अनुसार 2025 में इंदौर में 1 लाख 98 हजार 530 वाहन पंजीकृत हुए, जिससे करीब 805 करोड़ रुपये का राजस्व मिला। वहीं 2024 में 1 लाख 99 हजार 82 वाहन पंजीयन के साथ 883 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस तरह एक वर्ष में 552 वाहन कम पंजीकृत हुए, वहीं राजस्व भी 77 करोड़ रुपये कम आया।

राजस्व में आई इस गिरावट का मुख्य कारण उज्जैन व्यापार मेले को माना जा रहा है, जहां 20 लाख रुपये से अधिक कीमत वाले कई महंगे वाहन पंजीकृत हुए। यही वजह है कि इंदौर, जो प्रदेश का बड़ा ऑटो मोबाइल बाजार माना जाता है, वहां के राजस्व में कमी आई।

पशुपालकों, किसानों, छात्र-छात्राओं को पशुपालन एवं डेयरी से संबंधित योजनाओं एवं पशु कल्याण के बारे में किया जाएगा जागरूक

राज्य, जिला एवं विकासखंड स्तर पर आयोजित की जाएगी विभिन्न गतिविधियां

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा पशुपालकों, किसानों, छात्र-छात्राओं को पशुपालन एवं डेयरी से संबंधित योजनाओं एवं पशु कल्याण के बारे में जागरूक करने के लिए पशुपालन एवं पशु कल्याण जागरूकता माह का आयोजन किया जा रहा है। जो 13 फरवरी 2026 तक चलेगा। केंद्रीय पशुपालन एवं डेयरी विभाग के निर्देशानुसार प्रदेश में भी पशुपालन एवं पशु कल्याण जागरूकता माह का आयोजन किया जाएगा। एक माह तक चलने वाले कार्यक्रम को लेकर संचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ. पीएस पटेल ने सभी जिलों को निर्देश भी जारी कर दिए हैं।

संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने बताया कि यह अभियान राज्य, जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर विभिन्न जागरूकता एवं हितग्राही मूलक गतिविधियों के माध्यम से संचालित होगा।

अभियान के अंतर्गत पशुकल्याण, पशु चिकित्सा सेवाओं, उन्नत पशुपालन, डेयरी, बकरी एवं मुर्गी पालन से संबंधित योजनाओं के साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा पशुपालन से संबंधित चलाई जा रही हितग्राही मूलक योजनाओं के बारे में पशुपालकों को जागरूक किया जाएगा। इसके लिए संगोष्ठियां, ऑनलाइन वेबिनार, युवा संवाद, गोशालाओं एवं पशु कल्याण संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही स्कूलों एवं कॉलेजों में विभागीय दलों द्वारा भ्रमण कर छात्र-छात्राओं को पशुपालन एवं पशु कल्याण की जानकारी दी जाएगी।

जिले एवं विकासखण्ड स्तर पर सभी वेट्स-पेरावेट्स, गोसेवक-मैत्री कार्यकर्ता, कृषि विज्ञान केंद्र, राज्य पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम, दुग्ध संघों के अधिकारी-कर्मचारी, स्वसहायता समूहों के सदस्य एवं पशु-सखी के समन्वय से अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा।

मोबाइल वेटनरी यूनिट द्वारा ग्रामों एवं पंचायतों में भ्रमण कर पशु चिकित्सा सेवाओं के साथ-साथ पशुकल्याण, रोग रोकथाम, टीकाकरण तथा पशुपालन योजनाओं से संबंधित जानकारी का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। इस दौरान पंपलेट वितरण एवं जनजागरूकता गतिविधियां भी संचालित होंगी।

विभिन्न स्तरों पर आयोजित की जाने वाली गतिविधियों की प्रगति की जानकारी फोटो एवं वीडियो सहित भारत सरकार के पोर्टल पर अपलोड की जाएगी। अभियान की मॉनिटरिंग संबंधित संभाग के संयुक्त संचालक एवं संचालनालय स्तर पर प्रभारी पशुपालन शाखा द्वारा की जाएगी।

बैंक की नौकरी छोड़कर लगा ली फांसी, दो दिन फंदे पर झूलती रही युवती

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। इंदौर के तिलक नगर थाना क्षेत्र स्थित गणेश नगर में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां 23 वर्षीय युवती ने अपने किराए के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि युवती का शव दो दिनों तक फंदे पर लटका रहा, लेकिन पड़ोसियों और मकान मालिक को इसकी भनक तक नहीं लगी। जब कमरे से दुर्गंध आने लगी, तब जाकर मामले का खुलासा हुआ। शुक्रवार रात पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

पुलिस जांच में सामने आया है कि मृतका की पहचान उमंग प्रजापति के रूप में हुई है, जो मूल रूप से भोपाल की निवासी थी। वह पिछले कुछ समय से इंदौर में रहकर आजीविका चला रही थी। उमंग के परिवार में उसके माता-पिता और एक छोटी बहन है, जो भोपाल में रहते हैं। बेटी की मौत की खबर मिलते ही परिजन इंदौर पहुंचे। शनिवार को एमवाय अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम किया गया, जिसके बाद परिजन पार्थिव देह को अंतिम संस्कार के लिए भोपाल ले गए। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार, उमंग पहले एक निजी बैंक में कार्यरत थी। बताया जा रहा है कि वह बैंक में काम के दबाव और अन्य कारणों से काफी तनाव में थी। इसी मानसिक परेशानी के चलते उसने कुछ समय पहले अपनी बैंक की नौकरी छोड़ दी थी। पुलिस को आशंका है कि बेरोजगारी और डिप्रेशन के कारण उसने यह आत्मघाती कदम उठाया होगा। हालांकि, घटनास्थल से पुलिस को कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है।

मां से आखिरी बातचीत हुई- घटना से पहले 14 जनवरी को उमंग की अपनी मां से आखिरी बार फोन पर बात हुई थी। बताया जा रहा है कि उस समय वह किसी बात को लेकर नाराज थी और उसने मां से यह कहकर फोन रख दिया था कि वह बाद में बात करेगी। इसके बाद से उसका किसी से संपर्क नहीं हुआ। जब शुक्रवार को परिजनों ने उसे बार-बार कॉल किया और कोई जवाब नहीं मिला, तब अनहोनी की आशंका हुई। जब वे इंदौर स्थित कमरे पर पहुंचे, तो वहां का दृश्य देखकर दंग रह गए।

मोबाइल जब्त कर जांच में जुटी पुलिस- तिलक नगर थाना पुलिस ने इस मामले में मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस ने मृतका का मोबाइल फोन अपनी कस्टडी में ले लिया है। अधिकारियों का कहना है कि कॉल डिटेल्स और चैट की जांच से सुसाइड की असली वजह साफ हो सकेगी। फिलहाल पुलिस हर एंगल से मामले की तफ्तीश कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या सुसाइड के पीछे कोई अन्य बाहरी कारण भी था।

गरोठ टीआई एवं टीम की पुलिसिंग : चंद घंटों में वृद्ध महिला से सोने की बालियां लूटने वाले दो बदमाश दबोचे

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम फूलखेड़ा में स्नेचिंग की वारदात यानी सोने की बालियां लूटने वाले दो बदमाशों को गरोठ थाना निरीक्षक हरीश मालवीय एवं उनकी टीम ने चंद घंटों में दबोच लिया है। एक बदमाश थाना क्षेत्र को होकर दूसरा बदमाश सिवनी जिले का निकला है। दोनों ने रैकी कर ग्राम फुलखेड़ा में खेत पर कृषि कार्य कर रही वृद्ध महिला को पीटकर एवं चिल्लाने पर मुंह और गला दबाते हुए कान में पहनी 10 ग्राम वजनी सोने की बालियां खींची थी। मामले में एसडीओपी गरोठ विजय यादव भी गंभीरता दिखाते हुए टीम को निर्देशित करते रहे, लिहाजा दोनों बदमाश को पकड़ने में सफलता प्राप्त हुई। बता दें कि गरोठ टीआई एवं टीम ने पुलिसिंग की दिशा में कार्य किया है। ऐसी कार्रवाई चेन स्नैचिंग वारदात में सभी थाना पुलिस को भी करना चाहिए, जिससे महिला अपराध में लगाम लगाई जा सके।

घटना अनुसार 17 जनवरी को फरियादिया मोहनबाई पति रामप्रसाद जाति मेघवाल उम्र 62 वर्ष निवासी ग्राम फूलखेड़ा ने रिपोर्ट की कि वो गांव स्थित खेत पर बने कुंए पर काम कर रही थी, तभी वहां पर दो अज्ञात व्यक्ति मोटर सायकल से आये। जिनमें से एक ने मोटर सायकल से उतरकर मुझसे पानी पिलाने के लिए बोला और दूसरा मोटर सायकल पर बैठा रहा। मैंने उसे पानी पिलाया तो इतने में उसने मुझे धक्का मारकर नीचे गिरा दिया, जिससे मुझे सिर में पिछे की तरफ चोट लगी। फिर उसने मेरे दोनो कानो में पहनी हुई सोने के बालियां खिंच ली, जिससे मेरे दोनो कान फट गये व खून निकलने लगा। मैंने विरोध किया तो उसने मेरे साथ हाथ-मुक्को से मारपीट की। उसने उसके हाथ में पहने हुए कडे से मुझे माथे, गाल, नाक और आंख पर मारा जिससे चोटे आई। मैं चिल्लाई तो उसने मेरा मुंह और गला दबा दिया। फिर मैंने खुद को उससे छुडाकर जोर से चिल्लाई तो वह व्यक्ति मुझे छोडकर उसके दूसरे साथी के साथ मोटर सायकल पर बैठकर वहां से भाग गये। मेरी पुरानी इस्तेमाली सोने की बालीयां करीब 10 ग्राम की लूटकर ले गये। बाद में गरोठ थाना प्रभारी निरीक्षक हरीश मालवीय द्वारा उक्त कृत्य को तुरन्त वरिष्ठ अधिकारियो के संज्ञान में लाते हुए मामले की गम्भीरता को देखते हुए तुरन्त टीमें गठित कर धरपकड़ हेतु टीमें रवाना की। घटना स्थल के आसपास के लोगो से चर्चा की व सीसीटीवी फूटेज खंगाले। तकनीकी और पुलिसिंग का प्रदर्शन करते हुए आरोपी चिह्नित किए गए। आरोपी श्यामनाथ पिता मन्नानाथ जाति नाथ कालबेलिया उम्र 35 साल निवासी ग्राम सेमली दिवान थाना गरोठ व राजेंद्र उईके पिता कथकु उम्र 44 साल निवासी धनोरा जिला सिवनी निकले, जिन्हें गिरफ्तार किया गया व सोने की बालीयां करीब 10 ग्राम कीमती एक लाख 20 हजार की बरामद की गई। घटना में प्रयुक्त एक मोटर सायकल जप्त की गई। प्रकरण में कार्यवाही जारी है।

बेसबॉल स्पर्धा : मन्दसौर, शाजापुर, रीवा, जबलपुर और मऊगंज का दबदबा रहा, जीते मैच

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय बेसबॉल प्रतियोगिता के दूसरे दिन खिलाड़ियों का जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। विभिन्न जिलों से आई टीमों के बीच हुए कड़े मुकाबलों ने दर्शकों का मन मोह लिया। मन्दसौर की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा। प्रतियोगिता के दूसरे दिन अलग-अलग वर्गों में कई महत्वपूर्ण मैच खेले गए। मन्दसौर बनाम टीकमगढ़ में मन्दसौर की टीम ने एकतरफा मुकाबले में टीकमगढ़ को 13-02 के बड़े अंतर से हराकर शानदार जीत दर्ज की। मऊगंज बनाम ग्वालियर मैच जो यह दिन का सबसे रोमांचक मैच रहा, जिसमें मऊगंज ने कांटे की टक्कर में 11-10 से ग्वालियर को मात दी। शाजापुर बनाम नीमच में शाजापुर ने रक्षात्मक खेल दिखाते हुए नीमच को 1-0 से पराजित किया। इंदौर बनाम नीमच में इंदौर की टीम ने भी नीमच के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल की। बालक वर्ग के मैचों में रीवा बनाम मुरैना मैच में रीवा के खिलाड़ियों ने बेहतरीन तालमेल दिखाते हुए मुरैना को 8-1 से हराया। रायसेन बनाम शाजापुर मुकाबले में रायसेन ने शाजापुर पर 5-1 से जीत दर्ज की। वही जबलपुर बनाम रतलाम में जबलपुर की टीम ने रतलाम को 2-0 से शिकस्त दी। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के लिए क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। प्रमुख रूप से आयोजन समिति अध्यक्ष प्रीतेश चावला, बेसबाल संघ अध्यक्ष हिम्मत डांगी सहित मुख्य अतिथि में भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष द्वय विनोद डगवार, अरविन्द सारस्वत, सांसद प्रतिनिधि पुष्पेन्द्र भावसार, भाजपा जिला महामंत्री विजय सुराणा, वरिष्ठ पत्रकार आशुतोष नवाल, महामंत्री श्री जटिया, पूर्व पार्षद निशांत बग्गा, अंकित सोनी, दलपत डांगी, बंशी राठौर, हितेन्द्र भाटी, सुभाष अग्रवाल और सुनील योगी सहित कई खेल प्रेमी और कार्यकर्ता ने मौजूद रहकर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साह वर्धन किया।

चायनीज मांझे से कटे कपड़े, हादसा टला

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार को प्रतिबंधित चायनीज मांझे के कारण एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। पिपलिया महावीरगंज निवासी एक व्यक्ति के कपड़े चायनीज मांझे से कट गए, जबकि उन्हें केवल मामूली रगड़ आई। गनीमत यह रही कि व्यक्ति ने ऊनी वस्त्र पहन रखे थे, अन्यथा गंभीर चोट या जानलेवा हादसा भी हो सकता था। प्राप्त जानकारी के अनुसार घनश्याम शर्मा निवासी महावीरगंज, पिपलियामंडी, रविवार को रेलवे फाटक स्थित ओवरब्रिज से अपनी बाइक से जा रहे थे। इसी दौरान आसपास उड़ रही पतंग का प्रतिबंधित चायनीज मांझा अचानक उनके हाथ में फंस गया। मांझा इतना तेज था कि उनके हाथ की बाजू की साइड से पहनी हुई जर्किन, इनर, शर्ट व बनियान कट गई। मांझे की चपेट में आने से घनश्याम शर्मा के हाथ में हल्की रगड़ आई, लेकिन ऊनी कपड़े होने के कारण शरीर को कोई गहरी चोट नहीं पहुंची। उल्लेखनीय है कि चायनीज मांझे के उपयोग पर शासन द्वारा पूर्णतः प्रतिबंध लगाया गया है, क्योंकि इससे पूर्व भी कई स्थानों पर गंभीर हादसे हो चुके हैं। इसके बावजूद क्षेत्र में खुलेआम चायनीज मांझे का उपयोग किया जा रहा है, जिससे राहगीरों, बाइक सवारों व आम नागरिकों की जान पर लगातार खतरा मंडरा रहा है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि चायनीज मांझे की बिक्री व उपयोग करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

सीतामऊ टीआई और साताखेड़ी चौकी प्रभारी की जोड़ी ने कार से 70 किलो डोडाचूरा पकड़ा, ड्राइवर गिरफ्तार

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सीतामऊ थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश प्रजापति एवं साताखेड़ी चौकी प्रभारी ओपी राठौर की जोड़ी ने फिर से अवैध मादक पदार्थ की धरपकड़ में सफलता दर्ज कराई है। मुखबिरी पर एक कार की तलाशी ली, जिसमें से 70 किलो डोडाचूरा निकलना बताया गया है। मौके से कार ड्राइवर को गिरफ्तार होने का खुलासा किया गया है। मुखबिरी और कार्रवाई को एसडीओपी दिनेश प्रजापति के भी संज्ञान में लाया गया था।

पुलिस प्रेस नोट अनुसार 18 जनवरी को मूखबिर- सूचना पर कार्यवाही करते हुए मउखेडा आम रोड बालाजी मंदिर के पास ग्राम सेमलखेडा से आरोपी सुनील पिता बालाराम उर्फ मालाराम विश्नोई उम्र 25 साल निवासी लोहावट फलोदी राजस्थान के कब्जे वाली बिना नम्बर सिल्वर रंग ग्लेंजा कार से 70 किलो डोडाचूरा बरामद किया गया।

देश को कमजोर करने की दृष्टि से हिन्दू समाज को जातिवाद में बांटने का षड़यंत्र रचा गया-सत्यनारायण भूरिया

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। किसी में भी इतना सामर्थ्य नहीं है कि वह किसी को न्यायाधीश, कलेक्टर, शिक्षक, वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर, सैनिक, व्यापारी, उद्योगपति, ड्राइवर या चपरासी बना सके। प्रत्येक व्यक्ति जो भी बनता है वह अपनी योग्यता, स्वभाव व रुचि से बनता है। कोई भी कार्य करने पर व्यक्ति उस कार्य से पहचाना जाने लगता हैं। जैसे व्यापार करने पर व्यापारी, उपचार करने पर डॉक्टर व पढ़ाने पर शिक्षक कहलाने लगता है। कहने का तात्पर्य यह है कि व्यक्ति जो कार्य करता है वह उसी कार्य से जाना जाने लगता है। ठीक यही बात जातियों के उद्भव पर लागू हुई। जीवन के प्रारम्भिक काल में मानव अपनी-अपनी योग्यता, स्वभाव व रुचि के अनुसार कार्य करने लगा और फिर वह अपने कर्म से पहचाना जाने लगा। कालांतर जैसे-जैसे मनुष्य की आवश्यकताएं बढ़ती गई, वैसे-वैसे कार्य का विस्तार होता गया व कार्य के अनुरूप उनका नाम पड़ गया और फिर यही जातियों का कारक बन गया। जैसे - कुम्हार, सुनार, लोहार आदि।

उक्त विचार सत्यनारायण भूरिया ने व्यक्त किए। वे बड़ी होली, किला रोड स्थित प्राचीन श्री भीमाशंकर महादेव मंदिर पर राष्ट्र व सनातन जागरण अभियान के अंतर्गत अनुराग संस्था व ब्रह्म परिषद के संयुक्त आयोजन में ÷जातियों के उद्भव की सच्चाई और फैलाया गया भ्रम÷ विषय पर अपने विचार रख रहे थे। इस अवसर पर सुरेश कुमार सावरा ने बताया कि जिस प्रकार से वर्तमान समय में एक विभाग में प्रबंधक, उप प्रबंधक, लेखापाल, लिपिक, चपरासी आदि पद होते हैं, और उन्हें कोई बनाता नहीं है।वरन् वे अपनी योग्यता, स्वभाव व अपनी रुचि व भाग्य से बनते हैं। भारतवर्ष को कमजोर करने के लिए हिंदुओं को विभिन्न जातियों में बांटने का षड़यंत्र रचा गया, ताकि देश तेजी से विकास कर एक शक्तिशाली व समृद्ध राष्ट्र नहीं बन सके। परिचर्चा में अपनी बात रखते हुए गोपालकृष्ण पंचारिया ने कहा कि यह हमारा दुर्भाग्य ही है कि आज की वोटों की दूषित राजनीति ने अपने तुच्छ स्वार्थ के लिए हिन्दू समाज को बांटने का घृणित कार्य किया है। जबकि इतिहास इस बात का साक्षी है कि आज से 2500 वर्ष पूर्व महान चाणक्य स्वयं राजा बनते या किसी अन्य ब्राह्मण को राजा बनाते जबकि उन्होंने चंद्रगुप्त को राजा बनाया।

1200 वर्ष पूर्व आदि शंकराचार्य अपनी पहली भिक्षा हरिजन महिला से नहीं लेते व एक ब्राह्मण संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकरजी को शिक्षा में योगदान के साथ ही अपना नाम नहीं देता। ऐसे ही उदाहरणों से स्पष्ट होता है कि हमारे देश में सामाजिक समरसता प्राचीन काल से रही है।

आज देश को विकसित व समृद्धशाली बनाने के लिए इसे और प्रगाढ़ करने की आवश्यकता है। इंजी. सुनील व्यास ने कहा कि हमारी भारतीय संस्कृति में प्रारंभिक काल से ही सभी विवाह आदि सामाजिक गतिविधियां सभी जातियों के सहयोग, समन्वय व सहभागिता से सम्पन्न होती आई है और यह हमारी सामाजिक एकता, समरसता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

रविवार को मेले में बड़ी संख्या में पहुँचे सैलानी

गुना कलेक्टर किशोर कान्याल ने भी लिया ग्वालियर मेले का आनंद

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्वालियर व्यापार मेले में रविवार को बड़ी संख्या में सैलानियों ने पहुँचकर मेले का लुत्फ उठाया। मेले में न केवल ग्वालियर बल्कि आसपास के अंचल के लोगों ने भी परिवार सहित पहुँचकर मेले के विभिन्न सेक्टरों में घूमकर आनंद उठाया।

रविवार की छुट्टी के दिन छोटे-छोटे बच्चों के साथ परिवारजनों ने भी अपनी आमद दर्ज की। गुना कलेक्टर श्री किशोर कान्याल ने भी ग्वालियर व्यापार मेले में भ्रमण कर गुना जिले के महिला स्व-सहायता समूह द्वारा शिल्प बाजार में लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया और उनका हौसला अफजाई की। कलेक्टर गुना श्री किशोर कान्याल ने शिल्प बाजार में भ्रमण के दौरान गुना जिले की स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा अपने ही समूह द्वारा निर्मित उत्पादों के विक्रय हेतु लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया। उन्होंने स्व-सहायता समूह की महिलाओं से व्यापार मेले में मिल रहे रिस्पाँस के संबंध में भी जानकारी दी। उन्होंने महिलाओं से आग्रह किया कि वे और सक्रियता और मेहनत से बेहतर से बेहतर उत्पाद बनाएं ताकि बाजार में उनको अच्छी कीमत मिल सके। कलेक्टर गुना श्री कान्याल ने मेला भ्रमण के दौरान जनसंपर्क विभाग, गौशाला, नगर निगम एवं अन्य विभागों द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों का भी अवलोकन किया। जनसंपर्क विभाग द्वारा दो वर्षों में प्रदेश में हुए विकास कार्यों पर केन्द्रित फोटो प्रदर्शनी के माध्यम से सम्पूर्ण प्रदेश में हुए विकास कार्यों को प्रदर्शित किया गया है। इसके साथ ही नगर निगम की प्रदर्शनी द्वारा भी शहरी विकास के विभिन्न आयामों को दर्शाया गया है। ग्वालियर की आदर्श गौशाला में किए जा रहे कार्यों को भी प्रदर्शनी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। श्री कान्याल ने मेले में लिया बायस्कोप का आनंद कलेक्टर गुना श्री किशोर कान्याल ने शिल्प बाजार में भ्रमण के दौरान बायस्कोप संचालक से चर्चा की। संचालक के आग्रह पर उन्होंने बायस्कोप के माध्यम से प्रदर्शित किए जा रहे चित्रों का भी आनंद लिया। उन्होंने कहा कि बायस्कोप बहुत ही पुराना यंत्र है। इसका लोग वर्षों से आनंद ले रहे हैं।

सुरेन्द्र कुमावत का आरोप : पशुपतिनाथजी मंदिर की सुरक्षा में चूक, परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे बंद, गाड़ियां हो रही चोरी!

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान पशुपतिनाथजी मंदिर की सुरक्षा में चूक इन दिनों देखने को मिल रही है। मंदिर परिसर में लगे लगभग सभी सीसीटीवी कैमरे बंद है, जिसका फायदा असामाजिक किस्म के लोग उठा रहे है। उक्त आरोप जिला कांग्रेस के उपाध्यक्ष सुरेन्द्र कुमावत ने लगाया है। कुमावत ने आगे भी आरोप लगाते हुए बताया कि मंदिर परिसर में सीसीटीवी कैमरे बंद होने से सुरक्षा पर तो सवालिया निशान लग ही रहा है वहीं मंदिर परिसर में खडी होने वाले दो पहिया वाहन भी चोरी हो रहे है। हाल ही में तीन से चार मोटर साइकिले चोरी हुई है, लेकिन सीसीटीवी कैमरे बंद होने से सुराग नहीं मिल पाया।

कुमावत ने कहा कि मंदिर परिसर के बाहर पार्किंग का भी अभाव है। पहले मंदिर परिसर के अंदर वाहन पार्क होते थे, लेकिन अब उक्त स्थान पर पशुपतिनाथ लोक बनने से पार्किंग का भी यथास्थान तय नहीं है। मंदिर आने वाले श्रद्धालु शिवना नदी पर बने पुल से ही वाहन पार्क कर देते है, जिससे आवागमन बाधित होता है। द्वारकाधीश मंदिर के पास जरूर पार्किंग स्थान बनाया गया है, लेकिन सख्ती नहीं होने के कारण वहां श्रद्धालु वाहन खड़ा नहीं करते है। कुमावत ने कहा कि भगवान पशुपतिनाथजी मंदिर मंदसौर ही नही अपितु मालवा क्षेत्र का प्रमुख तीर्थ स्थल है।

ऐसे में यहां श्रद्धालु की आवाजाही लगातार बनी रहती है। दानपेटियों में दान राशि भी भरपूर आती है। ऐसे में किसी भी प्रकार की कोई चूक मंदिर में नहीं होनी चाहिए। मंदिर मंदसौर के लिए गौरव है। कुमावत ने कलेक्टर एवं मंदिर प्रबंध समिति अध्यक्ष से मांग कि है कि पशुपतिनाथजी मंदिर परिसर में लगे सभी सीसीटीवी कैमरे चालू करवाएं, पार्किंग व्यवस्था सुचारू हो ताकि आवागमन बाधित न हो, क्योंकि पशुपतिनाथ लोक के लोकार्पण के बाद यहां पर लोगों की आवाजाही बढ़ जायेगी, इसलिए श्रद्धालुओं की सुरक्षा में कोई चूक नहीं होना चाहिए।

सांसद/विधायक निधि के निर्माण कार्यों की स्वीकृति एवं भुगतान त्वरित गति से करें सभी टोल बूथ पर एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित करे

रतलाम/ प्रवीण व्यास/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सांसद श्री सुधीर गुप्ता की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक कलेक्टर सभागृह में आयोजित की गई। बैठक में जिले की विकास योजनाओं पर चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिये गये। बैठक में कलेक्टर श्रीमती मिशा सिंह द्वारा जिले की प्रगति की जानकारी दी गई। बैठक में सांसद श्री गुप्ता ने विगत बैठक के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा करते हुए ई ई जल संसाधन को गाँधी सागर बांध से रतलाम जिले की योजना अनुसार पानी लेने के लिए विगत बैठक में लिए गये निर्णय अनुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। बैठक में ई ई लोक निर्माण विभाग एमपी आरडीसी पीआईयू को जिले में सड़कों का निर्माण एवं संधारण सरकार के मापदंड अनुसार करने के निर्देश दिए। रोड से संबंधित विभाग रोड कान्ग्रेस के मानक अनुसार सडक निर्माण करवाये। रोड किनारे, विद्युत पोल शिफ्टिंग, अतिक्रमण हटाने एवं पौधारोपण करने का काम प्राथमिकता से करें। सांसद/विधायक निधि के निर्माण कार्यो की स्वीकृति एवं भुगतान त्वरित गति से करने के निर्देश दिये। बैठक में सांसद श्री गुप्ता ने जिले के टोल प्लाजा की वसूली एवं दायित्व की सूची बनाने के निर्देश दिए। सभी टोल प्लाजा पर स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ एम्बुलेंस की व्यवस्था अनिवार्य रूप से की जाये। राहवीर योजना का व्यापक प्रचार प्रसार करे। योजना मे शासन के नियमानुसार राहवीर को प्रोत्साहन राशि का भुगतान करवायें।

बैठक में कृषि विभाग की समीक्षा के दौरान उप संचालक कृषि को निर्देश दिए कि खेती से संबंधित विभाग आपसी समन्वय से किसानों के हित में योजनाओं का क्रियान्वयन करें। जैविक खेती को बढावा देने के लिए किसानों को प्रेरित करे एवं जैविक उत्पादों के विक्रय के लिए बाजार किसानों को उपलब्ध करवायें। किसानों के खेत की मिट्टी परीक्षण कर किसानों को आवश्यकता अनुसार खाद एवं पोषक तत्वों का उपयोग करने के लिए कृषि विस्तार अधिकारी को किसानो को सलाह देने हेतु निर्देशित करें। प्रति सप्ताह किसान संगोष्ठी का आयोजन करें। भारत सरकार द्वारा चिन्हित दुकानों/संस्थाओं पर मिट्टी परीक्षण के लिए युवाओं को प्रशिक्षण दे। शासन द्वारा निर्धारित भौतिक लक्ष्य के साथ ही हर किसान के खेत की मिट्टी का परीक्षण करवायें। वर्ष 2026 को सरकार द्वारा कृषि वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है।एक ग्राम पंचायत मे कम से कम 30 किसानों के खेत की मिट्टी का परीक्षण अनिवार्यतः करवायें । किसानों के खेत की मिट्टी के स्वास्थ्य परीक्षण के अनुसार खाद एवं पोषक तत्वों के उपयोग की सलाह दे एवं परिणाम सहित अगली बैठक में प्रस्तुत करे। अधिक से अधिक किसानों को जोड़कर जैविक खेती का व्यापक प्रचार प्रसार करे। जिले में हर ब्लॉक में एक जैविक गांव बनाये। रतलाम जिले में उद्यानिकी के क्षेत्र में ज्यादा संभावना है, किसानों को उन्नत तकनीकों का प्रशिक्षण देकर उद्यानिकी के क्षेत्र में जैविक खेती करने के लिए प्रेरित करें।

कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग, आत्मा तीनों विभाग मिलकर बड़ा किसान मेला लगाये । मेले मे विशेषज्ञ कृषि वैज्ञानिकों को आमंत्रित कर किसानो को कृषि संबंधित सलाह दे।

बैठक में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान सी एम एच ओ को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना अंतर्गत ठीक हुए बच्चों की कहानी के माध्यम से योजना को प्रचारित करे ,ताकि अधिक से अधिक व्यक्तियों तक योजना की जानकारी पहुंच सके एवं जरूरतमंद व्यक्ति योजना का लाभ ले सके। अंधत्व निवारण कार्यक्रम का व्यापक प्रचार प्रसार करे। आयुष्मान कार्डधारी व्यक्तियों को सरकार से सूचीबद्ध अस्पतालों में लाभान्वित करवायें। एनीमिया मुक्त भारत अभियान अंतर्गत बच्चों और महिलाओं को चिन्हित कर आवश्यक पोषण आहार और दवाइयां देकर एनीमिया मुक्त करे।

बैठक में जल निगम द्वारा मापदण्डों के अनुरूप कार्य नहीं किये जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए जल निगम की पेयजल पाइपलाइन डालते समय खोदी गई सड़क को पुनः मरम्मत करवाने के निर्देश दिये। जल निगम के काम की जांच करवाने के लिए दल गठित कर जांच दल द्वारा प्रत्येक गांव में डेमेज की गई बी एस एन एल की केबल ,सड़क की नुकसानी की जांच करवा कर रिपोर्ट सरकार को प्रेषित करने के निर्देश दिये। बैठक में मेडिकल कॉलेज की डीन के अनुपस्थित रहने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दियें।

स्वच्छ जल को लेकर एक्शन में प्रशासनिक अमला

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रविवार 18 जनवरी को कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के निर्देश पर एसडीएम श्री संजीव साहू ने तहसीलदार श्री संजय मालवीय, नीमच नगर पालिका सीएमओ श्रीमती दुर्गा बामनिया के साथ नीमच शहर में पेयजल टंकी, सप्लाईवाल,पाईपलाइन, जल मंदिरों आदि पेयजल स्त्रोतों का निरीक्षण कर, व्यवस्थाएं देखी और पेयजल स्त्रोतों के आसपास साफ सफाई रखने सहित आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान सभी अधिकारियों ने हुड़को पेयजल टंकी, प्राइवेट बस स्टैंड पुलिया व महू रोड स्थित खुली पाईपलाइन, फव्वारा चौक कुआं, एलआईसी चौराहा व लायंस चौराहा स्थित वाटर सप्लाई वाल्व तथा शहर में विभिन्न स्थानों पर स्थापित जल मंदिरों में रखी, पानी की केन आदि को देखा तथा जल मंदिर पर रखे कैंपर व शहर में कैंपर द्वारा जल वितरण कर रहे वाहनों से जांच हेतु पानी के सैंपल लिए।

निरीक्षण के दौरान एसडीएम श्री साहू ने पेयजल स्त्रोतों के आसपास पर्याप्त साफ-सफाई रखने, फव्वारा चौक कुए पर यह पानी पीने योग्य नहीं होने का बोर्ड लगाने, पेयजल वितरण हेतु बने वाल्व चैंबर को ढकने सहित आवश्यक निर्देश नगर पालिका अमले को दिए।

निरीक्षण के दौरान नगरपालिका के कार्यालय अधीक्षक श्री कन्हैयालाल शर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी श्री दिनेश टांक, केमिस्ट श्री सुरेश पवार, श्री नाथूलाल नागर तथा बीटीएल कंपनी के श्री आकाश भी दल के साथ थे।

विकसित भारत 2047 पर आधारित प्रदर्शनी 19 जनवरी से

ग्वालियर/दैनिक मालवा हेराल्ड। केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा महारानी लक्ष्मीबाई शासकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय, ग्वालियर में विकसित भारत 2047 विषय पर आधारित दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन 19 एवं 20 जनवरी को किया जाएगा। प्रदर्शनी का शुभारम्भ 19 जनवरी को सुबह 11ः00 बजे होगा।

प्रदर्शनी के सफल आयोजन एवं जन-जागरूकता के उद्देश्य से प्रचार अभियान के अंतर्गत प्रचार रथ को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर जे. एस. परमार (जिला सेक्रेटरी कबड्डी फेडरेशन), प्रीतम पाल (कोच, कबड्डी फेडरेशन ग्वालियर), केंद्रीय संचार ब्यूरो के प्रभारी क्षेत्रीय प्रचार अधिकारी देवेंद्र बाथरी, अजय बैस, जिला सेक्रेटरी बब्ली कुशवाहा सहित कबड्डी संघ के पदाधिकारी उपस्थित रहे। केंद्रीय संचार ब्यूरो के प्रभारी प्रचार अधिकारियों ने बताया कि प्रदर्शनी में विकसित भारत ञ्च2047, नेक्स्ट जेन जीएसटी एवं वीबी-जी राम-जी विषयों पर आधारित छायाचित्रों का प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शनी का उद्देश्य आम नागरिकों को भारत सरकार की प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं, विकासात्मक उपलब्धियों तथा भविष्य की विकास दृष्टि से अवगत कराना है। यह प्रदर्शनी सभी के लिए निःशुल्क रहेगी।

सम्पादकीय

चीन,पाकिस्तान और बांग्लादेश की त्रिकोणीय जुगलबंदी, भारत के लिए उभरती सन्निकट चुनौतियाँ

भारत की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के सामने इस समय में अनेक जटिल चुनौतियाँ खड़ी हैं,इनमें सबसे गंभीर चुनौती पड़ोसी देशों के साथ बिगड़ते समीकरण और क्षेत्रीय अस्थिरता से जुड़ी है।

भारत देश का पुराना अनुभव रहा है कि परंपरागत रूप से चीन और पाकिस्तान भारत विरोध की धुरी रहे हैं, और अब जिस प्रकार बांग्लादेश के कुछ घटनाक्रम इस धुरी से जुड़ते प्रतीत हो रहे हैं उसने भारत की सामरिक, कूटनीतिक और मानवीय चिंताओं को और गहरा कर दिया है। यह स्थिति केवल सीमा विवाद या कूटनीतिक तनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका सीधा संबंध क्षेत्रीय शांति, अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक स्थिरता से भी गहरे जुड़ा है।

चीन की विस्तारवादी नीति के कारण भारत की सीमा पर हमेशा दबाव महसूस किया जाता रहा है।

चीन के साथ भारत के संबंध पिछले कुछ वर्षों से लगातार तनावपूर्ण बने हुए हैं। वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीनी सेना की गतिविधियाँ, बुनियादी ढांचे का आक्रामक विस्तार और बार-बार होने वाले सैन्य आमने-सामने के घटनाक्रम इस बात के संकेत हैं कि चीन भारत के प्रति पारंपरिक शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व के सिद्धांत से हटकर व्यवहार कर रहा है। पूर्वी लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक, चीन की रणनीति धीरे-धीरे यथास्थिति बदलने की रही है।

चीन की यह नीति केवल भूभाग तक सीमित नहीं है, बल्कि वह भारत को सामरिक रूप से घेरने की कोशिश भी कर रहा है। नेपाल, श्रीलंका, मालदीव और म्यांमार जैसे देशों में चीनी प्रभाव का बढ़ना इसी रणनीति का हिस्सा माना जाता है। ऐसे में चीन पर आवश्यकता से अधिक भरोसा करना भारत के लिए दीर्घकालिक रूप से नुकसानदेह हो सकता है।

पाकिस्तान में भारी अस्थिरता के बीच भी भारत का विरोध बदस्तूर जारी है।

पाकिस्तान की आंतरिक स्थिति चाहे जितनी भी कमजोर क्यों न हो, भारत विरोध उसकी विदेश नीति का स्थायी स्तम्भ बना हुआ है। आर्थिक संकट, राजनीतिक अस्थिरता और अंतरराष्ट्रीय दबावों के बावजूद पाकिस्तान का सैन्य प्रतिष्ठान भारत के खिलाफ छद्म युद्ध और आतंकवाद को रणनीतिक औज़ार के रूप में इस्तेमाल करता रहा है।

हाल के वर्षों में पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों, विशेषकर हिंदुओं और सिखों के खिलाफ हिंसा, जबरन धर्मांतरण और हत्याओं की घटनाएँ भारत के लिए गंभीर मानवीय चिंता का विषय हैं। यह केवल मानवाधिकार का प्रश्न नहीं है, बल्कि क्षेत्रीय अस्थिरता का भी संकेत है, जिसका प्रभाव अंततः भारत पर ही पड़ता है,चाहे वह शरणार्थी संकट हो या सीमा पार तनाव। बांग्लादेश के बदलते संकेत ने भारत के लिए नई आशंकाएँ बाधा दी हैं।

भारत और बांग्लादेश के संबंध लंबे समय तक सौहार्दपूर्ण और सहयोगपूर्ण रहे हैं। 1971 के मुक्ति संग्राम से लेकर आर्थिक और सांस्कृतिक सहयोग तक, दोनों देशों के बीच एक मजबूत आधार रहा है। किंतु हाल के समय में बांग्लादेश के भीतर कुछ घटनाक्रम विशेषकर हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा, मंदिरों पर हमले और सामाजिक असुरक्षा भारत के लिए चिंता का कारण बने हैं।

इन घटनाओं के पीछे कट्टरपंथी ताकतों का उभार और बाहरी प्रभावों की भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता। यदि बांग्लादेश में भारत विरोधी या कट्टरपंथी शक्तियाँ मजबूत होती हैं और उन्हें चीन या पाकिस्तान का अप्रत्यक्ष समर्थन मिलता है, तो यह भारत के पूर्वी सीमांत के लिए एक नई चुनौती खड़ी कर सकता है।

त्रिकोणीय दबाव की रणनीति- चीन,पाकिस्तान की मित्रता कोई नई बात नहीं है। चीन,पाकिस्तान आर्थिक गलियारा इस गठजोड़ का ठोस उदाहरण है, जो भारत की संप्रभुता से जुड़े क्षेत्रों से होकर गुजरता है। यदि इस समीकरण में बांग्लादेश का किसी भी रूप में सामरिक या वैचारिक झुकाव जुड़ता है, तो भारत के लिए यह स्थिति और जटिल हो सकती है।

यह त्रिकोणीय दबाव केवल सैन्य नहीं, बल्कि कूटनीतिक, आर्थिक और मनोवैज्ञानिक भी हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत को घेरने की कोशिश, क्षेत्रीय संगठनों में संतुलन बदलने का प्रयास और आंतरिक अस्थिरता को हवा देना, भारत के लिए ये सभी संभावित रणनीतियों के खिलाफ एक नया समीकरण तैयार करने की आवश्यकता होगी।

इन परिस्थितियों में भारत को अत्यंत सतर्क, संतुलित और दीर्घदर्शी नीति अपनाने की आवश्यकता है। एक ओर जहां सीमाओं की सुरक्षा और सैन्य तैयारी सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए, वहीं दूसरी ओर कूटनीतिक संवाद के रास्ते खुले रखना भी आवश्यक है।

भारत को बांग्लादेश के साथ अपने ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करना चाहिए, ताकि कट्टरपंथी ताकतों के लिए जगह न बचे। पाकिस्तान के संदर्भ में सख्ती और स्पष्टता आवश्यक है, जबकि चीन के मामले में रणनीतिक धैर्य के साथ राष्ट्रीय हितों की दृढ़ रक्षा करनी होगी। चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश के बदलते समीकरण भारत के लिए केवल एक तात्कालिक चुनौती नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक रणनीतिक परीक्षा भी हैं।

दैवीय संपदा को प्राप्त करने का मार्ग है सहजयोग

तेजः क्षमा धृतिः शौचमद्रोहो नातिमानिता।
भवन्ति सम्पदं दैवीमभिजातस्य भारत।।

अर्थ - तेज (प्रभाव), क्षमा, धैर्य, शरीरकी शुद्धि, वैर भाव का न रहना और मान को न चाहना, हे भरतवंशी अर्जुन ! ये सभी दैवी सम्पदाको प्राप्त हुए मनुष्यके लक्षण हैं। प. पू. श्री माताजी निर्मला देवी प्रणित सहजयोग एक अनूठी ध्यान पद्धति इसलिये है क्योंकि यह ध्यान के साधक को सर्व-प्रथम र्निविचार अवस्था प्रदान करता है और तद्नंतर साधक आत्मपरीक्षण कर अपनी अध्यात्मिक उत्थान की और अग्रसर होता है। पाँच हजार वर्ष पूर्व भगवान श्री कृष्ण ने अर्जुन को यह योग यह बताया था और आज के कलियुग में पुनः एक बार आत्मा का ज्ञान देने वाला यह योग प. पू. श्री माताजी ने हम सभी के लिये प्रतिस्थापित किया है। इस ध्यान योग के माध्यम से जब हमारे सूक्ष्म शरीर में स्थित एक-एक चक्र स्वच्छ होते हैं तब हम धीरे-धीरे - अर्जुन जैसे देवी संपदा से अलंकृत होते हैं। जब हमारा मूलाधार चक्र स्वच्छ होता है तब हम अंतस से शुद्ध, निर्मल, निरंजन और अबोध बनते हैं।नियमित ध्यान से जब हमारा हृदय चक्र स्वच्छ होता है तब इसे धृती- अर्थात धैर्य, आत्मविश्वास प्राप्त होता है । हमारे अंतकरण में सभी के लिए मित्रता की भावना और अतिशयता का अभाव व संपूर्ण संतुलन की अवस्था प्राप्त होती है।

आज्ञा चक्र स्वच्छ होते ही हम क्षमाशील बन जाते हैं और सहस्त्रार चक्र पर नियमित ध्यान करने से हमें तेज अर्थात तेजस्विता प्राप्त होती है। हमारे संपर्क में आने वाले नकारात्मक व्यक्ति को भी हमारी उपस्थिति में गलत बर्ताव करने का साहस नहीं होता।

प. पू. श्रीमाताजी कहते हैं कि उपरोक्त वर्णित सारे गुण एक सहज साधक में स्थित होने चाहिये अन्यथा सहज योग नहीं बढ़ेगा। भगवान श्रीकृष्ण ने हमें आत्मपरीक्षण करना सिखाया। हमें अपने अंदर के दोष ढूंढकर उन्हें निकालना होगा। हमे अपनी दृष्टि दूसरों से हटाकर अपनी ओर करनी होगी। श्री कृष्ण जी का स्थान हमारे विशुद्धि चक्र पर है और उनका ध्यान करने से हमारे अंदर के सारे दोषों की सफाई होती है और हमारे अंदर श्री कृष्ण जी के गुण जैसे की मधुरता, आल्हाद, हर्षोल्लास प्रस्थापित होता है। हम अपने आपसे या अन्य किसी से कभी भी नाराज नहीं होना चाहिये, यही सही मायने में श्री कृष्ण जी की पूजा है। तो आईये अपने अंदर दैवी संपदा धारण करने व करने के लिए सीखते हैं सहजयोग।

नाटो की नींव पर प्रहारः ग्रीनलैंड विवाद और बदलती वैश्विक धुरी

डोनाल्ड ट्रंप की ग्रीनलैंड को लेकर अपनाई गई आक्रामक नीति अब न तो सनक भर रह गई है और न ही चुनावी बयानबाज़ी तक सीमित है। यह 2026 की वैश्विक राजनीति का एक गंभीर और निर्णायक संकट बन चुकी है। जनवरी 2026 में ट्रंप के ऐलान किया कि 1 फरवरी 2026 से डेनमार्क, नॉर्वे, स्वीडन, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन, नीदरलैंड्स और फिनलैंड (आठ नाटो देशों) के आयात पर 10% टैरिफ लगेगा, जो 1 जून 2026 से 25% तक बढ़ जाएगा—जब तक ग्रीनलैंड की पूर्ण और संपूर्ण खरीद पर डील नहीं हो जाती। यह बयान उस सोच को उजागर करता है, जिसमें अंतरराष्ट्रीय राजनीति को कूटनीति नहीं, बल्कि दबाव और सौदेबाज़ी का खेल माना जा रहा है।

ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप का यह रवैया नया नहीं है। 2019 में भी उन्होंने इसे एक ÷रियल एस्टेट डील÷ बताया था, जिसे उस समय मज़ाक या कूटनीतिक अपरिपक्वता कहकर टाल दिया गया। लेकिन सात साल बाद वही विचार एक अलग, अधिक संगठित और खतरनाक रूप में सामने आया है। अब इसे राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्कटिक क्षेत्र में चीन और रूस की बढ़ती मौजूदगी और दुर्लभ खनिजों पर नियंत्रण जैसे तर्कों से जोड़ा जा रहा है। यही कारण है कि यह मुद्दा अब केवल अमेरिका और डेनमार्क के बीच सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरे नाटो और वैश्विक व्यवस्था के लिए चुनौती बन गया है।

यूरोप की प्रतिक्रिया इस संकट की गंभीरता को रेखांकित करती है। डेनमार्क ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि ग्रीनलैंड बिक्री के लिए नहीं है, जबकि ग्रीनलैंड के लोग भी सड़कों पर उतरकर अपनी स्वायत्तता और पहचान की रक्षा कर रहे हैं। ÷कोई दबाव नहीं, कोई संकेत नहीं÷ जैसे बयान यह दर्शाते हैं कि स्थानीय नेतृत्व किसी भी सूरत में बाहरी दबाव स्वीकार करने को तैयार नहीं है। फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन और अन्य यूरोपीय देशों ने भी एकजुट होकर ट्रंप की धमकी को अंतरराष्ट्रीय कानून और संप्रभुता के खिलाफ बताया है। यूरोप की सड़कों पर गूंजते ÷यांकी गो होम÷ जैसे नारे इस असंतोष की तीव्रता को उजागर करते हैं।

ट्रंप के तर्क अपनी जगह साफ हैं। आर्कटिक क्षेत्र में बर्फ पिघलने से नए समुद्री मार्ग खुल रहे हैं, जो वैश्विक व्यापार और सैन्य रणनीति दोनों के लिए अहम हैं। इसके अलावा, ग्रीनलैंड में लिथियम, कोबाल्ट और अन्य रेयर अर्थ एलिमेंट्स की भरपूर उपलब्धता है, जो भविष्य की तकनीक—इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी और नवीकरणीय ऊर्जा—के लिए अनिवार्य मानी जाती है। ट्रंप का दावा है कि ग्रीनलैंड गोल्डन डोम मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए रणनीतिक रूप से आवश्यक है, हालांकि विशेषज्ञों का मत है कि वर्तमान पिटुफिक अंतरिक्ष आधार और डेनमार्क के साथ हुए समझौतों के कारण अमेरिका को पहले से ही पर्याप्त पहुंच है, तथा पूर्ण क्रय की जरूरत विवादित है। इन दलीलों के पीछे संसाधनों और प्रभुत्व की पुरानी लालसा ही काम कर रही है।

आर्थिक दृष्टि से यह प्रस्ताव कई गहरे सवाल खड़े करता है। ट्रंप की टीम ने ग्रीनलैंड की संभावित खरीद कीमत 700 बिलियन डॉलर तक बताई है, जिसमें खरीद के अलावा माइंस, इंफ्रास्ट्रक्चर और सब्सिडी के लिए सैकड़ों बिलियन अतिरिक्त खर्च शामिल हैं, और लाभ 10-20 साल बाद दिख सकता है। जबकि विशेषज्ञों का आकलन है कि इससे किसी ठोस आर्थिक लाभ के संकेत कम से कम दो दशक बाद ही सामने आ सकते हैं। इसके बावजूद, टैरिफ जैसे आर्थिक हथियारों के जरिए सहयोगी देशों पर दबाव बनाना नाटो की मूल भावना और आपसी भरोसे के खिलाफ जाता है। यही कारण है कि इस कदम को केवल एक आक्रामक नीति नहीं, बल्कि गठबंधन की विश्वसनीयता पर सीधा खतरा माना जा रहा है।

इस टकराव का प्रभाव यूरोप की सीमाओं तक सीमित नहीं रहने वाला है। वैश्विक सप्लाई चेन पहले ही दबाव में है, और यदि ट्रंप की टैरिफ नीति से ट्रेड वॉर तेज होता है, तो इसके झटके पूरी दुनिया में महसूस किए जाएंगे। इसी बीच रूस और चीन आर्कटिक क्षेत्र में अपनी मौजूदगी लगातार बढ़ा रहे हैं, और विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप की आक्रामक रणनीति अनजाने में उन्हें और रणनीतिक अवसर प्रदान कर सकती है। यह ÷पावर पॉलिटिक्स÷ का नया चरण है, जहां आर्थिक दबाव को भू-राजनीतिक लक्ष्य हासिल करने के औज़ार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। भारत के लिए यह पूरा घटनाक्रम अप्रत्यक्ष होते हुए भी दूरगामी असर रखने वाला है। भारत आर्कटिक काउंसिल का ऑब्जर्वर है और जलवायु परिवर्तन के कारण इस क्षेत्र में उभरते संसाधनों और नए समुद्री मार्गों में उसकी दिलचस्पी स्वाभाविक है। ग्रीनलैंड के रेयर अर्थ मिनरल्स भारत की इलेक्ट्रिक वाहन नीति, बैटरी निर्माण और नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों के लिए बेहद अहम हैं। यदि अमेरिका इन संसाधनों पर नियंत्रण स्थापित करता है, तो भारत के लिए अमेरिका के साथ रणनीतिक सहयोग के नए रास्ते खुल सकते हैं, विशेषकर क्वाड और इंडो-पैसिफिक ढांचे के अंतर्गत।

फिर भी, जोखिम को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। ट्रंप की टैरिफ नीति का असर भारत पहले भी महसूस कर चुका है। यदि यूरोप के साथ ट्रेड वॉर गहराता है, तो वैश्विक मांग में संभावित गिरावट भारत की निर्यात-आधारित अर्थव्यवस्था पर दबाव बढ़ा सकती है। इसके साथ ही, अमेरिका और यूरोप के बीच बढ़ता तनाव वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता पैदा करेगा, जिसका सीधा असर भारत के फार्मा, टेक्सटाइल और ऑटोमोबाइल जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर पड़ सकता है।

फिर भी, हर बड़े संकट के भीतर नए अवसरों के बीज छिपे होते हैं। यदि यूरोप अमेरिका से रणनीतिक दूरी बनाता है, तो भारत-यूरोप मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) को निर्णायक गति मिल सकती है। यह भारत के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक बढ़त साबित होगी, जिससे उसके उद्योगों को नए और स्थिर बाजार मिलेंगे। साथ ही, आर्कटिक क्षेत्र में अमेरिका-चीन प्रतिस्पर्धा तेज होने की स्थिति में भारत को रिसर्च, विज्ञान और संसाधन सहयोग के नए और उपयोगी मंच उपलब्ध हो सकते हैं।

भारत की कूटनीति के लिए यह समय संतुलन और सूझ-बूझ की सख्त परीक्षा है। बहुपक्षीयता और संप्रभुता का समर्थक होने के नाते ग्रीनलैंड जैसे संवेदनशील मुद्दे पर भारत को सोच-समझकर तटस्थ रुख अपनाना होगा। अमेरिका के साथ रणनीतिक साझेदारी बनाए रखते हुए यूरोप, रूस और चीन के साथ संतुलन साधना ही भारत के दीर्घकालिक हितों की कुंजी है। यही संतुलन भारत को उभरती बहुध्रुवीय दुनिया में एक स्वतंत्र, भरोसेमंद और प्रभावशाली शक्ति के रूप में स्थापित कर सकता है।

ट्रंप का ग्रीनलैंड प्लान किसी एक द्वीप की खरीद भर का मामला नहीं है। यह उस नई वैश्विक व्यवस्था को गढ़ने की कोशिश है, जिसमें नाटो की एकता, अंतरराष्ट्रीय कानून और वैश्विक व्यापार की स्थिरता दांव पर लगी हुई है। भारत के लिए यह दौर सतर्कता, दूरदर्शिता और स्मार्ट डिप्लोमेसी की मांग करता है। 2026 में दुनिया एक नाजुक मोड़ पर खड़ी है, जहां लिया गया एक फैसला पूरी वैश्विक राजनीति की दिशा बदल सकता है। यदि भारत इस परिवर्तन को समझदारी से संभालता है, तो वह न केवल चुनौतियों से उबर पाएगा, बल्कि एक सशक्त वैश्विक शक्ति के रूप में और मजबूती से उभरेगा।

-प्रो. आरके जैन

स्मृति में वेद, हृदय में ज्योतिष, भारत का बाल ऋषि अरिपिराला योगानंद शास्त्री

जरा कल्पना कीजिए एक ग्यारह साल का बच्चा, जिसके हाथ में स्कूल बैग की जगह पंचांग है, कंधे पर जनेऊ है, और मुंह से निकलते हैं संस्कृत के कठिन सूत्र जो सैकड़ों पंडितों के लिए भी दुर्बोध हैं। वह बच्चा जब यज्ञ-वेदी पर खड़ा होता है, तो अग्नि भी जैसे श्रद्धा से झुक जाती है। यह कोई पौराणिक कथा नहीं, यह आज के भारत की सच्ची घटना है। नाम है अरिपिराला योगानंद शास्त्री। लोग उन्हें प्यार से डॉ. योगानंद कहते हैं, और यह डॉक्टर कोई खिलौना उपाधि नहीं दो मानद डॉक्टरेट धारक हैं ये बाल-ब्रह्मर्षि। आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले में जब यह बालक जन्मा, तो घर में जैसे कोई प्राचीन ऋषि फिर लौट आया हो। पिता डॉ. अरिपिराला कल्याण शास्त्री बताते हैं-पांच साल की उम्र में योगानंद ने मुझसे पहला सवाल पूछा था,'पिताजी, लग्नेश अगर नीच का हो तो क्या उपाय है?' मैंने हंसकर टाल दिया। दूसरे दिन उसने खुद 'फलदीपिका' खोलकर उपाय बता दिया। तब से लेकर आज तक, योगानंद ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। स्कूल में गणित की कॉपी में जहां बच्चे 2+2 लिखते हैं, वहां योगानंद दशम भाव में गुरु-चांडाल योग की व्याख्या लिखते हैं। खैर यह एक ऐसी बाल प्रतिभा हैं जिन्होंने मात्र 10-11 वर्ष की आयु में ज्योतिष, वास्तु शास्त्र और वैदिक कर्मकांडों में अपनी अद्भुत क्षमता से दुनिया को चकित कर दिया है। आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले का निवासी यह बालक न केवल कुंडली पढ़ता हैं, बल्कि यज्ञ और अन्य वैदिक अनुष्ठानों का भी निरीक्षण करता हैं। यह बालक न केवल प्रतिभा की मिसाल है, बल्कि यह दर्शाता है कि उम्र उसके लिए केवल एक संख्या है। अरिपिराला योगानंद शास्त्री का जन्म आंध्र प्रदेश के गुंटूर में एक सामान्य परिवार में हुआ। उनके पिता, डॉ. अरिपिराला कल्याण शास्त्री, एक सम्मानित व्यक्ति हैं जिन्होंने योगानंद की प्रतिभा को पहचाना और उसे निखारने में सहयोग किया। मात्र पांच वर्ष की आयु में योगानंद ने कुंडली के आधार पर भविष्यवाणी की जटिलताओं में रुचि दिखाई। उनके पिता के अनुसार, योगानंद ने बचपन से ही ज्योतिष के रहस्यों को समझने की कोशिश की। वह घंटों पुराने ग्रंथों को पढ़ते और सवाल पूछते। यह रुचि धीरे-धीरे इतनी गहरी हो गई कि योगानंद ने न केवल ज्योतिष सीखा, बल्कि वास्तु शास्त्र और वैदिक यज्ञों में भी महारथ हासिल कर ली। स्कूली शिक्षा के साथ-साथ, योगानंद ने अपनी पढ़ाई में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा पांच के छात्र होने के बावजूद, वे ज्योतिषीय गणनाओं और वैदिक मंत्रों का सटीक उच्चारण करते हैं, जो वयस्कों के लिए भी चुनौतीपूर्ण होता है। योगानंद शास्त्री की प्रतिभा को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिल चुकी है। 2022 में, मात्र 10 वर्ष की आयु में, उन्हें दो मानद डॉक्टरेट डिग्रियां प्रदान की गई, एक ज्योतिष में और दूसरी वास्तु शास्त्र में। यह सम्मान गोवा में आयोजित एक विशेष समारोह में दिया गया।

-धनंजय राजौरा

समुद्री जीवन के रक्षकः राष्ट्रीय पेंगुइन दिवस का महत्व

हर साल 20 जनवरी को राष्ट्रीय पेंगुइन दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य पेंगुइन प्रजातियों और उनके प्राकृतिक आवासों के संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। यह दिन विशेष रूप से अंटार्कटिका में पेंगुइनों के वार्षिक प्रवास से जुड़ा है, जब वे सर्दियों के बाद अपने प्रजनन और भोजन क्षेत्रों की ओर लौटते हैं। यद्यपि इस दिवस की कोई आधिकारिक वार्षिक थीम नहीं घोषित होती, लेकिन इसका मूल संदेश हमेशा एक ही रहता है-%पेंगुइनों और उनके आवास की रक्षा करें।% पेंगुइन केवल आकर्षक और प्यारे दिखने वाले जीव नहीं हैं, बल्कि छोटे कान, छोटी गर्दन और कॉम्पैक्ट शरीर वाले ये पक्षी पृथ्वी के नाजुक पर्यावरण संतुलन के महत्वपूर्ण प्रहरी माने जाते हैं। समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य के संकेतक जीव होने के कारण पेंगुइनों का संरक्षण समुद्री जीवन के लिए अनिवार्य है। दुनिया भर में पेंगुइन की लगभग 18 प्रजातियाँ पाई जाती हैं, जिनमें से अधिकांश दक्षिणी गोलार्ध और अंटार्कटिका क्षेत्र में रहती हैं, जबकि कुछ प्रजातियाँ गैलापागोस द्वीप, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया के अपेक्षाकृत गर्म क्षेत्रों में भी देखी जाती हैं।

पेंगुइन उड़ नहीं सकते, लेकिन वे उत्कृष्ट तैराक होते हैं और पानी में तेज़ी से गोता लगाकर मछलियाँ पकड़ने में सक्षम हैं। वे जीवनभर एक ही साथी के प्रति वफादार रहते हैं और सामूहिक जीवन शैली अपनाते हैं। हालांकि, जलवायु परिवर्तन के कारण बर्फ के तेजी से पिघलने और समुद्र के तापमान में वृद्धि से उन्हें भोजन ढूंढने, अंडे देने और बच्चों को पालने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। दुनिया भर में पेंगुइनों की संख्या अनुमानित रूप से 2 करोड़ से 5 करोड़ के बीच है, लेकिन गैलापागोस और अफ्रीकी पेंगुइन जैसी कई प्रजातियाँ संकट में हैं और उनकी संख्या घटकर केवल हजारों में रह गई है।

भारत में पेंगुइन प्राकृतिक रूप से नहीं पाए जाते, क्योंकि भारतीय जलवायु उनके प्राकृतिक जीवन के अनुकूल नहीं है। हालांकि, संरक्षण और शिक्षा के उद्देश्य से मुंबई के वीरमाता जीजाबाई भोसले उद्यान और ओडिशा के नंदनकानन प्राणी उद्यान में मुख्यतः हम्बोल्ट पेंगुइन रखे गए हैं। पेंगुइन का काला-सफेद 'टक्सीडो' रंग शिकारियों से बचाव के लिए प्राकृतिक सुरक्षा प्रणाली (काउंटर-शेडिंग) है। इनके पास सुप्राऑर्बिटल ग्रंथि होती है, जो समुद्री पानी का अतिरिक्त नमक शरीर से निकाल देती है। कुछ प्रजातियाँ साथी को आकर्षित करने के लिए चिकना पत्थर भेंट करती हैं, जबकि इनके मुँह में दाँत नहीं होते, लेकिन जीभ और ऊपरी हिस्से में पीछे की ओर मुड़े कँटीले उभार मछली पकड़ने में मदद करते हैं।

जेंटू पेंगुइन लगभग 36 किमी प्रति घंटे की गति से तैर सकते हैं, जबकि एम्परर पेंगुइन लगभग 1,850 फीट गहराई तक गोता लगाकर 20 मिनट तक साँस रोक सकते हैं। पेंगुइन साल में एक बार 'कैटास्ट्रॉफिक मोल्ट' से गुजरते हैं, जब उनके सभी पंख झड़ जाते हैं और वे कई सप्ताह तक भोजन नहीं कर पाते। अत्यधिक ठंड के बावजूद, माइनस 40 डिग्री सेल्सियस तापमान में भी ये जीवित रहते हैं, इसके पीछे उनके घने पंख, प्राकृतिक इंसुलेशन, विशेष ब्लड सर्कुलेशन सिस्टम और सामूहिक हडलिंग बिहेवियर का योगदान है। यहां यदि हम हडलिंग बिहेवियर की बात करें तो पेंगुइन का हडलिंग व्यवहार प्रकृति में टीमवर्क और उत्तरजीविता (सर्वाइवल) का एक बेजोड़ उदाहरण है। जब अंटार्कटिका में तापमान शून्य से काफी नीचे गिर जाता है और बर्फीली हवाएं चलती हैं, तो हजारों एम्परर पेंगुइन एक-दूसरे से सटकर एक विशाल घेरा बना लेते हैं।

इस झुंड के केंद्र में तापमान इतना अधिक बढ़ जाता है कि बाहर की कड़ाके की ठंड के बावजूद अंदर मौजूद पेंगुइन खुद को पसीने जैसी गर्मी में महसूस करते हैं। सबसे दिलचस्प बात यह है कि यह समूह स्थिर नहीं रहता; पेंगुइन बहुत ही धीमी गति से एक लहर की तरह चलते रहते हैं, जिससे बाहर की कतार में खड़े पेंगुइन धीरे-धीरे अंदर की ओर आते हैं और अंदर वाले बाहर की ओर जाते हैं। यह निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चित करती है कि समूह के हर सदस्य को ठंड से बचने के लिए गर्मी मिल सके।

इस सामाजिक तालमेल के बिना, अकेले रहने पर एक पेंगुइन अपनी ऊर्जा बहुत जल्दी खो देता और उसके जीवित रहने की संभावना न के बराबर होती।बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि अंटार्कटिका में केवल एम्परर और एडेली पेंगुइन पाए जाते हैं, जबकि चिनस्ट्रैप, जेंटू और मैकरोनी पेंगुइन अंटार्कटिक प्रायद्वीपीय क्षेत्रों में प्रजनन करते हैं। किंग पेंगुइन उप-अंटार्कटिक द्वीपों में पाए जाते हैं और गैलापागोस पेंगुइन भूमध्य रेखा के पास रहने वाली एकमात्र प्रजाति है।

निष्कर्षतः, राष्ट्रीय पेंगुइन दिवस हमें यह याद दिलाता है कि पेंगुइन जैसे संवेदनशील और अद्भुत पक्षियों का संरक्षण केवल एक प्रजाति की रक्षा नहीं है, बल्कि समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र, जैव-विविधता और पृथ्वी के प्राकृतिक संतुलन को बचाने की वैश्विक जिम्मेदारी भी है।

-सुनील कुमार महला

बौद्धिक प्रदूषण और नशे के विरुद्ध सामाजिक उत्तरदायित्व -21वीं सदी की दो अदृश्य वैश्विक चुनौतियाँ

वैश्विक स्तरपर 21वीं सदी मानव सभ्यता को तकनीक, विज्ञान, स्वास्थ्य, पर्यावरण और शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व ऊँचाइयों तक ले जा रही है, लेकिन इसी प्रगति के समानांतर दुनियाँ दो ऐसी अदृश्य और बढ़ती चुनौतियों से जूझ रही है, जिनका प्रभाव कहीं अधिक व्यापक, गहरा और दीर्घकालिक स्तरपर भविष्य के निर्माता युवाओं पर पड़ रहा है है, वो है बौद्धिक प्रदूषण और नशा जिसके खिलाफ़ समाज की सामूहिक जिम्मेदारी बन गई है।पर्यावरणीय प्रदूषण के समाधान की दिशा में वैश्विक तंत्र,कानून, विज्ञान और तकनीक सतत सुधार के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हवा, पानी, प्लास्टिक, कचरा, औद्योगिक उत्सर्जन और कार्बन फुटप्रिंट को नियंत्रित करने के लिए नीतियाँ, शोध, संस्थान और संसाधन मौजूद हैं, लेकिन बौद्धिक प्रदूषण और नशे के विरुद्ध सामाजिक उत्तरदायित्व उतनी तेजी और सटीकता से नहीं बन पा रहा है। जब प्रश्न मानव चेतना, विचार, मूल्य और मानसिकता के प्रदूषण का हो,तो समाधान पारंपरिक नहीं रह जाता, बल्कि वह नैतिक, बौद्धिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक हस्तक्षेपों पर आधारित हो जाता है। यही कारण है कि बौद्धिक प्रदूषण किसी भी सभ्यता को भीतर से कमजोर करने वाला सबसे खतरनाक अदृश्य स्मॉग बन चुका है, जिसकी तुलना किसी भी भौतिक प्रदूषण से नहीं की जा सकती।इसी प्रकार नशा आज केवल स्वास्थ्य का संकट नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, सुरक्षा, जनसंख्या, परिवार, शिक्षा, अपराध, मानव संसाधन और राष्ट्रीय विकास से जुड़ेबहुआयामी संकट का रूप ले चुका है। यह सोचना कि नशाखोरी रोकना केवल पुलिस, कानून या दंड व्यवस्था की जिम्मेदारी है, एक गलत और सीमित दृष्टिकोण है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार नशे के बढ़ते मामलों में 70 प्रतिशत जड़ें सामाजिक व्यवहार, वातावरण,परिवार, सांस्कृतिक प्रभाव और मानसिक तनाव से जुड़ी होती हैं, जबकि कानून केवल अंतिम चरण में हस्तक्षेप करता है। इसलिए नशे के खिलाफ लड़ाई वास्तव में समाज,परिवार शिक्षा तंत्र, स्वास्थ्य संस्थान, मीडिया, धार्मिक-सांस्कृतिक समुदायों और शासन प्रणाली इन सभी का संयुक्त युद्ध है।

साथियों बात अगर हम बौद्धिक प्रदूषण एक अदृश्य खतरा और वैश्विक संकट है इसको समझने की करें तो बौद्धिक प्रदूषण को सरल शब्दों में परिभाषित किया जाए तो यह वह स्थिति है जब मनुष्य की सोच, समझ, विवेक, निर्णय-क्षमता और नैतिक चेतना गलत,भ्रमित, पक्षपातपूर्ण उग्र, हिंसक, असत्य या दुष्प्रभावित विचारों से प्रभावित हो जाती है। यह प्रदूषण किसी फैक्ट्री के धुएँ या वाहन के धुएँ की तरह दिखाई नहीं देता, लेकिन इसका नुकसान किसी भी वायु प्रदूषण से बड़ा हो सकता है, क्योंकि यह व्यक्ति को विचारों, धारणाओं और सूचनाओं के भ्रमजाल में फँसा कर उसकी तार्किक क्षमता और सामाजिक चेतना को नष्ट कर देता है। फेक न्यूज, नफरत आधारित प्रचार, कट्टर राष्ट्रवाद, उग्रवाद, नस्लीय विभाजन, षड्यंत्र,धार्मिक उन्माद, डिजिटल हेरफेर, गलत सूचना, दुष्प्रचार, हेट स्पीच और सोशल मीडिया एलगोरिद्म के माध्यम से फैलने वाला भ्रम,आज दुनियाँ भर के देशों में बौद्धिक प्रदूषण के मुख्य स्रोत बन चुके हैं।तकनीक और ज्ञान की उपलब्धता जितनी तेज़ी से बढ़ी है, उतनी ही तेजी से मानव मन की ग्रहणशीलता पर अनियंत्रित सूचनाओं का बोझ बढ़ा है। इंटरनेट ने सूचना को लोकतांत्रिक बनाया, लेकिन उसी ने अज्ञान को भी संस्थागत रूप दे दिया। अब सत्य और असत्य में फर्क करना एक आम नागरिक के लिए पहले से कहीं अधिक कठिन हो गया है। यह बौद्धिक धुंध न केवल व्यक्ति के विवेक को प्रभावित करती है, बल्कि लोकतंत्र, सामाजिक सद्भाव, शिक्षा, वैज्ञानिक सोच और मानवीय मूल्यों को भी कमजोर करती है। इतिहास गवाह है कि सभ्यताएँ बाहरी हमलों से कम, आंतरिक भ्रम, विभाजन, गलत विचारधारा और मानसिकप्रदूषण से अधिक टूटती हैं। इसी कारण बौद्धिक प्रदूषण मानवता के लिए एक साइलेंट ग्लोबल पैंडेमिक बनकर उभरा है। साथियों बात अगर हम क्या बौद्धिक प्रदूषण का समाधान संभव है? इसको समझने की करें तो, भौतिक प्रदूषण के समाधान स्पष्ट हैं, फिल्टर, रिसाइक्लिंग प्रतिबंध, तकनीक, कानून और स्वच्छ ऊर्जा। लेकिन बौद्धिक प्रदूषण का समाधान विज्ञान नहीं, बल्कि चेतना, शिक्षा, नैतिकता, संवाद, मीडिया जिम्मेदारी और सामाजिक संरचना के सुधार में निहित है। यह प्रदूषण तब पनपता है जब समाज तर्क की जगह अंधानुकरण को अपनाता है,जब शिक्षा ज्ञान की जगह अंकों पर आधारित हो जाती है, जब मीडिया सूचना की जगह सनसनी को बेचने लगता है,और जब तकनीक सत्य की जगह भ्रम को अधिक प्रोत्साहित करती है। इसलिए समाधान बहुस्तरीय होना चाहिए, समालोचनात्मक सोच पर आधारित शिक्षा, डिजिटल साक्षरता, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, तथ्य-आधारित संवाद, मीडिया पारदर्शिता, सामाजिक संवाद, युवा नेतृत्व और बहु सांस्कृतिक सम्मान की संस्कृति। बौद्धिक प्रदूषण को किसी एक संस्था, कानून या सरकार द्वारा नियंत्रित नहीं किया जा सकता, क्योंकि यह एक मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक चुनौती है। यह समाधान तभी संभव है जब वैश्विक समाज सत्य को मूल्य के रूप में स्वीकार करे, संवाद को संघर्ष से ऊपर रखे और शिक्षा को नौकरी नहीं बल्कि चेतना- निर्माण का माध्यम समझे।

-डॉ. सुधाकर आशावादी

आइकॉनिक कैटेगरी लीडर ब्लेंडर्स प्राइड ने ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन के लॉन्च की घोषणा की

सिर्फ़ दस लाख बोतलों का लिमिटेड रिलीज़, जहाँ बोल्ड ब्लैक डिज़ाइन और आइकॉनिक हेरिटेज मिलकर प्रीमियम व्हिस्की एक्सीलेंस को नया रूप देती है भारत के प्रीमियम व्हिस्की सेगमेंट में अग्रणी ब्रांड ब्लेंडर्स प्राइड ने ब्लेंडर्स प्राइड ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन के लॉन्च की घोषणा की है। यह एक लिमिटेड-एडिशन पेशकश है, जो बोल्ड ब्लैक सौंदर्य को ब्लेंडर्स प्राइड के आइकॉनिक ब्लेंड के साथ जोड़कर एक वास्तव में विशिष्ट अनुभव प्रस्तुत करती है।

ऊँचे स्तर की लग्ज़री और विशिष्टता को दर्शाने वाले आकर्षक ब्लैक डिज़ाइन में पैक किया गया ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन चुनिंदा व्हिस्की प्रेमियों के लिए बारीकी से तैयार किया गया है—वन इन अ मिलियन के लिए। केवल दस लाख बोतलों की उपलब्धता के साथ, यह एडिशन जितना रेयर है उतना ही रिफाइंड भी है।

लग्ज़री की दुनिया में ब्लैक सिर्फ़ एक रंग से कहीं अधिक है—यह एक एटीट्यूड, सोफिस्टिकेशन और पॉवर का प्रतीक है। लंबे समय से ब्लेंडर्स प्राइड से जुड़ा ब्लैक अब एक इनोवेटिव डिज़ाइन एक्सप्रेशन के रूप में केंद्र में आता है, जो प्रीमियम व्हिस्की के मानकों को रिडिफाइन करता है। यह केवल नई पैकेजिंग नहीं है; यह उन लोगों के लिए स्टाइल की एक बोल्ड एक्सप्रेशन है जो ट्रेंड्स का पीछा नहीं करते बल्कि उन्हें बनाते हैं।

पर्नोड रिकार्ड इंडिया की सीएमओ, देबाश्री दासगुप्ता ने कहा, ÷ब्लेंडर्स प्राइड भारत में प्रीमियम व्हिस्की के मानकों को लगातार नया रूप देता रहा है। ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन का लॉन्च ब्रांड का अब तक का सबसे रिफाइंड एक्सप्रेशन है—एक ऐसा इवोल्युशन जो इसकी स्थायी विरासत को एक बोल्ड नई डिज़ाइन लैंग्वेज में बदलता है। इस वर्ष, ब्लेंडर्स प्राइड अपने मूल मूल्यों को एक ऐसे सौंदर्य के माध्यम से जीवंत कर रहा है जो आकांक्षा, विशिष्टता और कारीगरी का उत्सव मनाता है। केवल दस लाख बोतलों तक सीमित ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन उन व्यक्तियों के लिए बनाया गया है जो केवल उत्कृष्टता की प्रशंसा नहीं करते—वे उसे जीते हैं।

ब्लेंडर्स प्राइड ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन उन लोगों के लिए तैयार किया गया है जो असाधारण की तलाश में रहते हैं—यह एक उन्नत अनुभव है, जो बिना किसी समझौते की गुणवत्ता को किसी सचमुच विशेष चीज़ के स्वामित्व की विशिष्टता के साथ जोड़ता है। पैन-इंडिया लॉन्च की योजना के तहत, ब्लेंडर्स प्राइड ज़ेनिथ ब्लैक एडिशन फिलहाल केवल चुनिंदा एक्सक्लूसिव स्टोर्स में उपलब्ध है।

महाकुंभ के लिए शुरू हुई प्रक्रिया, फोरलेन और बड़े पुल के निर्माण की तैयारियां शुरू

जून 2027 तक करना है फोरलेन का पूरा निर्माण, स्वीकृति के लिए भेजी बड़े पुल की डिजाईन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष 2028 में जिला मुख्यालय से करीब 65 किमी दूर उज्जैन में महाकुंभ का आयोजन होगा। इसके लिए उज्जैन सहित इंदौर और आसपास के जिलों में तैयारियां शुरू हो गई है। तो जिला मुख्यालय पर भी अब फोरलेन निर्माण और बड़े पुल का निर्माण किया जाना है, जिसके लिए तैयारियां शुरू हो गई है। अधिकारियों ने बड़े पुल की डिजाईन को स्वीकृति के लिए भेज दिया है। वहीं जून 2027 में फोरलेन का निर्माण भी पूरा कर लिया जाएगा।

नगर के बीच से निकले हाइवे के फोरलेन निर्माण कार्य प्रगति पर है। इस मार्ग पर मां राजराजेश्वरी मंदिर के समीप चीलर नदी पर उच्च स्तरीय बड़े पुल का निर्माण किया जाना है। ऐसे में यहां बनने वाले बड़े पुल के डिजाइन को स्वीकृति के लिए भेजा गया है। डिजाइन स्वीकृत होने के पश्चात इसका काम आगे बढ़ाया जाएगा। बताया गया कि जून 2027 तक फोरलेन को पूरा करने के लिए समय-सीमा तय की गई है। दरअसल यहां बायपास का निर्माण होने के बाद शहरी हाइवे (जिला मुख्य सड़क) को फोरलेन करने के लिए पीडब्ल्यूडी द्वारा भेजे गए प्रस्ताव पर स्वीकृति मिलने के बाद 84.71 करोड़ रुपए की लागत से पूरे नगर के बीच से निकली जिला मुख्य सड़क के 10 किमी मार्ग को फोरलेन निर्माण जारी है। जिससे यहां पर यातायात का दबाव कम होगा। सबसे पहले निर्माण एजेंसी द्वारा रोड की साइड क्लिरियंस का कार्य किया गया। जहां भी झाडियां थी उन्हें हटाकर रास्ता साफ किया गया। इसके साथ ही इन स्थानों को समतल भी किया जा रहा है। जिससे मार्ग निर्माण में किसी प्रकार की बाधा नहीं आए। इधर निर्माण एजेंसी द्वारा कोतवाली थाने के समीप और कृषि उपज मंडी के समीप दो पुलिया का भी निर्माण किया जाएगा। इसके लिए दोनों स्थानों पर वैकल्पिक मार्ग का निर्माण किया जाकर दोनों पुलियाओं का काम प्रारंभ किया गया है। इधर मां राजराजेश्वरी माता मंदिर के पास स्थित पुल के स्थान पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण किया जाना है। वैसे तो अभी तक इसका काम आगे नहीं बढ़ा है। अधिकारियों का कहना है कि बड़े पुल के निर्माण के लिए अलग से स्वीकृति लेना होती है। ऐसे में स्वीकृति के लिए नया डिजाइन भेजा गया है। स्वीकृति मिलते ही कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

यथावत रहेंगे पुराने डिवाइडर, पूरे मार्ग पर होगा निर्माण- हाइवे पर वर्तमान में जो डिवाइडर बने हुए हैं उन्हें यथावत रखा जाएगा। इसके साथ ही पूरे 10 किमी के फोरलेन मार्ग के बीच में भी मिडियम डिवाइडर बनाएं जाएंगे। इन डिवाडर के बीच में पौधों का रोपण किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार फोरलेन का निर्माण बड़े शहरों के फोरलेन की तरह ही किया जाएगा। इसके बीच में पौधे भी बड़े शहरों की तर्ज पर ही लगाए जाएंगे।

104 फीट चौड़ा होगा फोरलेन

अधिकारियों के अनुसार जिला मुख्य सड़क के पूरे फोरलेन निर्माण में मार्ग की चौड़ाई को 104 फीट ही रखा जाएगा। इसे कम या ज्यादा बिल्कुल नहीं किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने दोनों ओर 52-52 फीट पर निशान लगाए है। इस जद में जो भी अतिक्रमण या निर्माण है उन्हें हटाया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार पूरे फोरलेन का निर्माण 104 फीट की चौड़ाई से ही होगा। इसके लिए 18 माह की समयावधि तय की गई हैं। इसके अनुसार संबंधित निर्माण एजेंसी को इस फोरलेन का संपूर्ण निर्माण जून-2027 तक पूर्ण किया जाना हैं। बताया गया कि उज्जैन में सिंहस्थ के पहले इस मार्ग का पूर्ण निर्माण किया जाएगा।

इनका कहना है- मां राजराजेश्वरी मंदिर के पास स्थित पुल बड़ा स्ट्रक्चर है। इसकी डिजाइन का अप्रूवल वरिष्ठ स्तर पर लेना होगा। इसके लिए रिपोर्ट तैयार करके भेजी गई हैं। जल्द ही इस पुल का निर्माण कार्य प्रारंभ होगा। पूरे फोरलेन की चौड़ाई 104 फीट ही रखी जाएगी। इसके कम या ज्यादा नहीं किया जाएगा।

- हर्षवर्द्धनसिंह मुवेल, ईई, पीडब्ल्यूडी-शाजापुर

कलेक्टर के निर्देश पर अधिकारी एवं तकनीकी अमला घर-घर जाकर कर रहा है जल गुणवत्ता का परीक्षण

ग्रामवासियों को किया जा रहा है जल गुणवत्ता के प्रति जागरूक

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में आमजन को शुद्ध, सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल की सतत उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जल निगम के अधिकारियों एवं तकनीकी अमले द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर फील्ड टेस्टिंग किट के माध्यम से जल की गुणवत्ता का परीक्षण किया जा रहा है। इसके साथ ही अधिकारियों द्वारा स्थानीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ ही ग्रामवासियों को फील्ड टेस्टिंग किट के उपयोग की प्रक्रिया भी समझाई जा रही है और उन्हें जल गुणवत्ता से जुड़ी आवश्यक जानकारियां देकर जागरूक किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणजन स्वयं भी समय-समय पर अपने पेयजल की गुणवत्ता की जांच कर सकें और किसी भी प्रकार की समस्या होने पर तुरंत सतर्कता बरत सकें।

इसी क्रम में मरदानपुर ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना एवं नीलकंठ-भैरूंदा ग्रामीण समूह जल प्रदाय योजना के अंतर्गत संबंधित अधिकारियों एवं विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न स्थानों से लिए गए पेयजल नमूनों की फील्ड टेस्टिंग किट के माध्यम से जांच की गई।

जल निगम की अधिकारी श्रीमती मनेंद्र कटियार ने बताया कि जांच के दौरान पानी के प्रमुख और आवश्यक मानकों जैसे रंग, पीएच मान, फ्री क्लोरीन सहित अन्य स्वास्थ्य से जुड़े मापदंडों की बारीकी से जांच की गई, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि ग्रामीणों को उपलब्ध कराया जा रहा पेयजल निर्धारित मानकों के अनुरूप है या नहीं। जांच प्रक्रिया के दौरान ग्रामवासियों को यह भी समझाया गया कि जल में रंग, गंध या स्वाद में किसी भी प्रकार का परिवर्तन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है और ऐसी स्थिति में तत्काल संबंधित विभाग को सूचना देना आवश्यक है।

उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री बालागुरू के. द्वारा जिले के सभी संबंधित अधिकारियों को नियमित रूप से फील्ड निरीक्षण करने, जल स्त्रोतों की निरंतर निगरानी रखने तथा पेयजल गुणवत्ता की समय-समय पर जांच सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।

दिन में चुभी धूप, शाम को हवाओं ने कंपकपाया

दिन का घटा रात का 14 डिग्री पहुंचा तापमान

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार को नगरवासियों को गर्मी और सर्दी दोनो का एहसास हुआ। दिन में खिली धूप से लोगों के पसीने छूट गए तो शाम को फिर सर्दी ने लोगों को जकड़ लिया। जबकि इस दिन न्यूनतम तापमान 14 डिग्री से अधिक पहुंच गया। इसके बावजूद सर्द हवाओं ने लोगों को कंपकंपा दिया।

शनिवार को नगर का अधिकतम तापमान 29.8 था जो रविवार को 28.8 दर्ज किया गया। जबकि न्यूनतम तापमान 8.4 से बढ़कर 14.7 डिग्री पहुंच गया। उम्मीद थी कि दिन के तापमान में भी बढ़ोत्तरी होगी। लेकिन सर्द हवाओं के चलते लोगों को गर्मी के साथ-साथ सर्दी का भी सामना करना पड़ा और तापमान बढ़ने के बजाए कम हो गया। इस दिन आसमान पर बादल भी छाए लेकिन सर्द हवाओं ने सर्दी से राहत में रोड़ा बनकर लोगों को ठिठुरने पर मजबूर कर दिया और पूरे दिन 14 किमी की रफ्तार से उत्तर-पश्चिमी हवाओं ने डेरा डाले रखा।

बारिश की नहीं संभावना, बढ़ेगा तापमान- मौसम विशेषज्ञ सत्येंद्र धनोतिया ने बताया कि आगामी दिनों में आसमान पर बादलों का पहरा रहेगा, लेकिन बारिश की कोई संभावना नहीं है। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में तापमान में वृद्धि होगी और वातावरण से धीरे-धीरे सर्दी गायब हो जाएगी। इसके बाद तापमान मे लगातार बढ़ोत्तरी का दौर जारी रहेगा।

कभी राहत, कभी बनी आफत- रविवार को आसमान पर बादलों के साथ-साथ सूरज का भी पहरा रहा। हवाएं चलने के कारण कभी आसमान साफ हुआ तो कभी सूरज छुप गया। जिसके चलते लोगों को धूप से राहत भी मिल रही थी तो कभी धूप से चुभन भी हो रही थी। हालांकि मौसम विभाग ने आगामी दिनों में मौसम साफ होने से सर्दी से राहत मिलने की संभावना जताई है।

सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज़ ने चिमनाबाई स्कूल को दी 1000 एलएचपी की आरओ प्लांट, 300 फर्नीचर एवं 10 डिजिटल पैनल की बड़ी सौगात

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड देवास ने सामाजिक दायित्वों के अंतर्गत चिमनाबाई कन्या हायर सेकंडरी स्कूल में स्मार्ट क्लास हेतु दस अत्याधुनिक डिजिटल पैनल एवं एक हजार लीटर क्षमता के एक बड़े आरओ प्लस यूवी प्लांट व तीन सौ सेट फर्नीचर की सौगात दी है। चिमनाबाई स्कूल को प्राप्त सुविधाओं के लोकार्पण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नगर निगम कमिश्नर दीलीप कुमार ने फीता काटकर प्रदत्त सुविधाओं का शुभारंभ किया । उन्होंने सन फार्मास्यूटिकल लिमिटेड कंपनी व उससे जुड़े एनजीओ (आसरा सामाजिक लोक कल्याण समिति) की प्रशंसा करते हुए इसे सामाजिक दायित्वों के निर्वहन (सीएसआर) का श्रेष्ठ उदाहरण बताया ।

कंपनी के सीएसआर प्रभारी शेख निसार ने इसे शुरुआत बताते हुए कहा कि इस कन्या विद्यालय अत्याधुनिक बनाने के लिए हमारे द्वारा और भी योजनाएं तैयार की जा रही है। आसरा एनजीओ के शैलेश श्रीवास्तव ने इस कार्य की तुलना कन्या पूजन से की। उल्लेखनीय है कि इसके अतिरिक्त कंपनी के माध्यम से छात्राओं का स्वास्थ्य केम्प भी आयोजित किया गया था ।जिसमे नेत्र परीक्षक, त्वचा रोग, स्त्री रोग, दंत रोग विशेषज्ञों ने दो दिनों तक छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया था।

उक्त अत्याधुनिक सुविधाओं से 1608 छात्राएं लाभान्वित हो रही है। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी, जिला शिक्षा अधिकारी हरिसिंह भारती, अजय मिश्रा डीपीसी एवं सीएसआर नोडल,सनफार्मा फायनेंस हेड निर्मल राउत राय, एडमिन हेड सूरज सिंह राठौर ,फाइनेंस टीम से सुरभि जायसवाल, भूमिका दलाल , बीआरसी किशोर वर्मा , मिशन अंकुर मुकेश तिवारी उपस्थित रहें। अतिथियों का स्वागत संस्था प्राचार्य एवं शिक्षकों द्वारा किया गया।कार्यक्रम का संचालन संजय जोशी ने किया एवं आभार संस्था प्राचार्य राजू सातपुते ने माना। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ व बड़ी संख्या में छात्राएं उपस्थित थी।

धर्मेंद्र जोशी जिलाध्यक्ष निर्वाचित

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। 18 जनवरी रविवार को स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर भोंसले कालोनी में देश के सबसे बड़े मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठन मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ जिला देवास इकाई का निर्वाचन संपन्न हुआ। कार्यक्रम के अतिथि डॉक्टर विष्णु वर्मा राष्ट्रीय संगठनमंत्री, संजय शर्मा राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष, मुकेश चौधरी प्रदेश संयोजक मंडी प्रकोष्ठ, सहज सरकार प्रदेश मंत्री एवं राजेश वर्मा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य थे। निर्वाचन में प्रांत से नियुक्त निर्वाचन अधिकारीगण मनोहर गिरी प्रांतीय संगठन मंत्री तथा मांगीलाल पाटीदार संभागीय अध्यक्ष ने बताया कि जिला इकाई के निर्वाचन में संघ की समस्त ब्लॉक/तहसील के निर्वाचित प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिला इकाई हेतु एक ही पैनल प्राप्त होने पर निर्वाचन अधिकारी ने विभिन्न पदों हेतु पदाधिकारियों की घोषणा की जिसमें अध्यक्ष धर्मेंद्र जोशी, कार्यकारी अध्यक्ष राममूर्ति बिलावलिया,उपाध्यक्ष अशोक शर्मा, बालकृष्ण यादव, दशरथसिंह सेंधव, धर्मेंद्र पाटीदार, दिनेश जिनवाल, आनंद गोखे, आनंद यादव, प्रतिभा सिसोदिया, पुष्पा भारती, सचिव रविन्द्रपालसिंह तंवर,सहसचिव राजेश व्यास, सुशील परमार, अनुज जायसवाल, शकुंतला मालवीय, प्रिया शर्मा,कोषाध्यक्ष दिनेश कुमावत,संगठनमंत्री पंकज वर्मा,

सड़क हादसे में 11 माह पहले हुई थी युवक की मौत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। नागनागनी रोड निवासी एक युवक की बाईक को एक अन्य बाईक सवार ने टक्कर मार दी थी। इस हादसे में युवक गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल पहुंचा था, जहां उसकी मौत हो गई थी। इस पर न्यायालय ने 43 लाख 33 हजार रू. की क्षतिपूर्ति राशि स्वीकृत की है। अभिभाषक कमल कुमार पाटीदार एवं अभिभाषक जावेद पठान बेरछा ने बताया कि जिला मुख्यालय स्थित नागनागनी रोड निवासी अविनाश वर्मा 06 फरवरी 2025 को अपनी मोटर साईकल से ग्राम नैनावद स्थित मनोरमा गार्डन जा रहा था। लखुदर ब्रिज पर शाम करीब 5 बजे शाजापुर की ओर से आ रहे एक बाईक सवार ने अविनाश की बाईक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में अविनाश वर्मा गंभीर रूप से घायल हो गया और उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। दुर्घटना की रिपोर्ट थाना तराना मे पंजीबद्द हुई है। मृतक अविनाश पिता मोहन वर्मा (41) निवासी नाग नागनी रोड शाजापुर की मृत्यु पर उनके परिजनो द्वारा शाजापुर न्यायालय मे दुर्घटना दावा प्रस्तुत किया गया, जहां सुनवाई के पश्चात द्वितीय एमएसीटी महोदय शाजापुर ने 13 जनवरी 2026 को क्षतिपूर्ति स्वरूप 43 लाख 33 हजार रूपये क्षतिपूर्ति राशि दिए जाने के आदेश दिए हैं।

आरसेटी में संचालित दो-पहिया वाहन रिपेयरिंग प्रशिक्षण अंतर्गत प्रशिक्षणार्थियों को मार्केट सर्वे एवं फील्ड विजिट कराया

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। बैंक ऑफ इंडिया ग्रामीण स्व-रोजगार प्रशिक्षण संस्थान शाजापुर में संचालित दो-पहिया वाहन रिपेयरिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत आज प्रशिक्षणार्थियों को मार्केट सर्वे एवं फील्ड विजिट करवाया गया। इस फील्ड विजिट का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थियों को बाजार की वास्तविक स्थिति, ग्राहक की जरूरतों, स्पेयर पार्ट्स की जानकारी तथा दो-पहिया वाहन रिपेयरिंग व्यवसाय की व्यावहारिक समझ प्रदान करना रहा। फील्ड विजिट के दौरान संस्थान के संकाय सदस्य श्री जितेंद्र कुमार विश्वकर्मा, श्री राजेश परमार एवं ट्रेनर श्री माणक लाल उपस्थित रहे। सभी ने प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी जानकारी के साथ-साथ स्वरोजगार से जुड़े महत्वपूर्ण सुझाव दिए। उल्लेखनीय है कि यह प्रशिक्षण 25 दिसंबर 2026 से प्रारंभ होकर 23 जनवरी 2026 तक संचालित किया जा रहा है, जिसका समापन 23 जनवरी 2026 को किया जाएगा। प्रशिक्षणार्थियों ने इस पहल को अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उन्हें भविष्य में स्वयं का रोजगार शुरू करने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

हजारों लोगों ने एकत्रित होकर दिया एक पंगत एक संगत का संदेश

केशव बस्ती में हुआ हिंदू सम्मेलन का आयोजन, 3300 हिंदुओं ने परिवार सहित की सहभागिता

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। केशव बस्ती की श्री काशी विश्वनाथ हिंदू सम्मेलन समिति के द्वारा काशीनगर स्थित निजी गार्डन में गरिमामय वातावरण में आयोजित किया गया। जिसमें हजारों लोगों ने एक साथ सम्मिलित होकर एक पंगत एक संगत का संदेश दिया। कार्यक्रम में करीब 3300 हिंदुओं ने परिवार सहित सहभागिता कर समरसता का भोजन ग्रहण किया।

कार्यक्रम में मातृशक्ति के रूप में कवियित्री संतोष शर्मा उपस्थित थी। जबकि मुख्य अतिथि होशंगाबाद गुरूकुल के उप आचार्य मोहन आर्य 'क्षुतबंधु' रहे। जबकि मुख्य वक्ता स्वयं सेवक संघ के मालवा प्रांत के प्रांत सह कार्यवाह व व्यवसायी श्रीनाथजी गुप्ता उपस्थित थे। आयोजन की शुरूआत श्री गणेश वंदना व बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुति के साथ हुई। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के बाद भारत माता का पूजन अतिथियों द्वारा विधिवत रूप से किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आचार्य मोहन जी आर्य ने समाज और राष्ट निर्माण के लिए आवश्यक पांच नियमों का उल्लेख करते हुए कहा कि जब तक व्यक्ति अपने जीवन में अनुशासन, सेवा और संस्कारों को नहीं अपनाता, तब तक सशक्त समाज का निर्माण संभव नहीं है। उन्होंने हिंदू समाज को संगठित रहकर राष्ट्रहित में कार्य करने का आह्वान किया। मुख्य वक्ता श्रीनाथजी गुप्ता ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर संघ की यात्रा, उद्देश्य और कार्यशैली पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शताब्दी वर्ष में संघ का लक्ष्य अखंड भारत और समरस समाज की स्थापना की दिशा में अधिक सशक्त प्रयास करना है। उन्होंने ÷एक पंगत, एक संगत÷ के विचार को सामाजिक समरसता की मजबूत नींव बताया। सम्मेलन में समाज के सभी वर्गों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। अंत में कार्यक्रम समिति के संयोजक अवधेश शेषा ने सम्मेलन की सफलता के लिए सभी अतिथियों, कार्यकर्ताओं, मातृशक्ति एवं उपस्थित जनसमूह का आभार व्यक्त किया।

जिले भर में हो रहे विराट हिन्दू सम्मेलन

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। आरएसएस के शताब्दी वर्ष के अवसर पर मक्सी, शाजापुर और मोहन बड़ोदिया में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य हिंदू समाज में एकता, भाईचारे और सामाजिक समरसता को मजबूत करना रहा।

रविवार को सम्मेलन के दौरान एक विशाल पंडाल में सभी जाति और वर्ग के लोगों ने एक साथ बैठकर समरसता महाभोज में भाग लिया। सभी ने एक ही पंक्ति में बैठकर, एक ही थाली में भोजन किया। इस आयोजन के जरिए समाज में जातिगत भेदभाव को खत्म करने और समानता का संदेश दिया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए साध्वी हेमलता दीदी, लोकेंद्र शर्मा और ऊषा पाटीदार ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि हिंदू समाज की ताकत उसकी एकता में है।

उन्होंने बताया कि संघ का शताब्दी वर्ष समाज को जोड़ने और इसे जनांदोलन का रूप देने का संकल्प है। मंच से समाज में भाईचारा, देशभक्ति और सांस्कृतिक जागरूकता का संदेश दिया गया। सम्मेलन का मुख्य आकर्षण समरसता महाभोज रहा। इसमें किसी तरह का भेदभाव नहीं रखा गया। सभी लोग एक साथ बैठे और भोजन किया। इससे सामाजिक समानता और आपसी सम्मान का भाव देखने को मिला।

बड़ी संख्या में लोगों की भागीदारी- कार्यक्रम में महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। इससे क्षेत्र में हिंदू समाज के बीच बढ़ती जागरूकता और सहभागिता देखने को मिली। आयोजकों ने कहा कि संघ का शताब्दी वर्ष हिंदू समाज को जोड़ने और मजबूत बनाने का अवसर है। इस दौरान राधेश्याम पाटीदार और मनोज भावसार ने भी अपने विचार रखे और समाज में एकता बनाए रखने की अपील की।

बालक-बालिका में शुजालपुर, बालक वर्ग में शाजापुर रहा विजेता

शाजापुर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। माह जनवरी 2026 मे प्रस्तावित खेलो.एम.पी. यूथ गेम्स 2026 अंतर्गत कलेक्टर ऋजु बाफना एवं पुलिस अधीक्षक यशपालसिंह राजपूत के मार्गदर्शन में विकासखण्ड स्तर पर चयन स्पर्धा एवं जिला स्तर पर खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बालक-बालिका वर्ग में ओवर ऑल शुजालपुर की टीम विजेता रही। वहीं बालक वर्ग में शाजापुर विजेता रहा।

समापन समारोह एवं पुरूस्कार वितरण में मुख्य अतिथि के रूप में विधायक अरूण भीमावद, पं. आशीष नागर, अपर कलेक्टर बीएस. सोलंकी, एएसपी घनश्याम मालवीय उपस्थित थे। जिला स्तरीय प्रतियोगिता में विजेता खिलाडियो एवं टीमो को मुख्य अतिथि द्वारा मेडल, ट्राफी, प्रमाण-पत्रो का वितरण किया गया एवं खेलो एम.पी. यूथ गेम्स के अंतर्गत होने वाली अन्य प्रतियोगिताओ के लिए शुभकामना दी। जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी रविन्द्र हार्डिया ने बताया कि खेलो एम.पी. यूथ गेम्स अंतर्गत जिलास्तरीय प्रतियोगिता 17 से 18 जनवरी को जिला मुख्यालय पर विभिन्न खेल मेदानो पर कबड़डी, वालीवाल, फुटबाल, हाकी खो-खो, रस्साकसी, पिटटू, क्रिकेट, ऐथलेक्टिस, कुश्ती, बाूक्सिंग, जूडो, बैडमिंटन, मलखंब, टेनिस, वेटलिफ्टिंग, टेबल टेनिस, योगासन, तैराकी, शतरंज, बालक एवं बालिका वर्ग में अवर आल शुजालपुर विजेता एवं बालक वर्ग में अवर ऑल शाजापुर विजेता रहा। प्रतियोगिता को सफल बनाने में जिला एवं विकासखण्डो से आए प्रशिक्षको ने सहयोग प्रदान किया।

राष्ट्रीय पचीसी गेम चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश टीम का शानदार प्रदर्शन

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश पचीसी गेम एसोसिएशन के सचिव कपिल व्यास ने जानकारी देते हुए बताया कि चंडीगढ़ के सेक्टर 7 बी स्थित आर्य समाज भवन में 16 से 18 जनवरी 2026 तक आयोजित द्वितीय राष्ट्रीय पचीसी गेम चैंपियनशिप में मध्यप्रदेश की टीम ने विभिन्न वर्गों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल हासिल किए। यह राष्ट्रीय प्रतियोगिता पचीसी गेम फेडरेशन ऑफ इंडिया एवं चंडीगढ़ पचीसी गेम एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की गई, जिसमें देशभर के विभिन्न राज्यों से खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश से कुल 12 खिलाड़ियों ने सहभागिता कर प्रदेश का प्रतिनिधित्व किया। पचीसी खेल, जो कि भारत का एक प्राचीन एवं पूर्व राष्ट्रीय खेल रहा है तथा जिसे पौराणिक मान्यताओं के अनुसार भगवान शिव-पार्वती द्वारा खेले जाने वाला खेल माना जाता है, आज पुनः राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहा है। यह खेल दो खिलाड़ियों की टीम द्वारा खेला जाता है और रणनीति, धैर्य एवं समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। प्रतियोगिता में सीनियर पुरुष वर्ग में कपिल एवं शिवनारायण,सीनियर महिला वर्ग में करिश्मा सोलंकी एवं रौशनी चौधरी,सब-जूनियर बालक वर्ग में राजवीर मालवीय एवं हर्ष वर्धन पांडे ने सिल्वर मेडल प्राप्त कर मध्यप्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया।

इसके अतिरिक्त टीम में जानवी देवड़ा, दुर्गा यादव, संजना अहिरवार, दर्शाना बड़ोदिया, कुलदीप बरैठा एवं यश पटेल ने भी उत्कृष्ट खेल प्रदर्शन किया।

मध्यप्रदेश टीम के कोच शिव प्रजापत एवं मैनेजर करिश्मा सोलंकी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। उनके मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने अनुशासन, टीमवर्क एवं खेल भावना का बेहतरीन परिचय दिया। टीम की इस शानदार उपलब्धि पर आभा फाउंडेशन से ऋतु व्यास, विवेक वंजारे, इंडियन आर्मी से अमन वंजारे सहित खेल प्रेमियों एवं खिलाड़ियों के परिजनों ने हर्ष व्यक्त करते हुए सभी विजेता खिलाड़ियों को शुभकामनाएँ दीं। उक्त जानकारी विवेक बंजारे ने दी ।

ग्राम उदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश, जन जन के लिए कार्य करता है जन अभियान परिषद

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया अभियान के अंतर्गत विकासखंड शाजापुर में विकासखंड स्तरीय ग्रामोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सामाजिक, पर्यावरणीय एवं स्वदेशी विचारधारा से जुड़े विषयों पर सारगर्भित उद्बोधन प्रस्तुत किए गए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में सुश्री कोमल दीदी (विवेकानंद केंद्र, उज्जैन), श्री कैलाश जी यादव (जिला संपर्क प्रमुख एवं अध्यक्ष बार एसोसिएशन शुजालपुर), श्री राहुल विश्वकर्मा (विभाग प्रमुख, स्वदेशी जागरण मंच), श्री मूलचंद जी (जिला पर्यावरण प्रमुख), श्रीमती गायत्री वर्मा एवं श्री दिलीप जी चौधरी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की रूपरेखा ब्लॉक समन्वयक श्री बसंत रावत द्वारा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया।

कार्यक्रम के दौरान स्वदेशी शपथ दिलाई गई तथा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों को प्रमाणपत्र वितरित कर सम्मानित किया गया।

उद्बोधन क्रम में श्री मूलचंद जी ने पर्यावरण संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रकृति के संतुलन को बनाए रखने का संदेश दिया।

विकासखंड स्तरीय ग्रामोत्सव कार्यक्रम के दौरान विवेकानंद केंद्र, उज्जैन की सुश्री कोमल दीदी ने स्वामी विवेकानंद जी के जीवन एवं विचारों पर प्रेरणादायी उद्बोधन दिया। उन्होंने स्वामी विवेकानंद जी के जीवन व्रत पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार नरेंद्रनाथ दत्त, अपने दृढ़ संकल्प, आत्मविश्वास एवं गुरु भक्ति के बल पर स्वामी विवेकानंद बने।

कोमल दीदी ने कथा एवं उदाहरणों के माध्यम से स्वामी विवेकानंद जी के संघर्ष, साधना और राष्ट्रभक्ति को सरल शब्दों में समझाया। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी का संदेश–उठो, जागो और लक्ष्य प्राप्ति तक मत रुको–आज के युवाओं के लिए अत्यंत प्रासंगिक है।

उन्होंने युवाओं से चरित्र निर्माण, सेवा भावना एवं राष्ट्रहित को जीवन का उद्देश्य बनाने का आह्वान किया।

श्री राहुल विश्वकर्मा ने स्वदेशी विषय पर उद्बोधन देते हुए बताया कि किस प्रकार स्वदेशी अपनाकर भारत को समृद्ध एवं आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

मुख्य वक्ता श्री कैलाश जी यादव ने स्वामी विवेकानंद जी के भारत भ्रमण एवं उनके राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए भारत को विश्वगुरु बनाने की उनकी सोच को रेखांकित किया।

कार्यक्रम में बहादुर जी सोलंकी, मनोज श्रोती, चेतना नागर, ऋतु पराशर सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन परामर्शदाता श्री महेंद्र वर्मा ने किया एवं अंत में श्री दिलीप जी चौधरी द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

निःशुल्क मेगा हृदय रोग शिविर का सफल आयोजन

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। अपोलो हॉस्पिटल इंदौर एवं काबरा हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर, बड़नगर के संयुक्त तत्वावधान में रविवार, 18 जनवरी 2026 को एक निःशुल्क मेगा हृदय रोग शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में क्षेत्र के नागरिकों ने सहभागिता की, जहाँ सैकड़ों मरीजों को निःशुल्क हृदय रोग संबंधी परामर्श एवं प्रारंभिक जाँच सुविधाएँ प्रदान की गईं।

शिविर में अपोलो हॉस्पिटल इंदौर से पधारे डॉ. के. रोशन राव एवं डॉ. शिरीष अग्रवाल द्वारा मरीजों को विशेषज्ञ परामर्श दिया गया। इस अवसर पर दोनों वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञों के सम्मान में सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया।

सम्मान समारोह में काबरा हॉस्पिटल के संस्थापक डॉ. वी. डी. काबरा, बड़नगर के प्रख्यात सर्जन डॉ. एल. ए. कापड़िया, पूर्व विधायक श्री शांतीलाल धबाई, बड़नगर पुलिस एसडीओपी श्री महेंद्र परमार एवं थाना प्रभारी श्री अशोक पाटीदार विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में चिकित्सकों एवं अतिथियों का सम्मान बड़नगर केमिस्ट एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष श्री नवीन काबरा द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी अतिथियों, चिकित्सकों, स्टाफ एवं मरीजों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन काबरा हॉस्पिटल के डायरेक्टर डॉ. प्रखर काबरा ने किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. अजय त्रिवेदी द्वारा किया गया। शिविर एवं सम्मान समारोह में बड़ी संख्या में मरीजों के साथ-साथ गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। आयोजन को क्षेत्रवासियों द्वारा अत्यंत सराहना मिली।

शिवसेना प्रतिनिधि मंडल शासकीय हॉस्पिटल स्थानांतरण को लेकर विधायक जी से मिला

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। सिविल अस्पताल के कजलाना स्थानांतरण की खबर ने पूरे नगर को चिंतित कर दिया है। यह अस्पताल सिर्फ एक इमारत नहीं, बल्कि गरीब, मजदूर, किसान और आम नागरिकों के लिए अति आवश्यक उम्मीद है। इस गंभीर विषय को लेकर विधायक जी से भावनात्मक चर्चा की गई और स्पष्ट कहा गया कि नगर की यह अनिवार्य स्वास्थ्य सुविधा किसी भी हाल में बड़नगर से दूर नहीं जानी चाहिए। यदि किसकी कारणवश स्थानांतरण किया भी जाता है, तो कम से कम बड़नगर में प्राथमिक उपचार की पूर्ण व्यवस्था हर हाल में बनी रहनी चाहिए, ताकि इलाज के अभाव में किसी की जान न जाए। विधायक जी ने आश्वस्त किया है कि इस जनभावना को मुख्यमंत्री जी एवं स्वास्थ्य मंत्री तक पहुंचाकर इस विषय को पूरी गंभीरता से उठाया जाएगा। इस अवसर पर शिवसेना युवा सेना प्रदेश अध्यक्ष प्रभात पुरानीया, प्रदेश सचिव अनिल जोशी, राजेश कास्ट जिला महासचिव, रजत जयसवाल पूर्व तहसील अध्यक्ष भगवान सिंह सोलंकी, जिला महामंत्री, संतोष बगैरवाल नगर अध्यक्ष, मीडिया प्रभारी अभिषेक चौहान, कीर्तन सोलंकी आदि शिवसेनिक उपस्थित हुए।

पशुपालन एवं पशु कल्याण को लेकर प्रदेश भर में चलेगा एक माह का जागरूकता अभियान

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा पशुपालकों, किसानों, छात्र-छात्राओं को पशुपालन एवं डेयरी से संबंधित योजनाओं एवं पशु कल्याण के बारे में जागरूक करने के लिए पशुपालन एवं पशु कल्याण जागरूकता माह का आयोजन किया जा रहा है। जो 13 फरवरी 2026 तक चलेगा। केंद्रीय पशुपालन एवं डेयरी विभाग के निर्देशानुसार प्रदेश में भी पशुपालन एवं पशु कल्याण जागरूकता माह का आयोजन किया जाएगा। एक माह तक चलने वाले कार्यक्रम को लेकर संचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ. पीएस पटेल ने सभी जिलों को निर्देश भी जारी कर दिए हैं। संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने बताया कि यह अभियान राज्य, जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर विभिन्न जागरूकता एवं हितग्राही मूलक गतिविधियों के माध्यम से संचालित होगा। अभियान के अंतर्गत पशुकल्याण, पशु चिकित्सा सेवाओं, उन्नत पशुपालन, डेयरी, बकरी एवं मुर्गी पालन से संबंधित योजनाओं के साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा पशुपालन से संबंधित चलाई जा रही हितग्राही मूलक योजनाओं के बारे में पशुपालकों को जागरूक किया जाएगा। इसके लिए संगोष्ठियां, ऑनलाइन वेबिनार, युवा संवाद, गोशालाओं एवं पशु कल्याण संस्थानों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। साथ ही स्कूलों एवं कॉलेजों में विभागीय दलों द्वारा भ्रमण कर छात्र-छात्राओं को पशुपालन एवं पशु कल्याण की जानकारी दी जाएगी।

भारत सरकार के वन नेशन-वन सब्सक्रिप्शन पोर्टल पर पंजीयन कराने में मध्यप्रदेश देश में सबसे आगे

सीहोर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने भारत सरकार के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन के क्रियान्वयन में देश भर में सर्वश्रेष्ठ स्थान अर्जित करने की महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त करने पर उच्च शिक्षा विभाग को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मंत्री श्री परमार ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में उच्च शिक्षा विभाग राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के परिप्रेक्ष्य में प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है और सतत् नवीन आयाम स्पर्श कर रहा है। मध्यप्रदेश ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि अर्जित क़ी है। भारत सरकार के महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन के क्रियान्वयन में पूरे देश में सिरमौर बनकर उभरा है। वैश्विक स्तर की शोध पत्रिकाओं (जर्नल्स) और डिजिटल लाइब्रेरी तक विद्यार्थियों की पहुंच बनाने में मध्यप्रदेश ने कर्नाटक और राजस्थान जैसे राज्यों को काफी पीछे छोड़ दिया है। भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा प्रारंभ किए गए वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन पोर्टल पर पंजीयन कराने में प्रदेश देश में सबसे आगे हैं। प्रदेश के कुल 617 उच्च शिक्षण संस्थानों ने अब तक पोर्टल पर पंजीयन कराया है। दूसरे नंबर पर कर्नाटक राज्य है, यहां के 480 संस्थानों द्वारा पंजीयन कराया गया है।

प्रदेश में योजना के बेहतर क्रियान्वयन के लिए प्रथम चरण में प्रदेश स्तर पर एक नोडल अधिकारी बनाया गया। दूसरे चरण में प्रत्येक उच्चतर शिक्षण संस्थानों में संस्थावार नोडल अधिकारी नामांकित किए गए। इसके बाद तृतीय चरण में संस्था के नोडल अधिकारी द्वारा संस्था के प्राध्यापकों एवं संस्था में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को नामांकित करके उनके आईडी एवं पासवर्ड जनरेट कर यूजर्स को उपलब्ध कराया जाता है, फिर यूजर को आईडी पासवर्ड के माध्यम से ओएनओएस पोर्टल पर जाकर लॉगिन करना होगा। इसके बाद यूजर पोर्टल पर उपलब्ध शोध पत्रों/पुस्तकों को निः शुल्क पढ़ सकता है।

विद्यार्थियों, शोधार्थियों और प्राध्यापकों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित शोध पत्रिकाएं जर्नल्स और पुस्तकें एक ही जगह पर आसानी से उपलब्ध हो सके, इसके लिए भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा ÷वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन वन नेशन, वन सबसक्रिप्शन योजना प्रारंभ की गई है। इस योजना के माध्यम से भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा 30 प्रमुख प्रकाशनों के शोध पत्रों एवं पुस्तकों को वन नेशन-वन सब्सक्रिप्शन पोर्टल पर आसानी से उपलब्ध कराया जा रहा है। पोर्टल पर डिजिटल शिक्षा का उपयोग करने के मामले में मध्यप्रदेश देश में सबसे आगे है। अब तक प्रदेश के 617 उच्च शिक्षण संस्थानों द्वारा पंजीयन कराया जा चुका है। आज देश में 98 लाख 44 हजार 813 विद्यार्थियों, शोधार्थियों और प्राध्यापकों द्वारा इसका उपयोग किया जा रहा है। इससे राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध संवर्धन और वैश्विक ज्ञान तक समान पहुंच को बढ़ावा मिल रहा है।

मदाना में इलाई माता समरस हिंदू सम्मेलन, पर्यावरण संरक्षण और हिंदू एकता पर जोर

गोविंद जाने ने कहा कटोगे तो बटोगे

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया के ग्राम मदाना में रविवार को इलाई माता समरस हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह सम्मेलन मदाना मंडल के सरस्वती शिशु मंदिर में हुआ, जिसमें मदाना मंडल के अधीन आने वाले मदाना, तिगजपूर, सिलेपूर, खेड़ा राम खेड़ा, श्याम अय्यपूर, गोदना, माली खेड़ी, अलीसर खेड़ा, मुकाती खेड़ा, खरसोदा और चौकी महाराणा गांवों के लोग शामिल हुए।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रोफेसर मोनू ओठवाल गिडवानी ने पर्यावरण संरक्षण पर बल दिया। उन्होंने पीपल के वृक्ष के महत्व को बताते हुए सभी से पारिवारिक कार्यक्रमों में एक पौधा लगाने का आग्रह किया। प्रोफेसर गिडवानी ने यातायात नियमों का पालन करने और हेलमेट पहनने की भी अपील की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अभिभावकों को बच्चों को संस्कार देने और उन्हें मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से बचाने की सलाह दी।

पंडित विनोद गोविंद जाने ने हिंदू एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक घर से एक सदस्य राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ या बजरंग दल में होना चाहिए। पंडित जाने ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर हिंदू समाज को एकजुट करने का संकल्प लेने का आह्वान किया। मध्यक्षेत्र स्वदेशी जागरण मंच के क्षेत्रीय प्रचार प्रमुख हरिओम वर्मा ने स्वदेशी उत्पादों के उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने पेप्सी, कोका-कोला और कोलगेट जैसे विदेशी उत्पादों का बहिष्कार करने की बात कही। वर्मा ने देश की संस्कृति और स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया, जिन्होंने हिंदू एकता के संदेश का समर्थन किया। सभी उपस्थित लोगों ने हिंदू समाज को एकजुट करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। हिंदू सम्मेलन स्थल पर जैसे ही गोविंद जाने पहुंचे तो मानो हिंदू समाज के सभी महिला पुरुषों ने गोविंद सरकार की जय जयकार के नारा लगाना शुरू कर दिया जैसे ही मंच पर पहुंचे गुरुदेव ने पूजा अर्चना कर भारत माता की पूजा अर्चना कर जय जय श्री राम की जय जय जयकार लगाई जिसके चलते हिंदू सम्मेलन में मौजूद करीब 4000 से अधिक लोगों ने जय जय सियाराम भारत माता की जय जय कर से पूरा पंडाल कुंज उठा यहां समरसता देखने को मिली सभी हिंदू समाज ने एक साथ बैठकर भोजन किया।

वर्तमान की अनिवार्यता भारतीय संस्कृति का उज्जवल पक्ष - जादौन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्थानीय संस्था श्री राज राजेन्द्र सूरी शताब्दी जैन पब्लिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रगति संवाद (विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास हेतु एक पहल) कार्यक्रम का आयोजन किया गया । कार्यक्रम में अतिथि के रूप में भूपेंद्र सिंह जादौन (विवेकानंद ग्रुप ऑफ़ स्टडीज) ओमप्रकाश पाटीदार (विवेकानंद ग्रुप ऑफ़ स्टडीज) ओवैस काजी (विवेकानंद ग्रुप ऑफ़ स्टडीज) लाखन सिंह चावड़ा (अकादमिक एवं जनसंपर्क अधिकारी) की उपस्थिति में मां वीणा पाणी पानी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का श्री गणेश किया गया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में संजय शर्मा द्वितीय सत्र में श्रीमती खुशी पाटीदार अतिथि रहे। यह कार्यक्रम प्राथमिक स्तर के विद्यार्थी के सर्वांगीण विकास को लेकर किया गया था जिसमें प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के अभिभावक उपस्थित रहे ।

जिसमें विद्यार्थी के बौद्धिक, सामाजिक, व्याहारिक,शैक्षणिक एवं अनुशासन जैसे विषयो को लेकर संवादकर्ता श्रीमती मंजू त्रिवेदी, सुश्री खुशी व्यास, श्रीमती प्रियंका शर्मा, श्रीमती चंद्रकांता सोलंकी ने बच्चों के संबंध में अभिभावकों संवाद स्थापित कर बताया कि एक अच्छे व्यक्तित्व के निर्माण में आचरण की बहुत बड़ी भूमिका होती है आचरण स्वयं के प्रति किया गया व्यवहार होता है एवं हमारा व्यवहार दूसरों के प्रति किया गया व्यवहार होता है । इस पक्ष को लेकर सामाजिक व्यावहारिक पक्ष से जुड़ी सारी बातों को अभिभावकों से साझा किया जो विद्यालय में विद्यार्थियों को दी जाती है। साथ ही बच्चों के लब्धि स्तर को लेकर के अभिभावको द्वारा प्रश्न पूछे गए जिनका जवाब संवादकर्ता शिक्षिकाओं ने देकर उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया एवं प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों की शैक्षणिक गतिविधियों और अनुशासन ही बातों को सदन में साझा किया और बताया कि शैक्षणिक स्तर को कैसे सुधारा जाए एवं बच्चों में अनुशासन किस प्रकार से लाया जाए ताकि वह स्वयं संस्कारित होकर के एक आदर्श व्यक्तित्व बन सके प्रत्येक सत्र के अतिथि अभिभावकों द्वारा इस प्रकार के कार्यक्रम की सराहना की गई एवं वर्तमान में इसकी अत्यंत आवश्यकता के महत्व को स्वीकार किया जादौन ने सदन से संवाद स्थापित करते हुए अपने उद्बोधन में प्राचीन इतिहास में अपनी गौरवशाली भूमिका में रही आदर्श महिलाओं के बारे में जानकारी दी एवं उनके जैसे व्यक्तित्व निर्माण करने एवं आधुनिकता के इस दौर में दबे भारतीय संस्कृति के उज्जवल पक्ष को अपनाने हेतु प्रेरित किया। वही पाटीदार ने बताया कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यालय एवं अभिभावको को विद्यार्थी हेतु एक नई दिशा का चयन करने के सशक्त माध्यम बन सकते हैं। कार्यक्रम के प्रत्येक सत्र में अभिभावकों हेतु लक्की ड्रा (भाग्य लॉटरी) एवं सामान्य ज्ञान पर आधारित प्रश्नों को सदन में पूछा गया एवं सही उत्तर देने वाले अभिभावकों को मंच द्वारा पुरस्कार भेंट कर सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम विवेकानंद ग्रुप ऑफ स्टडीज के निदेशकगणों के निर्देशन में अकादमिक प्रभारी लाखन सिंह चावड़ा, श्रीमती प्रियंका शर्मा के साथ विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं के सक्रिय सहयोग से संपन्न किया गया। संचालन डॉ विक्रम पाटीदार एवं श्रीमती अनीता राठौर ने किया। आभार रामबाबू श्रीवास्तव ने माना । यह जानकारी मनीष मुले द्वारा दी गई।

एकादशी पर ताली कीर्तन में गूंजा श्याम नाम का जयकारा

अकोदिया/ अमर सिंह मेवाडा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अकोदिया बुधवार को षटतिला एकादशी के अवसर पर शनि धाम स्थित श्री खाटू श्याम मंदिर पर अल सुबह से ही दर्शनतार्थ हेतु भक्तों का ताता लगा रहा कड़कड़ाती ठंड पर भक्तों की आस्था भारी रही हर श्याम प्रेमी बाबा श्याम की एक झलक पाने को आतुर दिखाई दिया जिधर देखो उधर भक्तों का सैलाब नजर आ रहा था खाटू श्याम मंदिर इन दीनों भक्तों की आस्था का केंद्र बना हुआ है प्रतिदिन नगर सहित दूर-दूर ग्रामीण अंचलों से दर्शनों हेतु भक्तों का आना-जाना लगा रहता है एकादशी के अवसर पर बाबा का फूलों से आकर्षक श्रंगार किया गया मंदिर की आकर्षक साज सज्जा की गई दोपहर 2:00 बजे मंदिर के पुजारी पंडित हेमंत शर्मा के सानिध्य में बाबा की अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई एवं महिला मंडल की श्याम प्रेमियों द्वारा ताली कीर्तन के माध्यम से श्याम नाम का गुणगान किया गया शाम 6:00 बजे महाआरती के साथ ही महाप्रसादी का वितरण किया गया आयोजन में बड़ी संख्या में श्याम प्रेमियों ने हिस्सा लेकर महाआरती एवं महाप्रसादी का लाभ लिया।

अनुशासन, खेल भावना एवं सर्वांगीण विकास का परिचायक काश्यप विद्यापीठ

काश्यप विद्यापीठ बदनावर का 28वाँ वार्षिक खेलकूद समारोह हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अनुशासन, खेल भावना, परिश्रम एवं सकारात्मक सोच विद्यार्थी जीवन की आधारशिला हैं। विद्यार्थियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाते हुए खेल भावना के साथ निरंतर आगे बढ़ना चाहिए तथा लक्ष्य प्राप्ति हेतु सतत प्रयासरत रहना चाहिए। खेल न केवल शारीरिक विकास करते हैं, बल्कि आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता एवं टीम भावना को भी मजबूत करते हैं।

उक्त विचार मुख्य अतिथि नगर परिषद अध्यक्ष, बदनावर श्रीमती मीना शेखर यादव ने स्थानीय काश्यप विद्यापीठ, बदनावर के 28वें वार्षिक खेलकूद समारोह के अवसर पर व्यक्त किए। उन्होंने विद्यालय द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में अनुविभागीय दंडाधिकारी बदनावर श्रीमती प्रियंका मिमरोट उपस्थित रहीं। विशेष अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि खेलों से खेल भावना एवं नेतृत्व क्षमता का विकास होता है तथा अभिभावकों को अपने बच्चों को खेल गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करना चाहिए, क्योंकि खेल हमारे जीवन में मानसिक एवं शारीरिक विकास की आधारशिला हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की मैनेजिंग ट्रस्टी श्रीमती नीता कश्यप ने की।

स्वागत एवं प्रारंभिक कार्यक्रम - माननीय अतिथियों का स्वागत मैनेजिंग ट्रस्टी श्रीमती नीता कश्यप, काश्यप स्वीटनर्स के कार्यकारी निदेशक श्री राजीव गोरवाड़ा, प्राचार्य श्रीमती नंदा व्यास, समन्वयक श्री विपिन जैन, क्रीड़ा अधिकारी श्री ए. पी. भारद्वाज, क्रीड़ा शिक्षिका श्रीमती कीर्ति बैरागी, विद्यालय के हेड बॉय भवी गुगलिया एवं हेड गर्ल प्रियांशी पटेल द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर किया गया।

समारोह का शुभारंभ खेल मशाल प्रज्वलन, ध्वजारोहण एवं रंग-बिरंगे गुब्बारे उड़ाकर किया गया। इसके पश्चात विद्यालय के हेड बॉय एवं हेड गर्ल के नेतृत्व में चारों सदनों–ब्लू, ग्रीन, रेड एवं येलो हाउस–द्वारा अनुशासित एवं आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया गया।

स्वागत भाषण- स्वागत भाषण में प्राचार्य महोदया ने मुख्य अतिथि, विशेष अतिथि, मैनेजिंग ट्रस्टी, श्री गोरवाड़ा जी, अन्य अतिथियों एवं अभिभावकगणों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए टीम भावना, स्टाफ व क्रीड़ा शिक्षकों के सहयोग, शीत मौसम में विद्यार्थियों की सहभागिता तथा खेलों को महत्वपूर्ण सह-शैक्षणिक गतिविधि बताया।

कार्यक्रम विवरण- हेड बॉय एवं हेड गर्ल द्वारा खिलाड़ियों को शपथ दिलाई गई, मुख्य अतिथि ने खेलकूद समारोह का उद्घाटन किया तथा संगीत आधारित पी.टी. एवं वंदे मातरम् नृत्य विशेष आकर्षण रहे।

इसके पश्चात विभिन्न प्रकार की दौड़ प्रतियोगिताएँ, कौशल आधारित खेल, व्यक्तिगत एवं टीम इवेंट्स आयोजित किए गए।

इनमें मुख्यतः बॉल कलेक्शन रेस, जंप एंड क्लैप रेस, ज़िग-ज़ैग रेस, वेयर केप एंड रन रेस, गेट रेडी फॉर स्कूल रेस, नंबर मैचिंग रेस, सुई-धागा रेस, मटका बैलेंसिंग रेस आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित हुई जिनमें विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

प्रतियोगिताएँ एवं पुरस्कार वितरण

विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को माननीय अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। टीम इवेंट्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को भी सम्मानित किया गया। इवेंट्स एवं विजेता

प्राथमिक वर्ग

नर्सरी (बालक) - बॉल कलेक्शन रेस
प्रथम- लाभम नाहर । द्वितीयः सार्थक चौहान । तृतीयः मेधिल मूणत

एल.के.जी. (बालिका) - टोपी पहनकर दौड़
प्रथम- अव्या मुकाती । द्वितीयः ज्ञान्वी जाट । तृतीयः नित्याश्री दीपक वाडिले

यू.के.जी. (बालक) - जंप एंड क्लैप रेस
प्रथम- प्रत्यक्ष हाडा । द्वितीयः जैनाक्ष रुणवाल । तृतीयः स्पर्श यादव

कक्षा I (बालिका) - ज़िग-ज़ैग रेस
प्रथमः ध्रुविका जायसवाल । द्वितीयः साक्षी सिंह भदौरिया । तृतीयः अध्विका मेहता

कक्षा II (बालक) - गेट रेडी फॉर स्कूल रेस
प्रथमः आदर्श चौरसिया । द्वितीयः लक्ष्य भाभर । तृतीयः वेदांश पाटीदार

कक्षा III (बालिका) - पॉम-पॉम फ्लाई रेस
प्रथमः यशिका जाट । द्वितीयः पहल चौहान । तृतीयः शान्वी जाट

कक्षा IV (बालक) - टाइनी हूप जंप रेस
प्रथमः युवराज हारोड़ । द्वितीयः आयांश मालवीय । तृतीयः ऋतुराज सिंह सोलंकी

कक्षा V (बालिका) - नंबर मैचिंग रेस
प्रथमः चेष्ठा सिंह सोलंकी । द्वितीयः पंडित उन्नति धर्मेन्द्र । तृतीयः इशिता हारोड़

कक्षा VI (बालिका) - रस्सी कूद रेस
प्रथमः रोशनी पाटीदार । द्वितीयः वैशाली सोलंकी । तृतीयः आरोही सोलंकी

कक्षा VII (बालक) - 100 मीटर फ्लैट रेस
प्रथमः राघवेन्द्र शर्मा । द्वितीयः हार्दिकराज सिंह झाला । तृतीयः दर्पण मालवीय

वरिष्ठ वर्ग -

कक्षा XII (बालक) - 200 मीटर फ्लैट रेस
प्रथमः नुरुद्दीन बोहरा (XII-B) । द्वितीयः तनिश कुमार शर्मा । तृतीयः राधाकांत मालवीय

कक्षा XI (बालिका) - चम्मच व गोली रेस
प्रथमः कल्पना शर्मा । द्वितीयः अन्वी जैन । तृतीयः आराध्या वर्मा

कक्षा X (बालिका) - सुई-धागा रेस
प्रथमः श्रृष्टि जाधव । द्वितीयः चेतना राठौर । तृतीयः रक्षित पाटीदार

कक्षा VIII (बालिका) - मटका संतुलन रेस
प्रथमः खुशी पाटीदार । द्वितीयः अंशिका बेनल । तृतीयः गायत्री सोलंकी

कक्षा IX (बालक) - शतरंज बोर्ड सज्जा रेस
प्रथमः सम्यक जैन । द्वितीयः हिमांशु हारोड़ । तृतीयः वैभव राठौर

रिले रेस (कक्षा IX-XII)
बालक वर्ग- विजेता - रेड हाउस, उपविजेता - येलो हाउस
बालिका वर्गः विजेता - रेड हाउस, उपविजेता - ब्लू हाउस

सत्र 2025-26 में अनुशासन एवं मार्च पास्ट के लिए ग्रीन हाउस को पुरस्कार प्रदान किया गया।

समापन- कार्यक्रम के अंत में ध्वज अवतरण किया गया तथा श्री ए. पी. भारद्वाज (क्रीड़ा अधिकारी) द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में अभिभावकगण उपस्थित रहे और विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। साथ ही अनेक गणमान्य नागरिकों एवं पत्रकार बंधुओं की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया। समारोह का संचालन अंग्रेज़ी में निलेश्वरी पंवार तथा हिंदी में सुनीता वर्मा द्वारा कुशलतापूर्वक किया गया।

कलेक्टर की बिना अनुमति के विकी भूमि के नामांतरण में भी भारी घोटाला

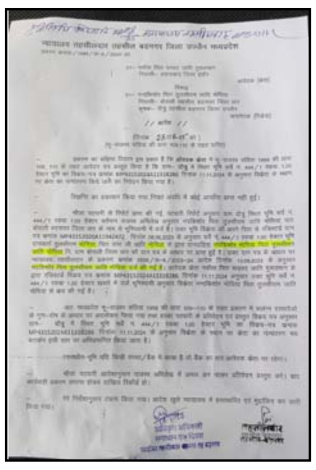

एक तहसीलदार, एक प्रकरण, एक ही भूमि सर्वे नंबर पर आदेश दो

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। कलेक्टर की बिना अनुमति के संपादित हुए विक्रय पत्र में हुए भ्रष्टाचार की परते धीरे-धीरे खुलती जा रही है आपको बता दें कि ग्राम दोत्रु में मोगिया समाज की भूमि जो कि अनुसूचित जनजाति (आदिवासी) में आती है बिना कलेक्टर की अनुमति के तात्कालीन उप पंजीयक राशिद खान द्वारा दस्तावेजों को अनदेखा कर या यूं कहें कि नजरअंदाज कर विक्रय पत्र संपादित कर दिया गया जबकि राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार स्पष्ट है कि उक्त भूमि तुलसीराम मोगिया के नाम पर दर्ज थी जो कि अनुसूचित जनजाति में आता है उसने अपने ही पुत्र नंदकिशोर को दान पत्र किया। जब पिता मोगी या समाज अर्थात अनुसूचित जनजाति वर्ग में आता है तो पुत्र अनुसूचित जाति का कैसे हो गया राजस्व रिकॉर्ड के खसरा में स्पष्ट अंकित है की तुलसीराम की जाती मोगिया है जो कि अनुसूचित जनजाति में आती है दान पत्र के बाद जब नंदकिशोर का नाम राजस्व दस्तावेज में चढ़ा तो खसरे के कालम नंबर 12 में स्पष्ट उसकी जाति मोगिया अंकित की गई उसके बाद भी उप पंजीयक ने इन दस्तावेजों को नजरअंदाज करते हुए तथा बिना कलेक्टर की अनुमति की विक्रय पत्र संपादित कर दिया सिलसिला यहीं नहीं रुक जब विक्रय पत्र के आधार पर क्रेता नफीस ने तहसील न्यायालय में विक्रेता के बजाय अपने नाम का नामांतरण करवाने के लिए आवेदन प्रस्तुत किया तो तत्कालीन तहसीलदार माला राय द्वारा दिनांक 8.1. 2025 को एक आदेश जारी किया जिसमें स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया कि प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर वादोक्त भूमि आदिवासी की भूमि है इसके संबंध में किसी प्रकार की अनुमति प्राप्त नहीं की गई है कलेक्टर महोदय की अनुमति के बगैर भूमि विक्रय नहीं की जा सकती है अतः नामांतरण नहीं किया जा सकता अतः आवेदक का आवेदन पत्र इसी स्तर पर समाप्त किया जाता है प्रकरण समाप्त होकर रिकॉर्ड दाखिल हो

उसके करीब 07 महीने बाद अर्थात दिनांक 28.8.2025 को तहसीलदार माला राय ने इसी प्रकरण क्रमांक 1649/अ-6/2024-25 मैं एक नवीन आदेश पारित किया जिसमें यह कहा गया कि ओवदक क्रेता ने भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है कि ग्राम दोत्रु में स्थित भूमि सर्वे नं. 444/1 रकबा 1.00 हेक्टर भूमि का विकय-पत्र कमांक MP431520 24A11318286 दिनांक 11.11.2024 के अनुसार विक्रेता के स्थान पर क्रेता का नामांतरण किये जाने का निवेदन किया गया है। विज्ञप्ति का प्रकाशन किया गया नियत अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं हुई। मौजा पटवारी से रिपोर्ट प्राप्त की गई, पटवारी रिपोर्ट अनुसार ग्राम दोत्रु स्थित भूमि सर्वे नं. 444/1 रकबा 1.00 हेक्टर वर्तमान राजस्व अभिलेख अनुसार नंदकिशोर पिता तुलसीराम जाति मोघिया पता बोराली बदनावर जिला धार के नाम से भूमि स्वामी में दर्ज है। उक्त भूमि विक्रेता को अपने पिता से रजिस्टर्ड दान पत्र कमांक MP43152020A11942472 दिनांक 06.06.2023 के अनुसार सर्वे नं. 444/1 रकबा 1.00 हेक्टर भूमि दानकर्ता तुलसीराम मोगिया पिता रामा जी जाति मोगिया के द्वारा दानग्रहिता नंदकिशोर मोगिया पिता तुलसीराम जाति मोगिया नि. ग्राम बोराली जिला धार को दान पत्र के आधार पर प्राप्त हुई है। उक्त दान पत्र के आधार पर न्यायालय तहसीलदार के प्रकरण कमांक 0538/3-6/2023-24 आदेश दिनांक 13.09.2023 के अनुसार नंदकिशोर पिता तुलसीराम जाति मोघिया दर्ज की गई है। आवेदक क्रेता नफीस पिता सय्यद जाति मुसलमान के द्वारा रजिस्टर्ड विक्रय पत्र कमांक MP43152024A11318286 दिनांक 11.11.2024 अनुसार उक्त भूमि सर्वे नं. 444/1 रकबा 1.00 हेक्टर खसरे में दर्ज भूमिस्वामी अनुसार विक्रेता नन्दकिशोर मोघिया पिता तुलसीराम जाति मोघिया से क्रय की गई है। अतः मध्यप्रदेश भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 109-110 के तहत प्रकरण में सलंग्न दस्तावेजो के गुण-दोष के आधार पर अवलोकन किया गया तथा हल्का पटवारी के प्रतिवेदन एवं प्रस्तुत विकय पत्र अनुसार दोत्रु में स्थित भूमि सर्वे नं. 444/1 रकबा 1.00 हेक्टर भूमि का विक्रय-पत्र कमांक MP43152024A11318286 दिनांक 11.11.2024 के अनुसार विक्रेता के स्थान पर केता का नामांतरण मय बटाकंन इसी स्तर पर अभिप्रमाणित किया जाता है। तहसीलदार द्वारा दिनांक 28.8.2025 को पारित किए गए आदेश में भी यह माना है कि तुलसीराम मोगिया है। उसमें भी लिखा है कि तुलसीराम मोगिया पिताजी रामजी मोगिया है तथा दानग्रहिता नंदकिशोर मोगिया पिता तुलसीराम मोगीया है उसके बाद भी नामांतरण किया गया। जिससे भ्रष्टाचार की गंध आ रही है

यहां सवाल यह भी उठता है कि जब एक बार तहसीलदार ने अपने आदेश में स्पष्ट रूप से कह दिया कि भूमि आदिवासी की भूमि है जिससे के विक्रय के संबंध में कलेक्टर महोदय की बगैर अनुमति के विक्रय पत्र नहीं किया जा सकता जिसे विक्रय नहीं किया जा सकता उसका नामांतरण नहीं किया जा सकता उसके बाद 7 महीने में आखिर ऐसा क्या हुआ की तहसीलदार को कौन सी अनुमति उस विक्रय पत्र में नजर आ गई कि एक बार प्रकरण समाप्त कर दाखिल रिकॉर्ड करने के बाद फिर उस प्रकरण को 7 महीने बाद दूसरा आदेश जारी किया जिसमें आवेदक के नामांतरण को प्रमाणित कर दिया ऐसा लगता है कि 7 महीने बाद नामांतरण प्रमाणित होने में जमकर लेनदेन हुआ है। जिसकी जांच जिम्मेदारों को करनी चाहिए और दोषी अधिकारियों पर भी कार्यवाही करनी चाहिए। अब देखना यह होगा कि जिले में बैठे आला अधिकारी इस बिना कलेक्टर की अनुमति के हुए विक्रय पत्र और नामांतरण के दोषी अधिकारियों पर किस प्रकार की कार्यवाही करते हैं क्योंकि दस्तावेजों से स्पष्ट है कि दोनों ही अधिकारियों ने अपने अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए नियमों के विपरीत जाकर एक ने विक्रय पत्र संपादित किया तो दूसरे ने राजस्व दस्तावेजों में नामांतरण प्रमाणित किया है अब इन अधिकारियों पर होने वाले कार्यवाही देखने लायक होगी लेकिन कार्यवाही कब होगी यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

शहर मे महाआरती का आयोजन किया गया

खाचरोद/ मुरलीदास बैरागी/ दैनिक मालावा हेराल्ड। बिरला ग्राम में विशाल हिंदु सेना संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं संस्थापक महामंडलेश्वर आदरणीय श्री श्री 1008 सीतानंद गिरी के आदेश अनुसार मध्यप्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल के निर्देश पर उज्जैन जिला अध्यक्ष पंडित मुकेश त्रिवेदी नागदा तहसील अध्यक्ष विजेंद्र मांझी के नेतृत्व में महाआरती का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पंडित मुकेश त्रिवेदी उज्जैन जिला अध्यक्ष को आमंत्रित किया उनके साथ में जिला उपाध्यक्ष गौरव जोशी जिला संगठन मंत्री शिवम शर्मा जिला समिति सदस्य लकी शर्मा महा आरती के पश्चात बैठक का आयोजन किया गया जिसमें गौ माता के रक्षा को लेकर संगठन में विचार विमर्श किया गया आने वाले समय में संगठन द्वारा गौ माता की रक्षा को लेकर जगह-जगह पर आंदोलन एवं राष्ट्रीय गौ माता को राष्ट्रीय गौ माता का दर्जा देने के लिए आंदोलन के लिए रूपरेखा तैयार की गई इस अवसर संगठन के सभी पदाधिकारिगण आदि कार्यकर्ता का उपस्थित रहे।

ग्रामोदय से अभ्युदय मध्य प्रदेश अभियान पुरानी विरासत को सहेजने का संकल्प : श्री पंड्या

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। सरकार जो भी अभियान चलाती है वह आमजन को ध्यान में रखकर चलाया जाता है। ग्रामोदय से अभ्युदय मध्यप्रदेश केवल अभियान नहीं है बल्कि यह पुरानी विरासत, संस्कृति एवं सभ्यता को सहेजने का एक संकल्प भी है। उक्त विचार ग्रामोदय से अभ्युदय मध्य प्रदेश अभियान के शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए लोकप्रिय विधायक श्री जितेंद्र उदयसिंह पंड्या ने व्यक्त किए। आपने कहा कि जनअभियान परिषद सरकार और समाज के बीच सेतु का कार्य कर रहा है। परिषद द्वारा बड़नगर में उल्लेखनीय कार्य किए जा रहे हैं। इसके लिए आप सभी उपस्थित सामाजिक कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं। कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों ने ज्ञान की देवी मां सरस्वती का पूजन अर्चन कर दीप प्रज्वलित किया। अतिथि महानुभाव को पौधा भेटकर दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत मप्र जन अभियान परिषद विकासखंड समन्वयक श्रीमती रेणुका श्रोत्रिय, नगर विकास समिति के अमित जोशी, जयेश आचार्य आदि ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित तहसीलदार रुपाली जैन, शिक्षा विभाग से राहुल विश्वकर्मा, महिला बाल विकास विभाग अधिकारी सुलोचना सेन ने भी शासन की योजनाओं से संबंधित जानकारी उपस्थित जनसमुदाय को दी। कार्यक्रम में नगर मण्डल अध्यक्ष अमित राठौड़ भी मंचासिन रहे। श्रीमती श्रोत्रिय ने ग्रामोदय से अभ्युदय मध्य प्रदेश अभियान की विस्तार से जानकारी प्रदान कर बताया कि अभियान के तहत विकासखंड के अनेक गांव में नवांकुर सनीति प्रस्फुटन समिति के साथ मिलकर कार्यक्रम आयोजित करेगी। संचालन अजय पंड्या सजग ने किया।आभार परिषद की विकासखंड समन्वय श्रीमती रेणुका श्रोत्रिय ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रस्फुटन समिति सदस्य, नवांकुर, मेंटर एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे कार्यक्रम के दौरान विकासखंड में परिषद के साथ मिलकर उत्कृष्ट कार्य करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

लाड़ली बहना योजना बन रही महिलाओं की आर्थिक मजबूती

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रदेश में महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए चलाई जा रही मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना लगातार बहनों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। इसके योजना के तहत सरकार द्वारा प्रदेश की लाड़ली बहनों को 1500 रूपये प्रतिमाह की राशि उनके खाते में अंतरित की जा रही है। योजना के माध्यम से मिलने वाली मासिक आर्थिक सहायता ने महिला शक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है। महिलाओं को न केवल नियमित सहायता मिल रही है, बल्कि वे अपने परिवार, बच्चों और व्यक्तिगत आवश्यकताओं में भी अधिक आत्मनिर्भर बनती जा रही हैं।

सीहोर फॉरेस्ट कॉलोनी निवासी श्रीमती शालू यादव बताती हैं कि योजना से मिलने वाली राशि ने उनके जीवन में महत्वपूर्ण बदलाव किया है। पहले स्वयं की छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने में उन्हें परेशानी होती थी और अक्सर दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। लेकिन योजना लागू होने के बाद उन्हें आर्थिक मजबूती मिली और वे स्वयं की रोजमर्रा की आवश्यकताओं को बेहतर तरीके से पूरा कर पा रही हैं। श्रीमती शालू कहती हैं कि नियमित आर्थिक सहायता से उनके घर की व्यवस्था में स्थिरता आई है और बच्चों की शिक्षा में भी वे सहयोग कर पा रही हैं। उनका कहना है कि यह योजना न केवल आर्थिक लाभ देती है बल्कि महिलाओं में आत्मविश्वास भी बढ़ाती है।

प्रदेशभर में इस योजना ने लाखों महिलाओं के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाए हैं। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना आज महिलाओं के सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम बन चुकी है। यह केवल आर्थिक सहयोग नहीं, बल्कि महिलाओं की गरिमा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक सशक्तिकरण की एक महत्वपूर्ण पहल बन गई है। इस योजना के लिए श्रीमती शालू यादव ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को धन्यवाद दिया है।

एमआईडीएच योजना के तहत आयोजित किसान प्रशिक्षण का हुआ समापन

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। इछावर तहसील के भाऊखेड़ी के आजीविका पार्क मैं एकीकृत बागवानी मिशन योजना (एमआईडीएच) के अंतर्गत उद्यानिकी विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय किसान प्रशिक्षण सेमिनार का समापन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में किसानों को जैविक खेती के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और जैविक खेती करने के लिए प्रेरित किया गया।

इसके साथ ही किसानों को उद्यानिकी फसलों में लगाने वाले कीट एवं रोग की पहचान और इसके प्रबंधन के उपाय भी बताए गए। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को उद्यानिकी फसलों में तकनीकी का प्रयोग कर बेहतर उत्पादन के तरीकों से अवगत कराया गया। इस दौरान प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। किसानों को बताया गया कि वे किस प्रकार अपने उत्पादों की आकर्षक पैकिंग एवं ब्रांडिंग करके उनकी अच्छी मार्केटिंग कर सकते हैं। इसके साथ ही किसानों को विभागीय योजनाओं, संरक्षित खेती, शेडनेट हाउस, पॉली हाउस, प्लास्टिक मल्चिंग, ड्रिप सिंचाई, मिनी स्प्रिंकलर सिंचाई आदि के बारे में बताया गया। किसानों को आजीविका पार्क का भ्रमण भी कराया गया। कार्यक्रम में डॉ.दीपक कुशवाह, डॉ. निलेश रायपुरिया, डॉ.लालू यादव, सहायक संचालक श्री जगदीश सिंह मुजाल्दा, श्री राजेश वर्मा, श्री सुनील रघुवंशी सहित किसान उपस्थित थे।

संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में नगर मे चन्द्रशेखर आजाद बस्ती का हिंदू सम्मेलन रविवार को संपन्न हुआ

उन्हेल/ निर्मल आर सोलंकी/ दैनिक मालवा हेराल्ड। संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में नगर मे चन्द्रशेखर आजाद बस्ती का हिंदू सम्मेलन रविवार को संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन एवं भारत माता पूजन कर किया गया। कार्यक्रम के अतिथि संत श्री 1008 श्री कृष्णानंद जी महाराज बगुलामुखी शक्ति पीठ के पीठाधीश खाचरोद श्रीमती गरिमा प्रपंन मुख्य वक्ता शैलेश त्रिपाठी मालवा प्रांत प्राध्यापक कार्य प्रमुख व बस्ती संयोजक धनश्याम प्रजापत तथा बस्ती के सभी समाज प्रमुख मंचासीन थे।

भागवत आचार्य का स्वागत बस्ती संयोजक घनश्याम प्रजापत व रामेश्वर राणा ने किया श्रीमती गरिमा प्रपंन का स्वागत कोमल चोहान ने कीया मुख्य वक्ता का स्वागत ओम प्रकाश मदारीया ने किया गया तथा बस्ती संयोजक का स्वागत सहसंयोजक का स्वागत चंद्र लाल चौहान द्वारा किया गया ।

मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में समग्र हिन्दू समाज को संगठित रहने का आव्हान किया, उन्होंने कहा कि यह आयोजन समाज विशेष का न होकर समस्त सनातन हिन्दुओं का है श्रीमती गरिमा प्रपंन ने संबोधित करते हुए कहा कि पंच परिवर्तन से कैसे समाज मे सुधार लाया जा सकता है और उसमे मातृशक्ति की कितनी महत्वपूर्ण भूमिका है मुख्य वक्ता शैलेश त्रिपाठी द्वारा उन्होंने संघ की 100 वर्ष की यात्रा में तीन प्रतिबंधों का उल्लेख किया साथ ही संग के स्वयंसेवकों द्वारा जो राष्ट्र उत्थान के लिए कार्य किया उनका उल्लेख किया तथा वर्तमान में आने वाली चुनौतियों से मिलकर एक साथ चुनौतियों का समाधान करना होगा इसका आग्रह किया कार्यक्रम का संचालन सुनिल मदारीया ने कीया आभार बस्ती संयोजक घनश्याम प्रजापत ने माना । भारत माता की आरती के पश्चात समरसता भोज हुआ ।

यूडीआईडी एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र संबंधी अनियमितताएं रोकने के लिए कलेक्टर ने दिए सत्यापन के निर्देश

फर्जी प्रमाण पत्र के आधार पर लाभ लेने वालों के विरूद्ध किया गया है दंड का प्रावधान

सीहोर/दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवं यूडीआईडी प्रमाण पत्र संबंधी अनियमितताओं को रोकने के लिए जिले में लाभ प्राप्ति के लिए प्रस्तुत किए जाने वाले सभी UDID कार्ड एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्रों का सत्यापन करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने निर्देश दिए हैं कि इस संबंध में लाभ प्रदान करने से पहले प्रत्येक आवेदनकर्ता के UDID कार्ड एवं दिव्यांगता प्रमाण पत्र का UDID पोर्टल के माध्यम से डिजिटल अभिप्रमाणन किया जाए। यदि किसी के पास पुराना मैनुअल प्रमाण पत्र हो तो उसे UDID पोर्टल पर डिजिटलाइज कराना अनिवार्य किया जाए। किसी भी शासकीय नियुक्ति, शिक्षण संस्थान में प्रवेश, छात्रवृत्ति, पेंशन साधन सहायता, परिवहन सुविधा इत्यादि लाभ देने से पहले प्रमाण पत्र की वैधता सुनिश्चित की जाए। यदि आवश्यक हो तो अभिप्रमाणन हेतु प्रमाण पत्र जारी करने वाली चिकित्सा संस्था या मेडिकल बोर्ड से सत्यापन कराया जाए। संदेहास्पद प्रमाणपत्रों एवं मामलों की सूचना जिले के SCPD या CCPD कार्यालय को तत्काल प्रेषित की जाए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि सभी विभाग अपने विभाग अंतर्गत शासकीय योजनाओं में लाभ प्रदान करते समय इन निर्देशों का पालन कराना सुनिश्चित करें।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के संज्ञान में विभिन्न राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में नकली, फर्जी, गलत प्रतिशत के दिव्यांगता प्रमाणपत्र एवं छ्द्धछ कार्ड जारी होने की शिकायतें प्राप्त हुई है। इस संबंध में भारत सरकार ने कठोर दंडात्मक प्रावधान स्पष्ट रूप से दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 में निर्दिष्ट किए है।

बड़नगर तहसील के बमनापति गांव का दिव्यांग युवक पहुंचा भारत-न्यूज़ीलैंड मैच देखना है

दिव्यांग की अपील पर सीएम डॉ. यादव ने पूरी की उसकी मुराद

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक दिव्यांग की क्रिकेट मैच देखने की इच्छा को पूरा कर दिया। दरअसल, उक्त दिव्यांग ने प्रदेश के मुखिया से जब ये कहा कि उसे भारत-न्यूजीलैंड के बीच इंदौर में हो रहे मैच को मैदान से लाइव देखना है, लेकिन टिकट का इंतजाम नहीं हो पा रहा, ये सुनते ही सीएम डॉ. यादव ने बिना कोई देर किए उसके लिए टिकट का प्रबंध कर दिया। दिव्यांग ने ये अपील वीडियो के जरिये की थी। इच्छा पूरी होने के बाद दिव्यांग ने सीएम डॉ. यादव को धन्यवाद दिया। भारत-न्यूजीलैंड मैच लाइव देखने की ये अपील उज्जैन के बड़नगर तहसील के गांव बमनापानी के दिव्यांग अभिषेक सोनी ने की थी। उसने इस अपील का वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर डाल दिया। इस बात की जानकारी जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को लगी तो उन्होंने दिव्यांग की इच्छा पूरी करने में एक पल नहीं लगाया। अभिषेक सोनी ने वीडियो में कहा, मुख्यमंत्री जी प्रणाम। मेरा नाम अभिषेक सोनी है।

शांतिकुंज परिसर में विशाल हिन्दू सम्मेलन में सनातन चेतना से गूंजा वातावरण

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। सकल हिन्दू समाज के जागरण को नई ऊर्जा एवं चेतना प्रदान करने के उद्देश्य से मंगल पाण्डे बस्ती के तत्वावधान में सनातन संस्कृति, सनातन धर्म एवं सामाजिक समरसता को समर्पित एक विशाल हिन्दू सम्मेलन का आयोजन आज शांतिकुंज परिसर में गरिमामय एवं भव्य वातावरण में संपन्न हुआ। सम्मेलन में बड़ी संख्या में समाजजन, युवा एवं मातृशक्ति की सहभागिता रही।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. हेडगेवार जन्मशताब्दी न्यास के सचिव रितेश सोनी रहे। उन्होंने अपने प्रेरक उद्बोधन में हिंदुत्व की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार के जीवन, विचार एवं राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को विस्तार से रेखांकित किया। इस अवसर पर उपस्थित संत गोपालकृष्णानंद जी ने अपनी ओजस्वी वाणी से जनसमूह को आशीर्वचन प्रदान करते हुए हिन्दू समाज की एकता एवं संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया। प्रसिद्ध भजन गायिका स्वाति दीदी मिश्रा ने अपने विचार रखते हुए लव जिहाद विषय पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की तथा इसे हिन्दू समाज के लिए लव जिहाद को घातक बताते हुए जागरूकता का आह्वान किया। मंच पर महंत श्री सरस्वतीदास जी महाराज, ज्ञानी चमनदीप सिंह, जटिया समाज मंदिर के पूजारी ओमप्रकाश बैरागी, कार्यक्रम संयोजक सुरेश भावसार, सहसंयोजक नवीन बिलाला, रवि यादव सहित अन्य गणमान्यजन मंचासीन रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ भजन एवं हनुमान चालीसा के सामूहिक सस्वर पाठ से हुआ, जिसका सुंदर गायन विनय बादशाह एवं अभिनव शाह द्वारा किया गया। श्रीगणेश वंदना कु. आयुष शर्मा एवं कु. नंदिनी शर्मा ने नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत की। माँ सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलन का पावन कार्य अतिथियों के कर-कमलों से संपन्न हुआ। अतिथि परिचय राहुल शर्मा द्वारा दिया गया। अतिथियों का स्वागत दुपट्टा, शाल एवं श्रीफल भेंट कर रोहित शर्मा, दीपक यादव, दिलीप केवट, विजय टेपण, अभिनव शाह, कपिल सरसोदिया, मोनू परिहार, दीपक भावसार, अजय विजयवर्गीय, ऋषभ नीमा सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने किया।इस अवसर पर विधायक जितेन्द्र सिंह पंड्या सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। संचालन पंकज भावसार ने किया व आभार कार्यक्रम संयोजक सुरेशचन्द्र भावसार ने माना ।

रंगमंचीय सत्र में बालकों द्वारा प्रस्तुत नाट्य प्रस्तुति संघ के सायंकाल शाखा के बाल स्वयंसेवकों द्वारा दी गई जोकि विशेष आकर्षण का केंद्र रही। वहीं सरस्वती शिशु मंदिर की बालिकों द्वारा प्रस्तुत राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत नृत्य ने उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया साथ शिवाजी पाठ बालिका मंडल की नाट्य प्रस्तुति भी सराहनीय रही।

सम्मेलन में महापुरुषों की चित्र श्रृंखला विशेष आकर्षण का केंद्र रही। भगवान श्रीराम-सीता की मनोहारी झांकी ध्वजों के मध्य अत्यंत भव्य प्रतीत हो रही थी। वहीं विधायक महोदय का सामान्य व्यक्ति की तरह नीचे भूमि पर बैठकर कार्यक्रम में सहभागिता करना उनकी सादगी का प्रतीक बना, जिसकी सर्वत्र चर्चा होती रही।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

पिछले साल आग लगने की 359 घटनाएं हुई

पिछले वर्ष शहरी क्षेत्र में आग लगने की 200 सूचनाएं फायर ब्रिगेड तक पहुंची- ग्रामीण क्षेत्रों में भी 10 महीने में आग लगने की 159 घटनाएं हुई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। साल 2025 गुजर चुका है और नया वर्ष 2026 आरंभ हो चुका है और जनवरी माह चल रहा है। पिछला वर्ष 2025 शहरी और ग्रामीण इलाकों में आग लगने की घटनाओं के कारण मीडिया में काफी सुर्खियों में रहा। फायर ब्रिगेड कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार गत वर्ष 1 जनवरी से 31 अक्टूबर तक विभाग को उज्जैन तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में आग लगने की कुल 359 घटनाओं की सूचना मिली। इस पर विभाग द्वारा तत्काल कार्रवाई की गई और घटना स्थल पर जाकर आग बुझाई गई।

फायर ब्रिगेड कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार शहर तथा आसपास के ग्रामीण इलाकों में आग लगने की घटनाओं पर तत्काल काबू पाने के लिए विभाग का अमला 24 घंटे अलर्ट रहता है। फायर ब्रिगेड में आग पर काबू पाने के लिए वर्तमान में 13 वाहन हमेशा अलर्ट रखे जा रहे हैं। इनके संचालन के लिए 20 ड्रायवर की 3 शिफ्टों में रूटिन ड्यूटी 24 घंटे रहती है। सभी कर्मचारी आग बुझाने में निपुण है और ट्रेनिंग प्राप्त है। जानकारी दी गई कि वर्ष 2025 में 1 जनवरी से लेकर 31 अक्टूबर तक की अवधि में आग लगने की विभाग को कुल 359 सूचनाएं प्राप्त हुई थी। जिन पर जानकारी लगते ही एक्शन किया गया और मौके पर जाकर आग बुझाई गई। उन्होंने यह भी बताया कि उपरोक्त 359 घटनाओं में आग लगने की घटनाओं पर काबू पाने के लिए विभाग के कई कर्मचारी और वाहन लगाने पड़े थे। इधर फायर ब्रिगेड कार्यालय से मिले आंकड़ों पर गौर किया जाए तो पिछले साल हर हर दूसरे दिन आग लगने की तीन घटनाएं हुई है।

अप्रैल में सबसे अधिक घटनाएं, अगस्त में कम- फायर ब्रिगेड से प्राप्त आंकड़ों पर गौर किया जाए तो गत वर्ष 2025 में 1 जनवरी से 31 अक्टूबर तक कुल 300 दिनों में आग लगने की सबसे अधिक घटनाएं शहरी और ग्रामीण इलाकों में अप्रैल महीने में हुई। जिसकी संख्या 184 रही। जबकि सबसे कम अग्नि दुर्घटनाएं गत वर्ष अगस्त के महीने में 2 हुई। हालांकि इसके अलावा मार्च के महीने में भी आग लगने की 71 घटनाएं हुई थी। वहीं मई के महीने में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में 31 स्थानों पर आग लगने की सूचना फायर ब्रिगेड को प्राप्त हुई थी।

माह	शहरी क्षेत्र में अग्नि दुर्घटनाएं	ग्रामीण क्षेत्र में अग्नि दुर्घटनाएं	अग्नि दुर्घटनाओं की कुल संख्या
जनवरी 2025	17	01	18
फरवरी 2025	19	01	20
मार्च 2025	39	32	71
अप्रैल 2025	74	110	184
मई 2025	26	05	31
जून 2025	13	01	14
जुलाई 2025	08	04	12
अगस्त 2025	02	00	02
सितंबर 2025	06	00	06
अक्टूबर 2025	16	05	21
कुल योग	200	159	359

आईएएस संतोष वर्मा एवं विधायक फूल सिंह बरैया पर एफआईआर दर्ज हो

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। आईएएस संतोष वर्मा ने एक ब्राह्मण बेटी का अपमान किया उस पर एफआईआर दर्ज नहीं हुई। उसने हर घर में संतोष वर्मा पैदा होने की बात कही, उसने न्याय प्रणाली पर भी आरोप लगाए फिर भी उस पर एफआईआर नहीं हुई। अब विधायक फूल सिंह बरैया ने भी हिंदू बेटी के बारे में अपमानजनक बात कही है इसके विरोध में आज सपाक्स पार्टी एवं कुछ संगठनों के पदाधिकारी गण भोपाल में टी टी नगर थाने के सामने एक दिवसीय अनशन पर बैठे। संतोष वर्मा पर एफआईआर करने के लिए स्मरण के पत्र दिया तथा विधायक फूल सिंह बरैया के विरुद्ध एफआईआर प्रस्तुत की। मीडिया प्रभारी जे.आर. माहुरकर ने बताया कि इस अवसर पर पूर्व आईएएस डॉ हीरालाल त्रिवेदी राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि मप्र सरकार की पक्षपातपूर्ण रवैये का परिणाम है कि तीन-तीन बार गलत बयान के बाद भी संतोष वर्मा पर एफआईआर नहीं हुई और इसी का परिणाम है कि इस प्रकार की मानसिकता वाले लोगों के हौसले बुलंद है ।

अब विधायक फूल सिंह बरैया ने भी इस प्रकार का बयान देकर हिंदू समाज की बहन बेटी का ही नहीं पूरे हिंदू समाज की नारी का अपमान किया है। पूर्व आईएएस डॉ वीणा घाणेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष सपाक्स पार्टी ने कहा कि जिस देश में नारी की पूजा होती थी वहां जिम्मेदार पदों पर काम करने वाले पुरुषों के इस प्रकार के कथनों से नारी शक्ति की अस्मिता खतरे में है। यदि इन दोनों के विरुद्ध तत्काल एफआईआर दर्ज नहीं की गई तब मप्र सरकार को इसके गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। अनशन स्थल पर सुरेश शुक्ला महासचिव, राधिका खंपरिया, वंदना मिश्रा, प्रीति तिवारी आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। इसके अतिरिक्त अनशन में एके दीक्षित, राहुल राजपूत, भूपेंद्र द्विवेदी, पीके मिश्रा, शुभकरण पांडे, विजय झा, राघवेंद्र मिश्रा, जय कुमार शर्मा, ऋषि मिश्रा, अनिल शर्मा, सतीश कुमार समेटे, अजय कुमार तिवारी आदि बड़ी संख्या में प्रतिनिधि सम्मिलित हुए।

कर्ज से परेशान युवक ने लगाई फांसी

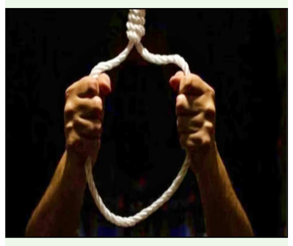

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कर्ज से परेशान युवक ने शनिवार रविवार रात फांसी लगा ली। मां कमरे में पहुंची तो पुत्र को लटका पाया। रविवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया है। मामले की जांच परिजनों के बयान दर्ज कर शुरू की जाएगी।

पंवासा थाना पुलिस ने बताया कि मयंक परिसर में रहने वाले कुंवर पाल पिता सुखनलाल 32 वर्ष ने बीती रात घर में फांसी लगा ली थी। मां गुलाब बाई कमरे में पहुंची तो उसने कुंवर को फंदे पर लटका देखा। बड़े पुत्र और आसपास के लोगों को बुलाकर उसे फंदे से उतारा और अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर रात में मर्ग कायम किया गया था। सुबह पोस्टमार्टम कराया गया है। इस दौरान भाई बबलू ने बताया कि कुंवर पाल मिस्त्री का काम करता था और शराब भी पीता था। उसने फायनेंस पर कार ली थी। जिसकी किश्त भी नहीं भर पा रहा था। वहीं कर्ज भी हो गया था।

संभवतः इसी के चलते उसने फांसी लगाई है। कुंवर पाल की पत्नी 10 दिन पहले पारिवारिक विवाद के चलते बच्चों को लेकर मायके बीना चली गई थी। पुलिस के अनुसार घटना स्थल से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजनों के बयान दर्ज किए जाएंगे।

वर्धमान ग्रुप के शपथ विधि समारोह में किया सेवा का सम्मान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। देश के सबसे बड़े दिगम्बर जैन समाज के युवक युवतियों के सोशल ग्रुप वर्धमान ग्रुप का शपथ ग्रहण समारोह बड़े ही उत्साह, जोश, उमंग और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। जिसमें 200 से अधिक दंपति सदस्य उपस्थित थे।

कार्यक्रम का प्रारम्भ संयोजको द्वारा मंगलाचरण एवं स्वागत नृत्य की शानदार प्रस्तुति द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में महासमिति के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक बड़जात्या इन्दौर, विश्व ख्याति प्राप्त विद्वान् पण्डित प्रकाश छाबड़ा इन्दौर एवं उज्जैन के प्रसिद्ध उद्योगपति शैलेष कलवाड़िया के साथ वर्धमान के संरक्षक संजय जैन, जिनेन्द्र जैन, स्नेहलता सोगानी, चेयरमैन पंकज रेणु जैन मुख्य रूप से उपस्थित थे। सभी ने चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन कर मंगल कलश की स्थापना की। एक वर्ष में ग्रुप की सफल ओर सार्थक गतिविधियों की जानकारी पूर्व सचिव नमन ऋषिका बिलाला ने अपने सचिवीय प्रतिवेदन कुछ विशेष अंदाज में वीडियो को स्क्रीन पर दिखा कर किया।

वर्धमान के नवीन अध्यक्ष हितेष बड़जात्या, राजेश लुहाड़िया एवं कोषाध्यक्ष आदिश जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि वर्ष भर की गतिविधियों में सहयोग देने वाले सम्माननीय दंपति साथियों को अवॉर्ड सेरेमनी कार्यक्रम में सम्मानित किया गया। जिसमें अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जंप रोपवे में गोल्ड मेडल जीतने वाले अक्षत जैन, देशना जैन को, वर्ष भर धार्मिक गतिविधियां करवाने वाले योगेशजी को, हर कार्य को समय पर सुव्यवस्थित करने वाले प्रतीक चौधरी एवं राहुल जैन एडवोकेट के साथ साथ, बाल संस्कार शिविर के लाभार्थी हितेष मनीषा जैन को, वर्ष भर सबको बधाई संदेश देने वाले धर्मेन्द्र चन्दना जैन को सम्मान पत्र, मोमेंटो और अवॉर्ड भेट कर सम्मानित किया गया।

सिंहस्थः भीड़ नियत्रंण और सुरक्षा में होगा एआई आधारित तकनीक का उपयोग

ड्रोन की भी मदद लगी जाएगी - 30 करोड़ लोगों के आने का है अनुमान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ 2028 की प्लानिंग में तमाम काम और श्रद्धालुओं की सुविधाओं के बीच भीड़ नियत्रंण और सुरक्षा पर पूरा जोर देना होगा। सिंहस्थ की तमाम गतिविधियों का केंद्र नीलगंगा, रामघाट और महाकाल मंदिर हैं और यह व्यस्त और रहवासी क्षेत्र हैं। वहीं इस बार 30 करोड़ लोगों के आने की संभावना व्यक्त की जा रही हैं।

सिंहस्थ की प्लानिंग के लिए प्रयागराज कुंभ के अध्ययन को भले ही आधार बनाने की बात की जा रही हो, लेकिन सिंहस्थ मेले और प्रयागराज कुंभ की व्यवस्था में भिन्नताएं रहेगी। दरअसल प्रयागराज कुंभ का 80 से 90 प्रतिशत क्षेत्र गंगा के तट पर खुले मैदान में होता हैं। वहां स्थायी प्रकृति के कार्य भी अधिक नहीं होते हैं भौगोलिक नजरिए से उज्जैन की स्थिति ठीक विपरीत हैं। सिंहस्थ मेले क्षेत्र के खुले स्थान में अखाड़ों के साथ ही संतों-महंतों, धार्मिक गतिविधियों के पांडालों के अलावा अन्य गतिविधियों जैसे प्रवेश पेशवाई, स्नान पेशवाई और शाही स्नान अन्य पर्व स्नान के आयोजन लगभग शहर के व्यस्त क्षेत्र में होते हैं और इसमें श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता हैं। ऐसे में तमाम अस्थायी, स्थायी भौतिक सुविधाओं के अतिरिक्त भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा के खास इंतजाम करना होंगे।

दो साल बाद उज्जैन में होने वाले महाकुंभ के लिए ड्रोन सर्वे और एआई आधारित तकनीक का उपयोग किया जाएगा। इसके लिए प्रयागराज और हरिद्वार कुंभ में काम कर चुकी कंसल्टेंसी और निजी एजेंसियों को उज्जैन बुलाकर उनसे सुझाव लिए जाएंगे की किस तरह से बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं के हिसाब से कैसी तैयारी की जाए। इसके आधार पर ही एक आईटी फर्म का गठन कर उसमें विशेषज्ञों की निसुक्ति की जाएगी।

सिहंस्थ में 30 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आ सकते हैं- उधर शासन और प्रशासन का मानना है कि सिहंस्थ में 30 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आ सकते हैं। इस दौरान भीड़ और यातायात प्रबंधन के लिए ड्रोन सर्वेक्षण और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग किया जाएगा। महाकुंभ के समापन के बाद वहाँ के आयोजन में जुड़े रहे कम्युनिकेशन, आईटी, क्राउड मैनेजमेंट में लगी एजेंसियों और स्टार्टअप को भी आमंत्रित करेंगे, ताकि उज्जैन महाकुंभ के आयोजना से पहले उनसे सीखा जा सके।

हर तरफ रफ्तार का खतरा, सड़कों पर 'मौत की सवारी'

नियम-कायदे ताक परज उज्जैन में बेलगाम बसों पर आरटीओ की सबसे बड़ी कार्रवाई, 52 बसें धराई

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले की सड़कों पर नियमों को धता बताकर दौड़ रहीं यात्री और स्लीपर बसों की मनमानी अब नहीं चलेगी। यात्रियों की जान से खिलवाड़ कर रही ऐसी खतरनाक बसों पर लगाम कसने के लिए परिवहन विभाग ने शुक्रवार को अब तक का सबसे बड़ा अभियान चलाया। नानाखेड़ा बस स्टैंड, इंदौर रोड और उन्हेल बायपास पर हुई ताबड़तोड़ चेकिंग में 189 बसों की जांच की गई, जिनमें से 52 पर बड़ी कार्रवाई की गई है।

आरटीओ का यह अभियान बस संचालकों की अनियमितताओं का चिट्ठा खोल गया।बिना फिटनेस, गलत परमिट, ओवरलोड सामान और अवैध बॉडी मोडिफिकेशन का खेल खुलेआम चलता मिला।

आरटीओ संतोष मालवीय ने बताया कि जांच टीम के सामने सबसे गंभीर तथ्य यह सामने आया कि कई बसें छतों पर क्षमता से कई गुना अधिक भारी लगेज लेकर दौड़ रही थीं। यह ओवरलोड न सिर्फ बस का संतुलन बिगाड़ता है, बल्कि मोड़ पर पलटने की आशंका को 80 फीसदी तक बढ़ा देता है।

कई बसों की फिटनेस अवधि महीनों पहले समाप्त हो चुकी थी, बावजूद इसके उन्हें खुलेआम यात्रियों के साथ दौड़ाया जा रहा था। वहीं टैक्स चोरी और गलत कागजों की अनियमितता भी बड़े पैमाने पर मिली।

अवैध केबिन और खतरनाक स्लीपर कोच - टीम ने पाया कि कई बसों में अवैध केबिन, घटिया स्लीपर बर्थ और संकरे रास्ते बनाए गए थे, जिनसे आपात स्थिति में यात्री बाहर निकल भी नहीं सकते। कई बसों में आपातकालीन निकास तक अवरुद्ध पाए गए।

आरटीओ की कार्रवाई का ब्योरा

30 बसों की फिटनेस निरस्त

10 बसों का रजिस्ट्रेशन सस्पेंड (कागजों में गड़बड़ी, गलत बॉडी मॉडिफिकेशन)

12 बसों के परमिट निरस्त (रूट उल्लंघन, शर्तों का पालन न करना)

आरटीओ कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि यह कार्रवाई सिर्फ शुरुआत है। अभियान आगे भी जारी रहेगा।

इसलिए जानलेवा बन रही हैं ये बसें

अवैध बॉडी निर्माण

केबिन, सीट और स्लीपर इस तरह लगाए कि आपात स्थिति में यात्री निकल भी नहीं पाएँगे।

ओवरलोड लगेज

छतों पर भारी बोझ

टैक्स चोरी और गलत परमिट

सरकार को राजस्व नुकसान, यात्रियों को खतरे में डालकर लंबी दूरी तक दौड़ाई जा रही बसें।

बिना फिटनेस दौड़ती बसें

तकनीकी खामियों को नजरअंदाज कर सड़कों पर उतारी जा रहीं जर्जर गाड़ियाँ।

शहर में सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या बढ़ी फिर भी प्रदूषण का स्तर 200 एक्यूआई के करीब

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। करीब 5 साल पहले तक शहर में सीएनजी गैस से चलने वाले वाहनों में अधिकांश ऑटो तथा मैजिक वाहन ही चल रहे थे। इसके अलावा पिछले एक साल में सीएनजी तथा इलेक्ट्रिक से चलने वाले अन्य छोटे-बड़े वाहन भी शहर में बढ़ गए हैं और उनकी संख्या लगभग 40 हजार तक पहुंच गई है। मिली जानकारी के मुताबिक पूरे उज्जैन शहर में अभी रसोई गैस पीएनजी के कनेक्शन लगभग 60 हजार लग चुके हैं और लगभग 10 हजार कनेक्शन प्रति वर्ष लगाने का लक्ष्य है पुराने उज्जैन शहर जहाँ बहुत सकरी सडकें हैं वहां पीएनजी पाइपलाइन नहीं लग पाई है। इधर पेट्रोल और डीजल की महंगाई के बाद पीएनजी से चलने वालों में बड़े चार पहिया वाहनों में ऑटो और मैजिक वाहनों के अलावा कार से लेकर ट्रक तक लगभग 8 हजार वाहन उज्जैन में बढ़ गए हैं। इनमें मारूति और हुंडई कंपनी के सीएनजी से चलने वाले वाहन अधिक हैं। इसके अलावा 30 हजार से अधिक ई-रिक्शा व अन्य वाहन इलेक्ट्रिक से भी दौड़ रह हैं। इसके बावजूद शहर में अभी भी वायु प्रदूषण का स्तर 200 एक्यूआई के पार हो रहा है। रविवार सुबह 10 बजे तक महाकाल, आगर रोड़ और चामुण्डा चौराहा क्षेत्र में वायु की गुणवत्ता का स्तर 168 एक्यूआई तक पहुंच गया था। शाम तक यह 200 के पार जा रहा है।

पशुपालन एवं पशु कल्याण को लेकर प्रदेश भर में चलेगा एक माह का जागरूकता अभियान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भारत सरकार के मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा पशुपालकों, किसानों, छात्र-छात्राओं को पशुपालन एवं डेयरी से संबंधित योजनाओं एवं पशु कल्याण के बारे में जागरूक करने के लिए पशुपालन एवं पशु कल्याण जागरूकता माह का आयोजन किया जा रहा है। जो 13 फरवरी 2026 तक चलेगा। केंद्रीय पशुपालन एवं डेयरी विभाग के निर्देशानुसार प्रदेश में भी पशुपालन एवं पशु कल्याण जागरूकता माह का आयोजन किया जाएगा। एक माह तक चलने वाले कार्यक्रम को लेकर संचालक पशुपालन एवं डेयरी डॉ. पीएस पटेल ने सभी जिलों को निर्देश भी जारी कर दिए हैं। संचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग ने बताया कि यह अभियान राज्य, जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर विभिन्न जागरूकता एवं हितग्राही मूलक गतिविधियों के माध्यम से संचालित होगा। अभियान के अंतर्गत पशुकल्याण, पशु चिकित्सा सेवाओं, उन्नत पशुपालन, डेयरी, बकरी एवं मुर्गी पालन से संबंधित योजनाओं के साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा पशुपालन से संबंधित चलाई जा रही हितग्राही मूलक योजनाओं के बारे में पशुपालकों को जागरूक किया जाएगा।

अज्ञात वाहन ने बस कंडक्टर को मारी टक्कर, मौत

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। बीती रात आगर रोड पर दुर्घटना में बस कंडक्टर की मौत हो गई। अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी थी। कंडक्टर को चरक अस्पताल लाया गया। परीक्षण के बाद डॉक्टरों ने शव पोस्टमार्टम कक्ष में रखवा दिया। रविवार सुबह पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाया है।

घट्टिया तहसील के ग्राम नजरपुर में रहने वाला रवि पिता अनिल ठाकुर 40 वर्ष बस पर कंडक्टरी करता था। रात में आखिरी स्टॉप होने पर उज्जैन पहुंचा था। जहां बस खड़ी करने के बाद वह अपनी टीवीएस एक्सल गाड़ी से ग्राम नजरपुर लौटा। मेन रोड किनारे उसने अपनी गाड़ी रोकी और खड़ा हो गया। उसी दौरान तेज गति से आए अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल होने पर रवि गिर पड़ा था। गांव के कुछ लोगों ने उसे देखा तो तत्काल उज्जैन चरक अस्पताल लेकर आए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। रविवार सुबह पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम करवाया गया है। घट्टिया थाना पुलिस अज्ञात वाहन की तलाश में मार्ग पर लगे सीसीटीवी कैमरे देख रही है।

दुर्घटना में घायल की 4 दिन बाद मौत - 14 जनवरी को आगर जिले मे बाइक और ट्रक के बीच भिड़ंत में बाइक सवार मोहनलाल पिता राजाराम विश्वकर्मा निवासी विनायक सिटी घायल हो गया था जिसका उपचार निजी अस्पताल में चल रहा था। बीती रात मोहनलाल की मौत हो गई। नीलगंगा पुलिस ने मर्ग कायम कर पोस्टमार्टम कराया है। जांच आगर पुलिस को भेजी जाएगी।

कार चालक ने युवक को मारी थी टक्कर, प्रकरण दर्ज- माटी की महिमा न्यूज/उज्जैन। 18-19 दिसंबर की रात बरुखेड़ी और डेलची बुजुर्ग के बीच हुई दुर्घटना में मोहन पिता होकमसिंह बंजारा 23 साल निवासी ग्राम पचोला माकड़ोन गंभीर रूप से घायल हो गया था जिसे उपचार के लिए आरडी गार्डी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया था। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी। महिदपुर रोड थाना पुलिस ने दुर्घटना की जांच शुरू की थी। इस दौरान सामने आया कि मृतक बाइक सवार को मारुति कार ने टक्कर मारी थी। पुलिस ने नंबर ट्रेस कर चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। कार जप्त कर चालक को हिरासत में लिया जाएगा

दर्शनार्थियों की कार डंपर से टकराई, 4 घायल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार सुबह देवास रोड पर कार और - डम्पर के बीच टक्कर हो गई। कार में सवार चार युवक घायल हुए है। जो महाराष्ट्र के रहने वाले हैं और महाकाल दर्शन करने उज्जैन आए थे। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाकर मामले की जांच शुरू की है। नागझिरी थाना क्षेत्र स्थित देवास - रोड पर सुबह कार और डम्पर के बीच टक्कर होने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई थी। कार में पांच युवक सवार थे जिसमें से चार घायल हुए थे। उन्हें उपचार के लिए चरक अस्पताल पहुंचाया गया। घटना स्थल पर जांच के दौरान सामने आया कि डम्पर तेज गति से आ रहा था। जिसके चलते भिड़ंत हुई है। अस्पताल पहुंचे घायलों से पुलिस ने जानकारी ली तो उनके नाम दीपक पिता गोवर्धन नाथ, गणेश पिता सहाजी, सिद्धेश्वर पिता गणेश और संदीप पिता साहेब राव होना सामने आए। सभी महाराष्ट्र के पाणेगांव देवपुरी के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि शनिवार को कार से महाकाल दर्शन करने आए थे। दर्शन करने के बाद आज सुबह वापस सीहोर होते हुए महाराष्ट्र जाने के लिए निकले थे। इसी दौरान दुर्घटना हुई है। कार का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। डॉक्टरों के अनुसार सभी घायलों की हालत खतरे से बाहर है। चोट लगने पर उपचार के लिए भर्ती किया गया है। वहीं नागझिरी पुलिस ने डम्पर जप्त कर लिया है, चालक की तलाश की जा रही है।

असत्य को छोड़कर सत्य को सदैव ग्रहण करे, सत्यार्थ प्रकाश ग्रन्थ सब धर्मग्रंथों का सार- सुखदेव व्यास

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सत्य को ग्रहण करने और असत्य को छोड़ने में सदैव उद्यत रहना चाहिए, महर्षि दयानंद का सत्यार्थ प्रकाश ग्रंथ सभी सत्य प्रेमी मनुष्य का मार्गदर्शक है, पंच महायज्ञ हमारे जीवन के नित्य अंग होना चाहिए। यज्ञ में गौ घृत का प्रयोग वातावरण में विष का अंत करता है। यज्ञ ऋषियों द्वारा प्रणीत प्राचीन पूजा पद्धति है और इसी लिए यज्ञ को सर्वश्रेष्ठ कर्म कहा गया है। उक्त विचार आर्य समाज उज्जैन के पूर्व प्रधान आर्य प्रवक्ता सुखदेव व्यास ने आर्य समाज उज्जैन के साप्ताहिक सत्संग में व्यक्त किये। वैदिक विद्वान पंडित राजेंद्र व्यास ने वेद मंत्र की व्याख्या करते हुए कहा की हम जीवन में सत्यव्रत धारण कर व्रतो का पालन करने वाले बने, सत्य सनातन वैदिक धर्म मनुष्य मात्र का कल्याण करने वाला है।

ध्वज वंदन के साथ शताब्दी समारोह का भव्य शुभारंभ-उज्जैन सहित मध्य प्रदेश से 4 हजार से अधिक परिजन पहुंचे

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राजा दक्ष की नगरी कनखल के वैरागी द्वीप की भूमि पर जब शताब्दी ध्वज लहराया, तो मानो एक युग ने अपने गौरवशाली अतीत को नमन करते हुए नवसंकल्प लिया। अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज के तत्वावधान में आयोजित गायत्री परिवार की संस्थापिका वंदनीया माता भगवती देवी शर्मा जी व अखण्ड दीपक के शताब्दी समारोह का शुभारंभ ध्वज वंदन के साथ श्रद्धामय वातावरण में हुआ। यह आयोजन 23 जनवरी तक चलेगा।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह शताब्दी समारोह माताजी के तपस्वी जीवन, निःस्वार्थ सेवा और अखंड साधना के प्रति राष्ट्र की कृतज्ञता का साक्षात भावात्मक अभिव्यक्ति है। माताजी का संपूर्ण जीवन त्याग, बलिदान और साधना की वह ज्योति है, जिसने असंख्य जीवनों को सही दिशा और नई दृष्टि दी। उन्होंने कहा कि गायत्री परिवार को किसी एक संगठन की सीमाओं में नहीं बाँधा जा सकता, यह उस युग चेतना का वह प्रवाह है, जो व्यक्ति से समाज और समाज से राष्ट्र के उत्थान की ओर अग्रसर करता है। मुख्यमंत्री ने देवभूमि उत्तराखण्ड की आध्यात्मिक चेतना का स्मरण करते हुए कहा कि गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ, बद्रीनाथ और आदि कैलाश जैसे तीर्थस्थल भारत की आत्मा की धड़कन हैं। ऐसे पावन परिवेश में आयोजित यह शताब्दी समारोह भारतीय संस्कृति, संस्कार और साधना परंपरा के नवजागरण का संदेश देता है।

शताब्दी समारोह के दलनायक एवं देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति डॉ. चिन्मय पण्ड्या ने कहा कि यह समारोह किसी वैराग्यपूर्ण एकांत तपोभूमि का आयोजन नहीं है, बल्कि यह युगऋषि पूज्य आचार्यश्री का खोया-पाया विभाग है, जहाँ व्यक्ति स्वयं को और अपने दायित्व को पुनः खोजता है। उन्होंने कहा कि यह सौभाग्य किसी के द्वार पर खड़ा होकर प्रतीक्षा नहीं कर रहा, वरन् यह आयोजन स्वयं आपके सौभाग्य का द्वार खोलने का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने समाज परिवर्तन का संदेश देते हुए कहा कि गंगा की कसम, यमुना की कसम, यह ताना-बाना बदलेगा।